patrika.com
राजस्थान पत्रिका SUNDAY

लोक विरोधी तंत्र

गुलाब कोठारी

ऐसा लगने लगा है कि विधायिका और कार्यपालिका ही तय करेंगी कि न्यायपालिका के आदेश लागू हों या नहीं हों। न्यायपालिका मूक बनी बैठी है। उसके सैकड़ों आदेश धूल चाट रहे हैं, जहां जनहित से ज्यादा कार्यपालिका और विधायिका के हित बड़े हैं। आजकल जयपुर में अतिक्रमण हटाने के नाम पर आतिशी बुलडोजर चल रहे हैं। अधिकारी, जनता पर गुर्रा रहे हैं। मानो उनकी निजी भूमि किसी ने छीन रखी हो। हाईकोर्ट ने अभी कुछ कार्रवाई रुकवाई।

दूसरी ओर दिल्ली रोड स्थित एक बड़ी होटल का मामला कानून की पालना का अद्भुत उदाहरण बना हुआ है। होटल निर्माण लगभग पूरा हो चुका है, तब अधिकारियों को कानून याद आ रहे हैं। क्या सारा निर्माण ढंककर किया जा रहा था? क्या जो नुकसान होटल को ढहाने से होगा, वह राष्ट्र का नुकसान नहीं होगा? जिन अधिकारियों ने होटल बनते देखा है-मौन रहकर, उन पर कार्रवाई पहले होनी चाहिए। जब होटल बनने की स्वीकृति जारी हुई, तब क्या कानून का उल्लंघन नहीं था? हाईकोर्ट ने 72 घंटे के नोटिस की शर्त लगा दी। कार्रवाई के आदेश दबे पड़े रहे। जेडीए को भेजे ही नहीं गए। शायद कुछ हाथ लग जाए।

वन विभाग अपनी भूमि पर कार्रवाई करने में कितना चाक-चौबन्द है इसका उदाहरण सरिस्का बाघ अभयारण्य है। मीडिया में लगातार समाचार छपने के बावजूद एक भी रिसोर्ट नहीं टूटा। क्यों? अफसरों का था ना? सवाईमाधोपुर अभयारण्य के भीतर स्व. फतेहसिंह ने पक्के निर्माण करवा लिए, होटल बन गए, किसी ने तोड़ने के लिए आज तक कोई कदम उठाए? जयपुर में पहाड़ों पर बसी कॉलोनियों को छूट किस कानून में मिली हुई है?

राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में ऐसे मामलों की भरमार है जिनमें अदालतों के आदेश की अवहेलना हो रही है। यहां बानगी के तौर पर राजस्थान के कुछ ऐसे मामलों का जिक्र करना चाहूंगा जिनमें लगता है कि अफसर चाहें तो अवैध को वैध करने का काम आसानी से किया जा सकता है।

सच यह है कि अधिकारी, कानून का डर दिखा- दिखाकर आम आदमी पर बुलडोजर चलाते हैं। बड़े नेता और वोटर इनके देवता हैं। जयपुर के पास रामगढ़ बांध के जल ग्रहण क्षेत्र में कितने अधिकारियों/नेताओं ने जमीनें दबा रखी हैं। कितने अवैध एनिकट बने हुए हैं। बांध की जमीन में पक्के निर्माण और खेती क्या कानून पालने वालों की बेहयाई और दादागिरी नहीं हैं? क्या इनको जेलों में नहीं होना चाहिए? तब इनको शहरों में बुलडोजर चलाने का क्या अधिकार है?

क्या झालाना बाईपास की 200 फीट जमीन पर 100 फीट तक के पक्के अतिक्रमण बुलडोजर को न्यौता नहीं देते? पहले उन पर चलें। बरसों से आदेशों की धज्जियां उड़ रही हैं। नेताओं के नाम तक छप चुके हैं। न्यायालय की कमेटियां कई बार अपनी रिपोर्टें दे चुकी हैं। जब तक वहां बुलडोजर नहीं चले, नए आदेशों की पालना में विभाग को कहीं भी निर्माण ध्वस्त करने का नैतिक अधिकार नहीं हैं।

शुद्धिकरण का समय@पेज04

gulabkothari@epatrika.com

गेंद	1	2	3	4	5	6	7
	मिलर आउट	4 रन	1 रन	1 रन	1 रन वाइड	रबाडा आउट	1 रन

विराट जीत की हार्दिक बधाई

दक्षिण अफ्रीका को आखिरी **ओवर में** जीत के लिए 16 **रन की** दरकार थी और **हार्दिक** के हाथ में गेंद थी।

02 बार भारत ने टी-20 विश्व कप जीता

11 साल बाद टीम इंडिया ने आइसीसी खिताब जीता

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बारबाडोस. 11 साल के लंबे अंतराल के बाद भारतीय क्रिकेट में वो लम्हा आया, जिसका ना सिर्फ टीम इंडिया बल्कि 140 करोड़ भारतीय प्रशंसकों को इंतजार था। भारतीय टीम ने 2013 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतने के बाद पहली बार कोई आइसीसी खिताब जीता है। भारतीय टीम ने शनिवार को यहां खेले गए आइसीसी टी-20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को सात रन से शिकस्त दी और दूसरी बार विश्व चैंपियन का खिताब जीता। इससे पहले, भारतीय टीम 2007 में टी-20 विश्व चैंपियन बनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने सात विकेट पर 176 रन बनाए थे। शेष@पेज04

सूर्या का जादुई कैच

दक्षिण अफ्रीका को आखिरी ओवर में जीत के लिए 16 रन की दरकार थी। हार्दिक पांड्या की पहली गेंद पर डेविड मिलर ने शॉट मारा, लेकिन सूर्यकुमार यादव ने छक्के के लिए जा रही बॉल को बाउंड्री पर पकड़ लिया। इस कैच के साथ ही मैच और खिताब भारत की झोली में आ गया।

मैच विजयी ओवर फेंकने के बाद खुशी से रोते हार्दिक को रोहित ने उठा लिया।

यादगार जीत के साथ विराट ने टी-20 प्रारूप को कहा अलविदा...

पूरे टूर्नामेंट में फ्लॉप रहे दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली सही मौके पर चमके और उन्होंने फाइनल में 76 रन की बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने 59 गेंद खेलते हुए छह चौके और दो छक्के लगाए। प्लेयर ऑफ द मैच बने विराट कोहली ने इस ऐतिहासिक जीत के साथ ही अंतरराष्ट्रीय टी-20 प्रारूप से संन्यास भी ले लिया।

मैच का विस्तृत कवरेज देखने के लिए स्कैन करें

बरसा पैसा

20.42 करोड़ रुपए चैंपियन बनने पर टीम इंडिया को मिले

अजेय रहकर चैंपियन बनने वाली पहली टीम

भारतीय टीम ने इस टी-20 विश्व कप में कुल आठ मैच खेले और सभी जीते। टीम इंडिया बिना कोई मैच हारे चैंपियन बनने वाली दुनिया की पहली टीम बनीं।

द्रविड़ को यादगार गुरु दक्षिणा

भारतीय टीम ने कोच राहुल द्रविड़ को यादगार तोहफा दिया। बतौर कोच द्रविड़ का यह आखिरी विश्व कप है। द्रविड़ खिलाड़ी के तौर पर कभी विश्व चैंपियन टीम का हिस्सा नहीं बन सके।

न्यूज ब्रीफ

भारत की बेटियों ने रचा इतिहास

चेन्नई@पत्रिका. भारतीय महिला क्रिकेट खिलाड़ियों ने यहां दक्षिण अफ्रीका के साथ खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मुकाबले में छह विकेट पर 603 रन बनाकर पारी घोषित कर दी। इसी के साथ भारतीय खिलाड़ियों ने टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का इतिहास रच दिया। इससे पहले यह रेकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था जिसने इसी साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नौ विकेट पर 575 रन बनाए थे।

विस्तृत@स्पोर्ट्स&गेमिंग

झरोखा

मन्नतों की बारिश हादसों से हाहाकार

सैलाब में बहा सेना का टैंक, 5 शहीद

देश के कई राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. जानलेवा गर्मी से परेशान लोगों की मन्नतों के बाद आई मानसून की बारिश से जहां तपती धरती को राहत मिली है, वहीं कम समय में ज्यादा बारिश से होने वाले हादसों ने हाहाकार मचाना शुरू कर दिया है। राजधानी दिल्ली के बाद पहाड़ी इलाकों से भी वर्षा जनित हादसों की खबरें मिलने लगी हैं।

केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के पास सेना का एक टैंक दुर्घटनाग्रस्त होने से जेसीओ समेत पांच सैनिक शहीद हो गए। देवभूमि उत्तराखंड के हरिद्वार में भारी बारिश के कारण शनिवार को 'सूखी नदी' में बहते वाहनों की वायरल तस्वीरों ने रोंगटे खड़े कर दिए हैं। हरिद्वार प्रशासन ने लोगों से नदी किनारे न जाने और सावधान करने की हिदायत दी है।

तेज धारा से बचाव अभियान विफल

सेना के प्रवक्ता ने कहा 'बचाव दल घटनास्थल पर पहुंच गए थे, लेकिन नदी की तेज धारा और जल स्तर के कारण बचाव अभियान सफल नहीं हुआ और टैंक चालक दल की जान चली गई। टैंक तीन डिवीजन की 52 आर्मर्ड रेजिमेंट का था और लेह जिले के तांगस्टे आ रहा था।

पहाड़ी राज्यों में ऑरेंज अलर्ट

- आइएमडी ने 30 जून से 3 जुलाई तक उत्तराखंड के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग ने कहा, 'उत्तराखंड में कुछ स्थानों पर बहुत भारी वर्षा होने की संभावना है।'
- हिमाचल प्रदेश के कई भागों में एक सप्ताह तक भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। अगले दो दिनों के दौरान प्रदेश के शेष भागों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं।
- शिमला मौसम विज्ञान केंद्र ने अपने पूर्वानुमान में कहा कि राज्य में पांच जुलाई तक बारिश का सिलसिला जारी रहेगा। इस दौरान कई भागों में भारी बारिश का 'येलो-ऑरेंज' अलर्ट है।

हरिद्वार में उफान पर सूखी नदी : तैरने लगी गाड़ियां

एक वायरल वीडियो में 'सूखी नदी' में तेज बहाव के कारण वाहन बहते दिख दे रहे हैं। यह नदी आमतौर पर सूखी रहती है, इसलिए लोग गाड़ी पार्क करने लगे थे। प्रवाह को देखते हुए लोगों को यहां नहीं जाने की सलाह दी गई है।

पहली द्विपक्षीय यात्रा

जुलाई के दूसरे सप्ताह में पीएम मोदी जाएंगे रूस और आस्ट्रिया

वियना@ पत्रिका. प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार कार्यभार संभालने के बाद पीएम नरेंद्र मोदी 8 से 10 जुलाई तक दो देशों की यात्रा पर होंगे। इस दौरान वे ऑस्ट्रिया और रूस की यात्रा करेंगे। प्रधानमंत्री के रूप में लगातार तीसरी बार कार्यभार संभालने के बाद यह उनकी पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। ऑस्ट्रिया में भारत के राजदूत शंभू कुमारन के मुताबिक भारत और आस्ट्रिया दोनों देश वर्तमान में द्विपक्षीय संबंधों की स्थापना का 60वीं सालगिरह मना रहे हैं।

तीन रिवॉल्वर के साथ युवक गिरफ्तार

सूरत @ पत्रिका. मुंबई में 1993 के साम्प्रदायिक दंगों के दौरान एक युवक को लावारिस हालत में मिली तीन रिवॉल्वर 31 साल बाद बरामद कर स्पेशल ऑपरेशन ग्रुप पुलिस ने उसे गिरफ्तार किया है। डीसीपी क्राइम राजदीपसिंह नकूम ने बताया कि आरोपी मेहुल ठक्कर डुंभाल क्षेत्र की अंबिका सोसायटी में रहता है।

रिपोर्ट : पिछले 25 वर्ष में 6.8 करोड़ बाल विवाह रुके

भारत में 20 करोड़ बालिका विवाह, दुनिया में सबसे ज्यादा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. लैंगिक समानता के मोर्चे पर दुनिया अभी काफी पीछे है। हाल ही जारी संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट में सामने आया है कि दुनिया में 64 करोड़ महिलाओं की शादी 18 वर्ष की उम्र से पहले हो गई थी। इनमें सबसे ज्यादा एक तिहाई संख्या भारत की है। भारत में 20 करोड़ से ज्यादा महिलाओं की शादी 18 वर्ष से पहले हुई। सतत विकास लक्ष्य रिपोर्ट 2024 के मुताबिक पांच में से एक लड़की की शादी 18 की उम्र से पहले हो जाती है, जबकि 25 वर्ष पहले चार में एक लड़की की शादी इस उम्र से पहले हो रही थी। यानी थोड़ा बदलाव है, लेकिन ज्यादा नहीं। हालांकि इस मामूली सुधार से ही पिछले 25 वर्ष में 6.8 करोड़ बाल विवाह रुके हैं।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के मुताबिक महिलाओं के खिलाफ हिंसा और उनके यौन-प्रजनन स्वास्थ्य के प्रति स्वायत्तता की कमी जैसे मुद्दे अभी भी बने हुए हैं। रिपोर्ट में कहा गया कि मौजूदा गति से पुरुषों और महिलाओं के बीच प्रबंधन पदों में समानता हासिल करने में 176 वर्ष लग जाएंगे। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस का कहना है कि रिपोर्ट का निष्कर्ष साफ है कि शांति सुनिश्चित करने और जलवायु परिवर्तन का सामना करने में हमारी विफलता, विकास को कमजोर कर रही है।

2030 तक सिर्फ 17% लक्ष्य पूरे होंगे

रिपोर्ट में बताया गया है कि वैश्विक जीवन स्थितियों में सुधार के लिए संयुक्त राष्ट्र द्वारा निर्धारित 169 लक्ष्यों में से 2030 तक सिर्फ 17 फीसदी ही पूरे होने की उम्मीद है। 2015 में विश्व नेताओं द्वारा अपनाए गए इस लक्ष्य का उद्देश्य लैंगिक समानता हासिल करना और गरीबी दूर करना था। हालांकि इनमें आधे लक्ष्य ही मध्यम गति से पूरे होने की दिशा में हैं, जबकि एक तिहाई से ज्यादा रुके हुए हैं या पीछे छूट गए।

TRENDING NEWS ट्रेंडिंग न्यूज

चंडीगढ़: 24 घंटे खुल सकेंगी दुकानें

चंडीगढ़. चंडीगढ़ प्रशासन ने श्रम विभाग में पंजीकृत दुकानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को अब 24 घंटे खोलने की अनुमति दे दी है। महिला कर्मचारियों को रात आठ बजे के बाद उनकी लिखित सहमति से ही काम की अनुमति होगी।

केजरीवाल 12 तक न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली. राउज एवेन्यू कोर्ट ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति घोटाले से जुड़े सीबीआइ के मामले में 12 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। उन्हें तीन दिन की रिमांड अवधि पूरी होने पर पेश किया गया था।

पुजारी को एंड्रॉयड फोन पर रोक

अयोध्या. राम मंदिर में वीआइपी के बाद अब पुजारी भी सोमवार से एंड्रॉयड फोन का इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। वे कीपैड फोन काम में ले सकते हैं। पहली जुलाई से ही मंदिर में रामलला की सेवा के लिए पांच के साथ 20 और पुजारी नियुक्त किए जाएंगे।

एसबीआइ: सेट्टी होंगे नए चेयरमैन

नई दिल्ली. स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंध निदेशकों में से एक चेल्ला श्रीनिवासुलु सेट्टी बैंक के नए चेयरमैन होंगे। चयन संस्था वित्तीय सेवा संस्था ब्यूरो (एफएसआइबी) ने शनिवार को उनके नाम की सिफारिश की। वे दिनेश खारा का स्थान लेंगे।

लापरवाही : माता-पिता ने दर्ज कराई शिकायत

डॉक्टरों ने पैर की जगह लड़के के प्राइवेट पार्ट की कर दी सर्जरी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे जिले के शाहपुर में लापरवाही का एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। शाहपुर में सरकारी अस्पताल के डॉक्टरों ने नौ साल के लड़के के पैर की जगह प्राइवेट पार्ट की सर्जरी कर दी। इस मामले में लड़के के माता-पिता ने ठाणे में शिकायत दर्ज कराई है। पिछले महीने दोस्तों के साथ खेलते समय लड़के के पैर में चोट लग गई थी। उसे 15 जून को शाहपुर के उप-जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उसका इलाज चल रहा था। इस बीच डॉक्टरों ने उसके पैर की जगह प्राइवेट पार्ट की सर्जरी कर दी। गलती का अहसास होने पर डॉक्टरों ने उसके चोटिल पैर की सर्जरी भी की।

अस्पताल के डॉक्टर गजेंद्र पवार ने बताया कि पैर में चोट के अलावा लड़के को फिमोसिस (तंग चमड़ी) की भी समस्या थी। इस वजह से दो ऑपरेशन करने पड़े।

पर्यावरण की चिंता : फ्रांस में इस वर्ष होने वाले खेल महाकुंभ में दिखेंगे कई बदलाव

इस बार ओलंपिक में एथलीट्स के कमरों में नहीं होंगे एसी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

पेरिस. पर्यावरण संरक्षण अब वैश्विक जिम्मेदारी बन चुका है। इसी दिशा में इस वर्ष होने वाले पेरिस ओलंपिक में पर्यावरण अनुकूल सुधार देखने को मिलेंगे। खेल गांव में खिलाड़ियों के कमरों में एयर कंडीशनर (एसी) नहीं लगाए जाएंगे, बल्कि इसकी जगह विशेष भूमिगत हीटिंग और शीतलन प्रणाली का उपयोग किया जाएगा। यह प्रणाली गर्मियों में ठंडक और सर्दियों में गर्मी प्रदान करती है। कमरों को ठंडा करने के लिए फर्श के नीचे पानी के पाइप लगाए गए हैं। इससे ठंडी हवा मिलेगी और यह तापमान को 79 डिग्री फॉरेनहाइट से ज्यादा नहीं होने देगा।

कुछ देशों की अलग व्यवस्था

इस बीच अमरीका, जर्मनी, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा और ब्रिटेन आदि कुछ देश अपने खिलाड़ियों के लिए पोर्टेबल एसी लगाने की योजना बना रहे हैं। इन देशों का तर्क है कि उनके एथलीट्स की बेहतर परफॉर्मेंस के लिए एयर कंडीशनर जरूरी है। तेज गर्मी खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर असर डाल सकती है।

और भी इंतजाम

- नए निर्माण की जगह ज्यादातर स्पर्धाएं मौजूदा स्टेडियम में आयोजित की जाएंगी।
- लोगो रहित डिनर प्लेटें होंगी, जिससे उन्हें खेलों के बाद फिर से उपयोग किया जा सके।
- पानी की बचत के लिए मिनी वाटर ट्रीटमेंट सेंटर बनाया गया है, जो गंदे पानी को साफ करेगा।
- बारिश के पानी को इकट्ठा करने की भी व्यवस्था की गई है, जिससे उस पानी का इस्तेमाल शौचालयों में किया जा सके।
- शौचालयों को ऐसे डिजाइन किया गया कि मल-मूत्र को अलग कर उर्वरक बनाया जाए।

सोशल मीडिया : तेलंगाना हाईकोर्ट की टिप्पणी

जीवनसाथी को फेसबुक या इंस्टाग्राम से दूर करना भी क्रूरता

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

हैदराबाद. तेलंगाना हाईकोर्ट ने एक फैसले में अहम टिप्पणी देते हुए कहा है कि जीवनसाथी को फेसबुक और इंस्टाग्राम से वंचित करना भी क्रूरता हो सकती है। कोर्ट ने कहा कि पति या पत्नी द्वारा दूसरे की सामाजिक प्रतिष्ठा या कार्य की संभावनाओं को नुकसान पहुंचाने वाला कोई भी कार्य 'क्रूरता' के अंतर्गत आएगा। कोर्ट ने कहा कि यह कहना अतिश्योक्ति नहीं होगी कि जीवनसाथी को सोशल मीडिया से दूर रहने के लिए मजबूर करना भी क्रूरता कहलाएगी। पीठ ने यह टिप्पणी हिंदू विवाह अधिनियम के तहत तलाक लेने के लिए एक पति की अपील को स्वीकार करते हुए कीं। कोर्ट ने यह भी कहा कि विवाह के लिए व्यक्तियों पर दबाव नहीं डाला जा सकता तथा अदालत को जल्लाद या परामर्शदाता की भूमिका निभाकर पक्षकारों को प्रेमहीन विवाह में पति-पत्नी के रूप में रहने के लिए बाध्य नहीं करना चाहिए।

न्यूज विंडो

मोबाइल पर 47,500 करोड़ ज्यादा खर्च

नई दिल्ली@पत्रिका. रिलायंस जियो और भारती एयरटेल के बाद दूरसंचार कंपनी वोडाफोन-आइडिया ने भी शनिवार को मोबाइल टैरिफ में 10 से 23% बढ़ोतरी की घोषणा कर दी है। बढ़ी हुई दरें चार जुलाई से प्रभावी होंगी। अनुमान है कि देश की तीनों बड़ी मोबाइल सेवा प्रदाताओं के टैरिफ में वृद्धि के बाद देशवासियों को सालाना करीब 47,500 करोड़ रुपए ज्यादा खर्च करने होंगे।

उल्टी दिशा से घुसी कार, सात मरे

मुंबई@पत्रिका. महाराष्ट्र में मराठवाड़ा के जालना जिले के कदवंची गांव के पास दो कारों के बीच हुई टक्कर में सात लोगों की मौत हो गई और चार अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। यह हादसा शुक्रवार रात मुंबई-नागपुर समृद्धि एक्सप्रेसवे पर नागपुर से मुंबई जा रही एक कार को विपरीत दिशा से आ रही दूसरी कार ने टक्कर मार दी। घायलों में से दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस मृतकों की पहचान कर रही है।

ईडी ने अब माकपा को बनाया आरोपी

कोच्चि@पत्रिका. आप के बाद माकपा माकपा दूसरी ऐसी पार्टी बन गई है जिसे ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपी बनाया है। ईडी ने शुक्रवार को पार्टी के पोराथिसेरी कार्यालय की जमीन और त्रिशूर जिले में आठ बैंक अकाउंट को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया। माकपा को मुख्य आरोपी बनाया गया है। ईडी ने कहा कि भ्रष्टाचार से हासिल धन को पार्टी के बैंक खातों में भेजा है।

गुजरात के सात स्थानों पर सीबीआइ के छापे

नई दिल्ली @पत्रिका. नीट-यूजी पेपर लीक मामले में सीबीआइ ने शनिवार को गुजरात के सात स्थानों पर छापे मारे। यह अभियान सुबह चार जिलों आणंद, खेड़ा, अहमदाबाद और गोधरा में स्थित संदिग्धों के परिसरों में शुरू हुआ।

उधर कांग्रेस ने आरोप लगाया कि सरकार को नीट पेपर लीक मामले की जानकारी थी और सबूत होने के बावजूद सुप्रीम कोर्ट को गुमराह किया। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद शक्तिसिंह गोहिल ने कहा, सरकार नीट पेपर लीक मामले में छोटी मछलियों को पकड़कर बड़े मगरमच्छों को छोड़ रही है।

दस जुलाई को पेश होगा राजस्थान का बजट!

जयपुर @ पत्रिका. प्रदेश सरकार का बजट दस जुलाई को पेश होगा। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने शनिवार को इसके संकेत दिए। उन्होंने भाजपा कार्यालय में कहा कि बजट हर वर्ग के हित का होगा। काफी लम्बे समय बाद यह देखने को मिलेगा कि इस बार का बजट केन्द्र सरकार के बजट से पहले ही आ रहा है। अक्सर हर बार केन्द्र सरकार का बजट पहले आता है और राज्य की सरकारें बाद में बजट पेश करती हैं।

राजस्थान पत्रिका में खबर प्रकाशित होने के बाद कृषि मंत्रालय से लेकर आईएसएआर तक हड़कंप

अब कृषि वैज्ञानिक भर्ती पर प्रधानमंत्री कार्यालय ने लिया संज्ञान

गवर्निंग बॉडी ने आईएसएआर डायरेक्टर जनरल को जांच कमेटी गठन के लिए कहा

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. नीट और नेट की परीक्षाओं में विवाद के बीच कृषि वैज्ञानिक भर्ती बोर्ड (एएसआरबी) की भर्ती परीक्षा को लेकर भी सवाल तेज हो गए हैं। **राजस्थान पत्रिका ने 25 जून 2024 को ''नीट के बाद कृषि वैज्ञानिक भर्ती संदेह के घेरे में'' शीर्षक** से खबर प्रकाशित की थी। इस खबर से इंडियन काउंसिल ऑफ एग्रीकल्चरल रिसर्च (आईसीएआर) से लेकर कृषि मंत्रालय तक में हड़कंप मच गया। एएसआरबी की परीक्षा को लेकर प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने भी संज्ञान लिया है। पीएमओ ने कृषि मंत्रालय से जवाब तलब किया है। इससे विद्यार्थियों में भी न्याय की उम्मीद जगी है।

आईसीएआर की सर्वोच्च कमेटी गवर्निंग बॉडी (जीबी) के सदस्यों ने भी भर्ती परीक्षा पर कुछ संदेहों को लेकर प्रश्न खड़े किए हैं। 26 तारीख को नास कॉम्प्लेक्स आईसीएआर में हुई जीबी बैठक में अधिकांश सदस्यों ने पत्रिका में प्रकाशित खबर की फोटोकॉपी दिखाते हुए आईसीएआर के महानिदेशक को कटघरे में खड़ा कर दिया। जीबी ने इस पर चिन्ता जताते हुए गड़बड़ी से संबंधित बिन्दुओं पर विस्तार से चर्चा की।

शिकायत करने वालों को न किया जाए परेशान

राजस्थान पत्रिका में समाचार प्रकाशित होने के बाद परीक्षार्थियों से लेकर अफसरों तक में गड़बड़ियों को लेकर सुगबुगाहट तेज हुई और संदेहों पर खुलकर चर्चा होने लगी है। जीबी ने आईसीएआर के डायरेक्टर जनरल को मामले की गहन जांच के लिए एक कमेटी गठित करने को कहा है। संलिप्त अधिकारियों पर कठोर से कठोर कार्रवाई करने की बात भी कही। जीबी सदस्यों ने यह भी सुनिश्चित करने को कहा है कि संदिग्ध उम्मीदवारों की शिकायत करने वाले बच्चों को परेशान नहीं किया जाए और शिकायत पर तुरंत कार्रवाई की जाए।

प्रकाशित खबर।

ऐसे उठे अहम सवाल

जीबी सदस्य सुषमा सिंह के अनुसार वरीयता सूची में शामिल दस बच्चों में एक भी आईसीएआर जैसे प्रतिष्ठित संस्थान से एक भी विद्यार्थी का न होना भी अपने आप में जांच का विषय है। एएसआरबी की ओर से मार्च में जारी किए विषय विशेषज्ञ और वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी परीक्षा नतीजों पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इसके चलते परीक्षार्थियों ने विस्तृत जांच की मांग की है। दरअसल, परीक्षा परिणाम की बारीकी से विश्लेषण करने पर जानकारी मिली है कि आइएआरआइ, आइवीआरआइ, एनडीआरआइ जैसे कृषि शिक्षा के शीर्ष संस्थानों के छात्रों को टॉप-10 में स्थान नहीं मिला है, यहां तक कि उनके चयन का प्रतिशत भी कम है। गैर-आइसीएआर मान्यता प्राप्त और निजी संस्थानों के उन छात्रों का नाम मेरिट लिस्ट में है, जिनका शैक्षणिक रिकॉर्ड औसत या उससे नीचे रहा है। परीक्षार्थियों ने पेपर लीक, बंडलों में छेड़छाड़, सीबीटी सिस्टम हैकिंग या एएसआरबी मुख्यालय में अनियमितताएं की आशंका जताई है।

क्यों गहराया संदेह

परीक्षा पर संदेह का एक बड़ा कारण मेरिट में चयनित अधिकतर छात्रों का 3-4 राज्यों व तीन परीक्षा केंद्रों से ही जुड़ा होना है। चयनित व टॉपर सूची में अधिकतर छात्र राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा के हैं। इन उम्मीदवारों के परीक्षा केंद्र सांगानेर (जयपुर), नई दिल्ली और करनाल में थे। ये परीक्षा केंद्र सफल छात्रों के निवास स्थान से काफी दूर हैं, जबकि अन्य उम्मीदवारों के परीक्षा केंद्र उनके मूल स्थानों के पास ही थे। इससे परीक्षा केंद्रों के आवंटन में भी गड़बड़ी की आशंका है। नीट की परीक्षा में यही वजह गड़बड़ी की कारण बनी।

वाट्सऐप ग्रुप पर चले प्रश्न: खास बात है कि परीक्षा के समय वाट्सऐप ग्रुपों पर प्रश्नों का खूब आदान-प्रदान हुआ। 'पत्रिका' के पास यह संदेश मौजूद है।

शाह ने एनडीआरएफ के पर्वतारोहण अभियान विजय के सदस्यों का स्वागत किया

21 हजार 625 फीट ऊंची चोटी मणिरंग फतह करने वाले दल का वेलकम

आपदा प्रबंधन उपकरण और फोटो प्रदर्शनी का भी निरीक्षण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के दूसरे पर्वतारोहण अभियान 'विजय' के सदस्यों का 21 हजार 625 फीट ऊंची चोटी मणिरंग को फतह करके लौटने पर शनिवार को स्वागत किया।

गृह मंत्री ने यहां आपदा प्रबंधन उपकरण और फोटो प्रदर्शनी का भ्रमण भी किया। इस प्रदर्शनी में बल के कर्मचारियों द्वारा अभियानों में प्रयोग किए जाने वाले अत्याधुनिक उपकरणों और तकनीकों को दर्शाया गया है। भारत और तुर्की में आपदा प्रबंधन अभियानों में शामिल रहे बचाव दलों के प्रतिनिधियों ने गृह मंत्री को प्रदर्शनी के बारे में बताया। गृह मंत्री ने बाढ़ के दौरान बचाव अभियान, भूस्खलन, ढांचों के मलबे में खोज एंव बचाव अभियान, कैमिकल बायोलॉजिकल रेडियोलॉजिकल न्यूक्लियर रिस्पॉस मैकेनिज्म (सीबीआरएरन), पर्वत बचाव अभियान, बोरवैल बचाव अभियान और तूफान प्रतिक्रिया आदि के बारे में विस्तार से जानकारी ली। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह सचिव और बल के महानिदेशक सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

फ्लैग इन सेरेमनी के दौरान मणिरंग को फतह करके लौटने वाले दल के साथ गृहमंत्री अमित शाह और प्रदर्शनी का निरीक्षण करते हुए।

'पर्वतारोहण सिर्फ एक कौशल नहीं है, बल्कि जीवन जीने की कला'

शाह ने मणिरंग पर सफल अभियान के लिए बल के जवानों की सरहना करते हुए कहा कि इतनी ऊंचाई पर जाने के लिए अदम्य साहस दिखाने का फैसला करने वाले जवानों के ऐसे कठिन अभियानों से व्यक्ति और बल दोनों की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कठिन अभियानों से लक्ष्य को सिद्ध करने, विजय प्राप्त करने और अकल्पनीय कठिनाइयों को पार कर लक्ष्य तक पहुंचने की आदत पड़ती है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि इस अभियान में कुछ जवानों ने सफलता प्राप्त की है लेकिन सही मायनों में यह पूरे बल की सफलता है।

इन जवानों ने सिर्फ मणिरंग पर्वत की ऊंचाई पर विजय प्राप्त नहीं की है, बल्कि पूरे बल के हौंसले को बढ़ाने का काम किया है। गृह मंत्री ने कहा कि पर्वतारोहण सिर्फ एक कौशल नहीं है, बल्कि जीवन जीने की कला है और इस कला को सिद्धहस्त करना पूरे जीवन के लिए एक शिक्षा बनता है। उन्होंने अभियान 'विजय' में सफलता हासिल करने वाले 35 जवानों और बल के महानिदेशक को इस शानदार उपलब्धि के लिए बधाई दी।

जीरो कैजुअल्टी अप्रोच' को अपनाया जा रहा

शाह ने कहा,'' एक ज़माने में भारत में आपदा को लेकर हमारा दृष्टिकोण सिर्फ राहत-केन्द्रित था, लेकिन अब आपदा प्रबंधन के लिए राहत-केन्द्रित नहीं बल्कि 'जीरो कैजुअल्टी अप्रोच' को अपनाया जा रहा है। आपदा से निपटने के मामले में ये हमारी बहुत बड़ी यात्रा रही हैं। पिछले 10 साल के कार्यकाल में आपदा से निपटने के लिए दुनियाभर की अच्छी तकनीकों को हमने भारत में ज़मीन पर उतारा है।''

संबोधन का सरोकार : सीजेआइ की खरी-खरी

'कोर्ट को मंदिर और जजों को भगवान मानना खतरनाक'

बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सीजेआइ से भेंट की।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोलकाता. सीजेआइ डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि कोर्ट को मंदिर और जजों को भगवान मानने की प्रवृत्ति खतरनाक है, क्योंकि जजों का काम जनता की सेवा करना है। ऐसी सोच देश की न्यायपालिका के लिए उचित नहीं होगा। कोलकाता में में एक कार्यक्रम में सीजेआइ ने कहा, अक्सर हमें कोर्ट में माननीय, लॉर्डशिप या लेडीशिप के रूप में संबोधित किया जाता है।

जब लोग कहते हैं कि अदालतें न्याय का मंदिर है तो यह बहुत बड़ा खतरा है, क्योंकि हम खुद को उन मंदिरों में देवताओं के रूप में देखने लगते हैं। सीजेआई ने कहा कि जब उनसे कहा जाता है कि कोर्ट 'न्याय का मंदिर' है, तो उन्हें संकोच होता है, क्योंकि मंदिर में जज को देवता के रूप में देखा जाने लगता है। सीजेआइ न कहा, मैं जज की भूमिका को लोगों के सेवक के रूप में फिर से परिभाषित करना चाहूंगा और जब आप खुद को ऐसा व्यक्ति मानते हैं, जो दूसरों की सेवा के लिए है, तो आप खुद में करुणा, सहानुभूति और न्याय करने की धारणा लाते हैं, लेकिन दूसरों के बारे में जजमेंटल नहीं होते।

उन्होंने न्यायपालिका में तकनीक के प्रयोग पर जोर दिया और आमजन के लिए फैसलों को समझने में भाषायी बाधाओं को दूर करने के बारे में बताया।

ये जिला अदालतों के लिए भी जरूरी

उन्होंने कहा कि आपराधिक मामले में किसी को सजा सुनाते समय भी न्यायाधीश करुणा की भावना के साथ ऐसा करते हैं, क्योंकि अंत में एक इंसान को सजा सुनाई जाती है। इसलिए संवैधानिक नैतिकता का ये कॉन्सेप्ट सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट ही नहीं बल्कि जिला अदालतों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं।

लोकसभा अध्यक्ष बिरला का स्वागत

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के स्वागत का दौर जारी है। राजस्थान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा राजस्थान के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष एम. सादिक खान की अगुवाई में बिरला का स्वागत किया। खान ने दिल्ली में ओम बिरला के निवास पर जाकर उन्हें लोकसभा स्पीकर चुने जाने पर बुके भेंट किया और शॉल ओढ़ाकर उनका इस्तकबाल किया। उन्होंने बिरला को इस महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं।। इस मौके पर मोर्चा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एच. खान भी उपस्थित रहे। वहीं खान ने भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमाल सिद्दीकी से भेंट कर संगठन को लेकर चर्चा की।

उपराष्ट्रपति से मिले रक्षामंत्री

नई दिल्ली. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुलाकात की।

देश के 30वें थल सेना प्रमुख आज सम्भालेंगे कार्यभार

नए सेनाध्यक्ष के साथ सैन्य नेतृत्व में दिखेगा 'जनरेशन चेंज'

द्विवेदी भारत-चीन युद्ध के बाद जन्मे पहले सैन्याधिकारी

सुरेश व्यास
patrika.com

नई दिल्ली. भारतीय थल सेना के प्रमुख मनोनीत किए गए उपसेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी रविवार दोपहर देश के 30वें सेनाध्यक्ष के रूप में कमान सम्भालेंगे। वे मौजूदा सेनाध्यक्ष जनरल मनोज पांडे का स्थान लेंगे। जनरल पांडे 30 दिन के सेवा विस्तार के बाद रविवार को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

जनरल द्विवेदी के सेनाध्यक्ष बनते ही थल सेना में अहम 'जनरेशन चेंज' (पीढ़ीगत बदलाव) नजर आएगा। यह सम्भवत: पहला अवसर है जब साल 1962 के भारत-चीन युद्ध के बाद जन्मा कोई व्यक्ति सेनाध्यक्ष का पद सम्भाल रहा है। अब तक बने सभी सेनाध्यक्ष भारत-चीन युद्ध के या तो साक्षी रहे हैं या उनका जन्म इस युद्ध से पहले हुआ है। निवर्तमान सेनाध्यक्ष जनरल पांडे का जन्म भी 6 मई 1962 का है, जबकि भारत-चीन युद्ध 20 अक्टूबर से 20 नवम्बर 1962 के बीच लड़ा गया था।

नए सेनाध्यक्ष जनरल द्विवेदी का जन्म 1 जुलाई 1964 को हुआ था। ऐसे में वे भारतीय सेना के नेतृत्व में 'जनरेशन चेंज' की पहली पीढ़ी होंगे। जनरल द्विवेदी को केंद्र सरकार ने गत 11 जून को थल सेनाध्यक्ष मनोनीत किया था। वे गत 19 फरवरी से उप सेनाध्यक्ष के रूप में कार्य कर रहे थे।

लगाई जा रही थी अटकलें

आम चुनाव के बीच जनरल पांडे को 30 दिन का सेवा विस्तार दिए जाने के बाद हालांकि कई अटकलें लगाई जा रही थीं, लेकिन सेवानिवृत्ति से 19 दिन पहले जनरल द्विवेदी को सेनाध्यक्ष मनोनीत कर सरकार ने इन पर विराम लगा दिया।

क्या सरकार आयकर दरों में छूट देगी, इस सवाल का हर कोई तलाश रहा जवाब

मोदी सरकार के तीसरे कार्यकाल के बजट पर टिकीं निगाहें

22 जुलाई से 9 अगस्त तक आयोजित होने वाले सत्र में मोदी सरकार पेश करेगी बजट

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. चुनावी वर्ष होने के कारण फरवरी में अंतिम बजट पेश करने वाली मोदी सरकार अब तीसरा कार्यकाल शुरू होने पर जुलाई में पूर्ण बजट पेश करने जा रही है। 22 जुलाई से 9 अगस्त तक चलने जा रहे सत्र में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण रेकॉर्ड सातवीं बार बजट पेश करेंगी। सात बार बजट पेश करने वालीं वह पहली वित्त मंत्री बन जाएंगी।

बजट में यों तो कई घोषणाएं होती हैं, लेकिन नौकरीपेशा और मध्यमवर्ग को सबसे ज्यादा आयकर दरों में रियायत मिलने की घोषणा का इंतजार है। जिस तरह से चुनाव में भाजपा की सीटें घटी हैं, उससे कुछ एक्सपर्ट का मानना है कि सरकार आयकर छूट बढ़ाकर मध्यमवर्ग को साध सकती हैं। नए टैक्स स्लैब की घोषणा होने की भी एक्सपर्ट संभावना जता रहे हैं। पिछले काफी समय से टैक्स छूट की सीमा 3 लाख रुपए से बढ़ाकर 5 लाख रुपए करने की मांग उठती रही है। ऐसे में इस बार पेश होने वाले बजट में टैक्स छूट की सीमा बढ़ती है या नहीं, यह देखने वाली बात होगी।

मोदी सरकार के पिछले 10 वर्ष के कार्यकाल को देखें तो आयकर में कोई खास राहत जनता को नहीं मिली है। यह जरूर है कि वर्ष 2017-18 के बजट में तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने टैक्स स्लैब में परिवर्तन करते हुए 2.5 लाख रुपए से 5 लाख रुपए तक की आय पर लगने वाले 10 फीसदी की दर घटा कर 5 प्रतिशत कर दिया था।

गृहमंत्री अमित शाह ने हरियाणा भाजपा प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में कांग्रेस पर साधा निशाना

डील और दामाद के सहारे राजनीति करने वाले भाजपा को नहीं हरा सकते: शाह

शाह बोले- नौकरी घोटाले में जिस प्रदेश का सीएम जेल गया, उस हरियाणा में भाजपा ने बिना पर्ची-खर्ची नौकरी दी

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

नई दिल्ली. केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को हरियाणा के पंचकुला में आयोजित प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में कांग्रेस और इनेलो पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि डील और दामाद के सहारे राजनीति करने वाले, भाजपा के परिश्रमी कार्यकर्ताओं को नहीं हरा सकते। नरेंद्र मोदी 6 दशक बाद लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने वाले देश के पहले नेता हैं। कांग्रेस जनता में भ्रम फैलाकर लोकसभा में मिली हार को छिपाने में लगी है। हरियाणा में भाजपा को इस बार दो-तिहाई बहुमत से जिताने की अपील करते हुए शाह ने ''सबसे आगे म्हारा हरियाणा'' का नारा दिया।

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि भाजपा की जीत का आधार पार्टी का सिद्धांत, कार्यकर्ताओं का परिश्रम और भाजपा की सरकारों की ओर से किए लोककल्याण के काम हैं। भाजपा गरीब कल्याण के आधार पर आगे बढ़ने वाली पार्टी है, जबकि हमारे विरोधी कट, कमीशन और करप्शन में लिप्त हैं।

उन्होंने कहा कि नौकरी घोटाले में जिस प्रदेश का सीएम जेल गया, उस हरियाणा में भाजपा ने बिना पर्ची-खर्ची नौकरी दी। पहले हरियाणा में एक सरकार एक जिले के लिए दूसरी सरकार दूसरे जलि के लिए काम करती थी, लेकिन भाजपा ने 10 वर्षों में पूरे हरियाणा के लिए काम किया। शाह ने कहा कि सोनिया के आंखों का तारा (राहुल गांधी) और हुड्डा साहब का सितारा(दीपेंद्र हुड्डा) अब हरियाणा में नहीं चलेगा।

रिजर्व बैंक का अलर्ट

बैंकों पर हो सकता है साइबर अटैक

नई दिल्ली @पत्रिका. रिजर्व बैंक ने भारतीय बैंकों को साइबर अटैक का अलर्ट जारी किया है।

खुफिया एजेंसियों से मिले इनपुट के आधार पर रिजर्व बैंक ने बैंकों को एसडब्ल्यूआइएफटी, आरटीजीएस, एनईएफटी, यूपीआइ और कार्ड नेटवर्क से संबंधित प्रणालियों पर लगातार निगरानी बरतने की सलाह दी है। बैंकों से साइबर हमलों को रोकने की क्षमता को दुरुस्त रखने को कहा गया हैं। वित्तीय संस्थानों पर पिछले 20 सालों में 20 हजार से ज्यादा साइबर हमले हो चुके हैं, जिनसे करीब 20 अरब डॉलर का नुकसान हो चुका है।

पोलमपोल भायो
नेताजी का बोल ज्यूँ, तीखा चुभता शूळ ।
छै नादान सियासती, पूछ रह्या छै मूळ !!

संगीत संस्कार है, इसे सीखने से ज्यादा जीवन में उतारना होता है

SUNDAY GUEST EDITOR
संडे गेस्ट एडिटर @वुमन

पूछें सवाल: यदि आप भी मंजू मेहता से सवाल पूछना चाहते हैं तो 9057531584 पर वॉट्सऐप करें।
सुझाव भेजें sunday@in.patrika.com

मंजू मेहता, वुमन गेस्ट एडिटर
patrika.com

लगभग दस दशक पहले जब महिलाएं घर तक सिमटी थीं, उस दौर में पिताजी पंडित मनमोहन भट्ट ने माताजी चंद्रकला को संगीत सीखने के लिए आगे बढ़ाया। दोनों कुशल संगीतकार थे। मम्मी अलवर जाकर संगीत सीखती थीं और मैं भी उनके साथ जाती थी। इस तरह सभी भाई-बहन संगीत से जुड़ गए। मेरे बड़े भाई और पहले गुरु पंडित शशिशंकर भट्ट सितार सीखते थे, वे पंडित रविशंकर के शिष्य थे। उन्हें देखकर मैं भी सीखने लगी। 16 व 17 साल की उम्र में मुझे संगीत नाटक एकेडमी राजस्थान से स्कॉलरशिप मिली। इस दौरान सात साल जोधपुर में रहकर गुरु दामोदर लाल काबरा से संगीत सीखा। पंडित रविशंकर से भी सीखने का मौका मिला। चाहे दिन का कोई भी समय हो, परिवार में हमेशा कोई न कोई संगीत का अभ्यास करता था। छोटे भाई पंडित विश्व मोहन भट्ट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त संगीतकार हैं। मेरी बड़ी बेटी पूर्वी मेहता सितार और छोटी बेटी हेतल मेहता जोशी तबला वादक हैं।

चुनौतियां हर किसी के जीवन में आती हैं, महिलाओं को अपने काम और परिवार, दोनों में संतुलन बैठाकर आगे बढ़ना चाहिए।
मंजू मेहता
सितार वादक

शादी के बाद भी संगीत से जुड़ाव

ससुराल में भी संगीत का माहौल मिला। मेरे पति नंदन मेहता तबला वादक हैं। अहमदाबाद में मृणालिनी साराभाई के संगीत संस्थान दर्पण में भी मैंने सितार सिखाया। फिर हमने स्वयं का सप्तक संस्थान खोला, जहां देशभर के नामी संगीतकार ने अपनी प्रस्तुतियां दीं। आज यहां विद्यार्थी संगीत सीख रहे हैं। इसमें हर उम्र की महिलाएं सितार सीख रही हैं। महिलाओं के लिए इतना ही कहना चाहूंगी कि अपनी जिम्मेदारियों के साथ आपको खुद के लिए भी समय निकालना चाहिए। कुछ न कुछ नया सीखते रहना चाहिए। काम के दौरान चुनौतियां हर किसी की जिन्दगी में आती हैं, इन चुनौतियों से घबराना नहीं चाहिए।

सिर्फ स्टेज पर जाने की चाह न रखें

शास्त्रीय संगीत सीखने के लिए संयम बहुत जरूरी है। संगीत एक संस्कार की तरह है, जिसे सीखने की चाह से ज्यादा जीवन में उतारना होता है। संगीत सीखना है तो पहले गुरु की तलाश करो और फिर सीखने के लिए जुट जाओ। शास्त्रीय संगीत में समय देना बहुत जरूरी है, यहां सफलता का कोई शॉर्टकट नहीं है। सिर्फ स्टेज पर जाना चाह रहे हैं, तो संगीत को न चुनें।

ट्रेंडिंग वीडियो

1.

केजरीवाल को कोर्ट से बड़ा झटका, रहना होगा जेल में

2.
गोल्ड की बुलट वाला कौन है ये शख्स

youtube.com/@RajasthanPatrikaTV
राज्य के वायरल वीडियो, शॉर्ट्स क्यूआर कोड स्कैन कर देखें।

न्यूज शॉर्ट्स

सहायक अभियंता-यांत्रिकी परीक्षा आज

अजमेर @ पत्रिका. राजस्थान लोक सेवा आयोग की सहायक अभियंता-यांत्रिकी (भू-जल विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2023 अजमेर जिला मुख्यालय के 37 केंद्रों पर रविवार को सुबह 11 से दोपहर 1.30 बजे तक होगी। परीक्षा में करीब 11 हजार 800 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। अभ्यर्थियों के प्रवेश-पत्र आयोग ने अपलोड कर दिए हैं। आयोग के सचिव रामनिवास मेहता ने बताया कि परीक्षा में ओएमआर उत्तर पत्रक के पांचवें विकल्प को भरने के लिए 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा। परीक्षा केंद्रों पर 60 मिनट पूर्व तक ही प्रवेश दिया जाएगा।

युवक की हत्या, शव सड़क किनारे मिला

तिजारा/अलवर @ पत्रिका. शेखपुर अहीर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मेगा हाईवे पर शुक्रवार रात करीब बारह बजे तिजारा की तरफ सड़क किनारे एक युवक की गला रेतकर हत्या कर दी गई। घटनास्थल के पास एक स्कूटी, हेलमेट और नंबर प्लेट मिली है। पुलिस ने मृतक की पहचान कर परिजन को सूचित कर दिया है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है। डीएसपी शिवराज सिंह ने बताया कि मृतक की पहचान सिरसा गांव निवासी इन्द्रपाल के रूप में हुई है। वह खुशखेड़ा इलाके में एक कंपनी में कार्य करता था। स्कूटी पत्नी शशि के नाम थी।

कोटा विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 2 को

कोटा @ पत्रिका. कोटा विश्वविद्यालय का दशम दीक्षांत समारोह 2 जुलाई को आयोजित होगा। अध्यक्षता कुलाधिपति और राज्यपाल कलराज मिश्र करेंगे। विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा होंगे। अतिथि वनस्थली विद्यापीठ की कुलपति प्रो. ईना आदित्य शास्त्री होंगी। कोटा विवि की कुलपति प्रो. निलिमा सिंह ने बताया कि दीक्षांत समारोह में वर्ष 2021 की परीक्षाओं में विभिन्न संकायों, विषयों में मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले व पीएचडी धारकों को उपाधियां प्रदान की जाएंगी।

मंगरोप थाने के सामने व पीछे की ओर धड़ल्ले से दौड़ रहे बजरी से भरे ट्रैक्टर और डंपर

सीबीआइ की एंट्री के बाद भी माफिया हावी, नहीं रुक रहा अवैध बजरी दोहन का खेल

भीलवाड़ा. जिले के मंगरोप थाने के सामने बनास नदी में हो रहा अवैध बजरी दोहन।

पत्रिका स्टिंग न्यूज

बनास नदी में हो रहे गहरे गड्ढों को पाटने का प्रयास

सुरेश जैन/अरविंद हिरण
patrika.com

भीलवाड़ा. अवैध बजरी का खनन और परिवहन को लेकर भीलवाड़ा में पिछले कई दिन से सीबीआइ कार्रवाई कर रही है। नदी में बजरी का स्टॉक कितना है। इसकी जांच के लिए ड्रोन उड़ाया जा रहा है। इसके बावजूद भीलवाड़ा और शाहपुरा जिले में बदस्तूर अवैध बजरी दोहन का खेल नहीं रुक रहा है। पुलिस की मिलीभगत से धड़ल्ले से बजरी भरे ट्रैक्टर और डंपर दौड़ रहे हैं। माफिया बनास नदी को खोखला कर रहे हैं। भीलवाड़ा तहसील और जहाजपुर में बजरी की लीज दिसंबर में समाप्त हो गई। टीपी की अवधि भी समाप्त होने के बाद भी अवैध बजरी दोहन किया जा रहा है।

संयुक्त टीम बनाकर जांच करवाते हैं

जिला कलक्टर से कहकर खनिज, राजस्व व पुलिस विभाग की संयुक्त टीम बनाकर जांच करवाते हैं। यहां किसी की शह पर खनन हो रहा है तो कार्रवाई करेंगे।
- राजन दुष्यंत, पुलिस अधीक्षक, भीलवाड़ा

पत्रिका टीम पर हमला करने का प्रयास

राजस्थान पत्रिका की टीम ने जब शनिवार को मंगरोप थाने के सामने का नजारा देखा तो बनास नदी से बजरी भरने के लिए तीन ट्रैक्टर ट्रॉली व एक जेसीबी लगी थी। थाने से महज 300 मीटर की दूरी है। मंगरोप एनिकट से खड़े होने पर सामने बजरी का अवैध दोहन नजर आता है। पत्रिका टीम वहां पहुंच फोटो खींचने लगी तो बजरी माफिया टीम के पीछे भागे। फिर टीम मंगरोप थाने के पीछे पहुंची तो दो जेसीबी मशीनों से बनास नदी में हो रहे गहरे गड्ढों को पाटने का काम किया जा रहा था। टीम को देख वहां खड़े तीन-चार जने भागकर आने लगे। मंगरोप थाना क्षेत्र से दोपहर 12 से 1 बजे के बीच 30 से अधिक ट्रैक्टर ट्रॉली का परिवहन हुआ, लेकिन पुलिस ने इन्हें रोकने या पकड़ने का प्रयास नहीं किया। मंगरोप रोड स्थित एक होटल के पास तो ऐसा लग रहा था जैसे ट्रैक्टर ट्रॉली को पुलिस वाहन एस्कॉर्ट कर ले जा रहा है।

बजरी माफिया...कमाई का सीजन, सैकड़ों टन का स्टॉक

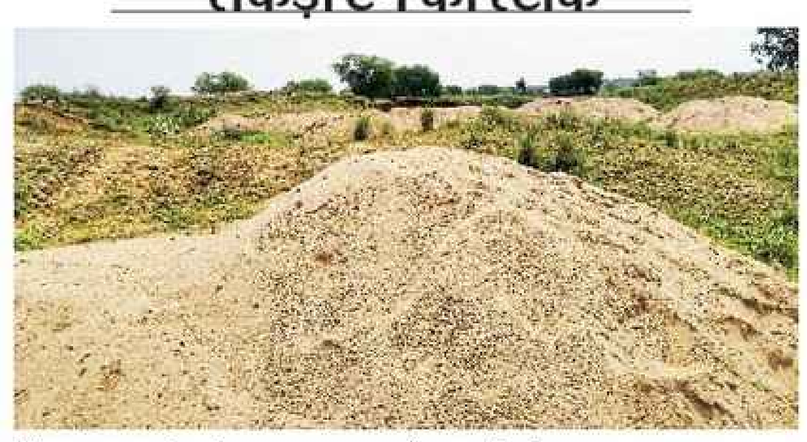
धौलपुर. शहर से सटे एक स्थान पर अवैध बजरी भंडारण।

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

धौलपुर. बरसात शुरू होने से पहले बजरी माफिया अब बीहड़ से सटे इलाकों में चंबल की अवैध बजरी का स्टॉक करने में जुटा है। जिले में चंबल से लगे ग्रामीण क्षेत्रों में माफिया दिन-रात बजरी निकाल कर खेत से लेकर बीहड़ और डांग इलाके में बजरी का भंडारण कर रहा है। इसकी वजह बरसाती सीजन में चंबल से बजरी निकासी कार्य ठप पड़ जाना है। चंबल से करीब दो से तीन माह बजरी निकासी पूरी तरह बंद रहती है। यानि सितंबर के अंत में फिर से चंबल नदी के किनारे से बजरी निकलती है, लेकिन इससे पहले बजरी माफिया जिले के राजाखेड़ा, धौलपुर शहर और बसई डांग समेत बाड़ी क्षेत्र के चंबल नदी से लगे इलाकों में जेसीबी मशीनों से बजरी निकाल अपने ठिकानों पर स्टॉक करवाने में जुटे हैं। यह बजरी स्टॉक लाखों रुपए का होता है। जो अगले तीन माह बजरी माफिया की चांदी करेगा।

खेत से लेकर बीहड़ तक में करते हैं स्टॉक

बजरी माफिया बारिश के दौरान चंबल की बजरी का मई-जून से ही स्टॉक करना शुरू कर देता है। बजरी को माफिया सुरक्षित ठिकानों पर जमा करते हैं। धौलपुर में कोतवाली क्षेत्र में कई स्थानों पर स्टॉक किया जाता है। इसके अलावा राजाखेड़ा, दिहौली क्षेत्र में भी बड़े स्तर पर बजरी भंडारण होता है।

बरसाती सीजन में बजरी से मोटी कमाई

बारिश के सीजन में नदियों से बजरी निकासी करीब-करीब बंद हो जाती है। ऐसे में बजरी माफिया स्टॉक में से मुंह मांगे दामों पर बजरी बेचते हैं। विशेषकर ठेकेदार, रेलवे संवेदक और बड़े बिल्डर्स बजरी मंगवाते हैं। धौलपुर से बजरी आगरा, भरतपुर इलाके में सर्वाधिक सप्लाई होती है। यहां आगरा में प्रवेश करते ही बिल्डिंग मेटेरियल की दुकानों के आगे बजरी बिछी पड़ी है।

अवैध चंबल बजरी परिवहन को लेकर कार्रवाई जारी है। गत दिनों शहर से सटे एक स्थान पर बड़े बजरी स्टॉक को नष्ट कराया गया।
- सुमित मेहरड़ा, पुलिस अधीक्षक, धौलपुर

लोक परिवहन की बस पलटी... दो की मौत, 30 घायल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लसाड़िया/धरियावद(उदयपुर). लसाड़िया थाना क्षेत्र के धरियावद से बांसी मार्ग पर घाटे में लोक परिवहन की बस पलटने से दो की मौत हो गई और 30 लोग घायल हो गए। कार्यवाहक थानाधिकारी रामसिंह ने बताया कि लोक परिवहन की बस उदयपुर से भींडर, कानोड़, बांसी होते हुए धरियावद, प्रतापगढ़ जा रही थी। बांसी के निकट मायदा घाट क्षेत्र होने के कारण उतरते समय बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में बस के नीचे दबने से उदयपुर निवासी काऊ मीणा (21) और केसरियावाद निवासी जीवन बहादुर सिंह (55) की मौके पर मौत हो गई। पुलिस ने शवों को लसाड़िया अस्पताल पहुंचाया, वहीं, घायलों को धरियावद अस्पताल में उपचार के लिए पहुंचाया।

बीकानेर: रेलवे स्टेशन पर पानी का 'जंक्शन'

बीकानेर @ पत्रिका. शहर में शनिवार को बारिश से मौसम खुशनुमा हो गया हो, लेकिन लोगों का सड़कों पर निकलना मुश्किल बना रहा। झमाझम बारिश से शहर की अनेक सड़कें दरिया सी बन गईं। बीकानेर रेलवे स्टेशन के अंदर और बाहर काफी पानी जमा हो गया। इस पर यात्रियों का स्टेशन के अंदर जाना और बाहर निकलना मुश्किल हो गया। फोटो: नौशाद अली।

एसएसओ पोर्टल पर चुनना होगा ऑप्शन

आरजीएचएस लाभार्थियों को घर बैठे मिल सकेंगी दवाइयां

अभिषेक गुप्ता
patrika.com

कोटा. आरजीएचएस लाभार्थियों के लिए खुशखबर है। अब उन्हें घर बैठे दवाइयां मिल सकेंगी। इसके लिए आरजीएचएस लाभार्थी को एसएसओ पोर्टल पर ऑप्शन चुनना होगा। उसके बाद ही उन्हें यह सुविधा मिलेगी। चयनित अनुबंधित मेडिकल स्टोर दवाइयां उपलब्ध करवाएगा।

ऐसे में आरजीएचएस लाभार्थी को मेडिकल स्टोर के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। इसके लिए चिकित्सा विभाग ने सभी आरजीएचएस में चयनित मेडिकल स्टोर्स के लिए गाइडलाइन जारी की है। इसका लाभ जुलाई से मिलने लगेगा। राजस्थान में आरजीएचएस के 4546 मेडिकल स्टोर अनुबंधित हैं।

मोबाइल से अपलोड कर सकेंगे ओपीडी प्रिस्क्रिप्शन

आरजीएचएस योजना में चयनित लाभार्थी अपने मोबाइल से ओपीडी प्रिस्क्रिप्शन को एसएसओ आइडी पर अपलोड करेगा। अनुबंधित मेडिकल स्टोर प्रिस्क्रिप्शन का बिल जनरेट करेगा। उसके बाद लाभार्थी के मोबाइल पर ओटीपी आएगा। उसके बाद दवाइयां लाभार्थी के घर पर पहुंच जाएंगी।

चयनित मेडिकल स्टोर ही दे सकेंगे सेवाएं

आरजीएचएस लाभार्थी तक डोर-टू-डोर सेवा देने के लिए यदि मेडिकल स्टोर इच्छुक है तो उसे ऑनलाइन ऑप्शन में चयन करना होगा। उसके बाद उसका नाम पोर्टल पर चढ़ जाएगा। लाभार्थी एसएसओ पोर्टल पर अपने आस-पास चयनित मेडिकल स्टोर से यह सुविधा ले सकेगा। मेडिकल स्टोर संचालक यदि डोर-टू-डोर सेवा देने के इच्छुक हैं तो उसे ओके कर देगा। इसके लिए सरकार की ओर से कोई अलग से राशि नहीं दी जाएगी। यह मेडिकल स्टोर की सुविधा ही रहेगी। मेडिकल स्टोर को 5 किमी के दायरे में है तो 3 घंटे व दूरी पर है तो 24 घंटे में लाभार्थी को दवाइयां उपलब्ध करवानी होंगी।

7 दिन तक मान्य रहेगी ओपीडी प्रिस्क्रिप्शन

लाभार्थी की ओपीडी प्रिस्क्रिप्शन सात दिन तक मान्य रहेगी। यदि लाभार्थी ने सरकारी डॉक्टर्स के घर पर भी परामर्श लिया है तो उसकी ओपीडी प्रिस्क्रिप्शन पर भी दवाइयां मिल सकेंगी, लेकिन उसमें ओपीडी प्रिस्क्रिप्शन पर चिकित्सक का वैलिड नंबर होना जरूरी है।

आरजीएचएस के लाभार्थी को दी जाने वाली सुविधा पर कार्य करना सभी अनुबंधित मेडिकल का समर्पित ग्राहक सेवा का लक्ष्य है। आसान ट्रेकिंग सुविधा सहित परेशानी मुक्त दवाई उपलब्ध होगी।
नरेश कुकरेजा, संगठन सचिव, कोटा कैमिस्ट एसोसिएशन

पैंथर ने युवक पर किया हमला, मौत, एक माह में तीसरी घटना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

राजसमंद (उदयपुर). जिले में शुक्रवार रात पैंथर ने एक युवक पर हमला कर दिया, इससे उसकी मौत हो गई। जिले में पैंथर के हमले की एक माह में तीसरी घटना होने से ग्रामीणों में भय व्याप्त है। पुलिस के अनुसार पुठोल निवासी रणसिंह मुंदावत (42) शुक्रवार रात करीब 11 बजे पैदल उमठी मार्ग स्थित पृथ्वीराज चौराहे की ओर जा रहा था। इस दौरान पैंथर ने उस पर हमला कर दिया। वहां से गुजर रहे ट्रेलर की लाइट पैंथर पर पड़ी तो वह शव को नोंच रहा था। ट्रेलर चालक ने तेजी से हॉर्न बजाया और हल्ला किया। पैंथर युवक के शव को झाड़ियों में ले भागा। चालक ने कुछ ग्रामीणों को एकत्र किया। इसके बाद सभी झाड़ियों की ओर गए, तब तक पैंथर वहां से भाग चुका था। मौके पर रणसिंह का शव पड़ा था। सूचना पर राजनगर, केलवा थाना पुलिस एवं वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। केलवा थाना पुलिस ने शव को आर.के. राजकीय चिकित्सालय स्थित मोर्चरी में रखवाया। पुलिस ने शनिवार को पोस्टमार्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी। वन विभाग के रेंजर बलराम पाटीदार ने बताया कि पैंथर के युवक को अपना शिकार बनाए जाने की सूचना पर पूरी टीम मौके पर पहुंची। पैंथर को पकड़ने के लिए वन विभाग की टीम ने मौके पर दो पिंजरे लगाए गए हैं।

उज्बेकिस्तान में 1 जुलाई से शुरू होगी ओलंपिक खेल की एशियाई सीनियर महिला प्रतियोगिता

ओलंपिक में पहुंची मेवाड़-वागड़ की बेटियां, लैक्रोस गेम में दिखाएंगी दम

मधुलिका सिंह
patrika.com

उदयपुर. उज्बेकिस्तान में 1 जुलाई से ओलंपिक खेल की लैक्रोस एशियाई सीनियर महिला प्रतियोगिता में मेवाड़-वागड़ की 7 बेटियां भी कमाल दिखाएंगी। यह गर्व की बात है कि ओलंपिक में दशकों बाद शामिल हुए इस खेल में राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान से आदिवासी अंचल की बेटियों का चयन हुआ है। इसमें उदयपुर से 6 और बांसवाड़ा की 1 बेटी शामिल है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया पर बेटियों के इस मुकाम तक पहुंचने पर खुशी जाहिर कर उन्हें बधाई दी और ओलंपिक खेल में अच्छे प्रदर्शन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की।

ये होता है लैक्रोस गेम

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने वर्ष 2028 के लॉस एंजिल्स खेलों में लैक्रोस गेम को शामिल करने की मंजूरी दी है। लैक्रोस एक टीम स्पोर्ट है, जिसे लैक्रोस स्टिक और लैक्रोस बॉल के साथ खेला जाता है। इसकी उत्पत्ति उत्तरी अमरीका में 12वीं शताब्दी में हुई थी। खिलाड़ी गेंद को गोल में ले जाने, पास करने, पकड़ने और शूट करने के लिए लैक्रोस स्टिक के सिर का उपयोग करते हैं। गेम 45 मिनट का होता है जिसमें 5 मिनट का ब्रेक होता है। इसके अलावा 8-8 मिनट के पांच राउंड होते हैं। एक टीम को गोल करने के लिए 30 सैकंड का ही समय मिलता है। ये खेल 1904, 1908 में ओलंपिक में खेला जा चुका है।

भारतीय टीम में चयनित कुल 12 खिलाड़ियों में से 7 राजस्थान से

लैक्रोस भारतीय टीम में कुल 12 खिलाड़ी हैं, जिसमें राजस्थान से 7 खिलाड़ी चयनित हुई हैं। इनमें उदयपुर की सुनीता मीणा, डाली गमेती, विशाखा मेघवाल, मीरा दौजा, झूला गुर्जर, हेमलता डांगी और बांसवाड़ा की दीपिका बामनिया शामिल हैं। वे फिलहाल प्रशिक्षक नीरज बत्रा के साथ प्रतियोगिता के लिए आगरा में पूर्व प्रशिक्षण शिविर में भाग ले रही हैं। प्रशिक्षक नीरज बत्रा ने बताया कि ये खिलाड़ी पहले हॉकी और हैंड बॉल खेलती थी। कुछ महीनों पूर्व एशियन पेसिफिक लैक्रोस यूनियन की ओर से भारत में कैंप लगाए गए, जिसमें राजस्थान से उनका चयन प्रशिक्षण के लिए किया गया। इसके बाद उन्होंने यहां बच्चियों को इस गेम के बारे में बताकर प्रशिक्षण देना शुरू किया। फिर राष्ट्रीय स्तर पर हुई प्रतियोगिता में राजस्थान की लड़कियों ने गोल्ड मेडल जीता। इससे उनका जोश और बढ़ गया।

बाराणी गांव के पास हादसा

कारों की भिड़ंत में डिस्कॉम एईएन व पत्नी की मौत, दो बेटी-पुत्र घायल

नागौर/जोधपुर @ पत्रिका. नागौर जिले में बीकानेर हाईवे पर बाराणी गांव के पास शनिवार सुबह दो कारों की भिड़ंत में जोधपुर डिस्कॉम में सहायक अभियंता और पत्नी की मौत हो गई। दो बेटियां और एक बेटा और दूसरी कार का चालक घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार जोधपुर में कुड़ी भगतासनी हाउसिंग बोर्ड निवासी अशोक शर्मा पत्नी सुमन और बेटी मीनल, मानसी और बेटा युवराज के साथ कार से बीकानेर जा रहे थे। वहां रिश्तेदार के सेवानिवृत्ति का कार्यक्रम था। बाराणी गांव के पास सामने से आ रही तेज रफ्तार कार से भिड़ंत हो गई। आगे की सीट पर बैठे अशोक और पत्नी सुमन फंस गए। पीछे वाली सीट पर बैठीं दोनों बेटियां और बेटा घायल हो गए। आस-पास के लोगों की मदद से घायलों को कारों से बाहर निकाला और जेएलएन अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में इलाज के दौरान अशोक शर्मा (52) और पत्नी सुमन (50) की मौत हो गई। उधर, जांगलू गांव निवासी कार चालक मनोहरसिंह गंभीर घायल हो गया। उसका इलाज चल रहा है।

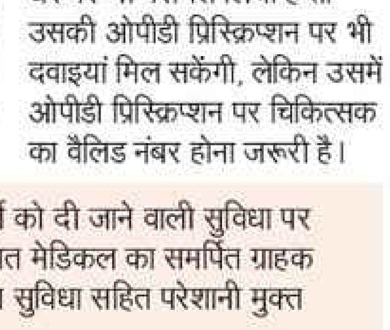
मृतक दम्पती अशोक व सुमन।

पेज एक से जारी

शुद्धिकरण का समय

बांध की जमीन में पक्के निर्माण और खेती क्या कानून पालने वालों की बेहयाई और दादागिरी नहीं है? क्या इनको जेलों में नहीं होना चाहिए? तब इनको शहरों में बुलडोजर चलाने का क्या अधिकार है?

क्या झालाना बाईपास की 200 फीट जमीन पर 100 फीट तक के पक्के अतिक्रमण बुलडोजर को न्यौता नहीं देते? पहले उन पर चले। बरसों से आदेशों की धज्जियां उड़ रही हैं। नेताओं के नाम तक छप चुके हैं। न्यायालय की कमेटियां कई बार अपनी रिपोर्टें दे चुकी हैं। जब तक वहां बुलडोजर नहीं चले, नए आदेशों की पालना में विभाग को कही भी निर्माण ध्वस्त करने का नैतिक अधिकार नहीं है।

जयपुर के आगरा रोड पर सैक्टर 34-35 (खो-नागोरियान तथा जामडोली के मध्य) का 1222.93 हैक्टर एरिया इकॉलोजिकल जोन में है। पूर्व स्थिति बनाए रखने के हाईकोर्ट के आदेश भी हैं। हो उल्टा रहा है। हाईकोर्ट मौन क्यों है अपनी अवमानना पर? वही जाने। यहां सड़कें बन रही हैं, सीवरेज-पेयजल लाइनें डल रही हैं,आबादी बसाने का काम हो रहा है। अवमानना करने वाले के विरुद्ध नामजद कार्रवाई होनी चाहिए।

बाईस गोदाम से मालपुरा रोड तक 13.6 किलोमीटर सड़क, 100 फीट चौड़ी होनी चाहिए। बाद में विधायक, अधिकारियों ने मिलकर इसकी चौड़ाई 40-60-80 फीट कर दी। किसी ने तोड़ने की चर्चा तक नहीं की। इस प्रकरण में निर्माण यथास्थिति में बनाए रखने के आदेश हाईकोर्ट ने दिए हैं। आज सब कुछ अनदेखी हो रही है।

कोटा में श्रीनाथपुरम में सड़क पर कब्जा करके एक बाहुबली पूर्व विधायक ने निर्माण करा लिया। कोर्ट के आदेशों के बावजूद अफसर इस बाहुबली की ही सेवा कर रहे हैं, कानून की नहीं। कोर्ट का स्टे भी अब नहीं है। कोटा में ही पुराने तालाब की भूमि, भूखण्ड काटकर बेची जा रही है। सूरसागर बस्ती के पास की जमीन का मामला है जिसमें कोर्ट यूआइटी सचिव तक को तलब कर चुका है। कोई अवमानना का मामला नहीं बना।

जयपुर में तो अतिक्रमणों की बौछारें हैं। परकोटा हो, प्रतिबन्धित/सीमित निर्माण क्षेत्र हों, हाल ही चुनावों में अफसरों ने जो चांदी कूटी है, उसका अनुमान एसीबी भी नहीं लगा पाएगी। कोर्ट के आदेशों की पालना में दिखावटी नोटिस जारी हो जाते हैं। जैसे-मानसरोवर मध्यम मार्ग में व्यापारिक गतिविधियों को लेकर हुए। लोगों को कोर्ट से स्टे लाने का समय देते गए। विचाराधीन मामलों में निर्माण हो सकता है, रोक बेअसर है। पूरे शहर में नेताओं/अधिकारियों ने मिलकर जो रावण का आसुरी ताण्डव दिखा रखा है, कोर्ट जिस प्रकार अतिक्रमण क्षेत्र में स्टे दे रहे हैं, आदेशों को जारी करके अनुपालना पर आंखें मूंदे बैठे होते हैं, वह लोकतंत्र की बदनुमा तस्वीर ही कही जा सकती है। ऐसे मामलों में बड़ा उदाहरण है हृदेश कुमार शर्मा (अभी राज्य मानवाधिकार आयोग में सचिव) का जिनको सरकारी सेवा में रहते कई साल तक कोर्ट का वारंट तामील नहीं हो पाया। दूसरा उदाहरण है सी-स्कीम की शकुन होटल को सरकारी स्तर पर अवैध को वैध करने का। इसकी जांच की फाइल तत्कालीन नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल लेकर घूमते रहे। सरकार जाने तक उनको कार्रवाई करने के 'ऊपर से' आदेश नहीं मिल पाए।

अब नई सरकार और नए मुख्यमंत्री से यह उम्मीद की जाती है कि पुराने मामलों का शुद्धिकरण होगा, अफसरों-नेताओं के विरुद्ध कार्रवाइयां होंगी। बुलडोजर प्रभावी क्षेत्रों पर पहले चलेंगे, आम जनता पर बाद में। सुप्रीम कोर्ट/हाईकोर्ट के आदेशों की अनुपालना सुनिश्चित होगी। तब लोकतंत्र का सुख सरकार के साथ-साथ जनता भी भोग पाएगी।

1 दिन शेष

राज्य सरकार बना रही पालना के नियम, अदालतों की प्रक्रिया को लेकर हाईकोर्ट जारी करेंगे नियम

लिंगभेद समाप्त... गलती से अपराध होने पर डरें नहीं... छोटी सजा मिलेगी

पुलिस को मिले असीमित अधिकार

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. देश में सोमवार से लागू हो रहे भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम कई मायनों में आम आदमी का जीवन बदल देंगे। इनमें जहां महिला-पुरूष बराबरी पर जोर दिया है, तो गलती से पहली बार अपराध करने वालों के प्रति कुछ हद तक नरमी दिखाई जाएगी। उधर, राजनीतिक गलियारों में पुलिस को असीमित अधिकार दिए जाने और बदले की भावना से कार्रवाई होने की आशंका बढ़ती जा रही है।

तीनों नए कानून लागू होने की तारीख नजदीक आने के साथ ही राज्यों में इनकी पालना के लिए नियम बनाने की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। संभवतः राज्य सरकारों की ओर से रविवार को नियम जारी किए जा सकते हैं। कुछ मामलों में हाईकोर्ट को भी नियम बनाने हैं, जिनके लिए भी प्रक्रिया चल रही है। आइए समझते हैं क्या आएगा बदलाव...

इनको बीएनएसएस में जगह नहीं

- अप्राकृतिक संबंध से संबंधित आईपीसी की धारा 377
- आत्महत्या के प्रयास से सम्बन्धित आईपीसी की धारा 309

भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) में यह बदलाव

राजद्रोह अब देश द्रोह- राजद्रोह से संबंधित भारतीय दंड संहिता की धारा-124ए के प्रावधान नहीं होंगे, लेकिन बीएनएस की धारा 152 में विद्रोह या देश की एकता को खतरा पहुंचाने का प्रयास अपराध होंगे। इनमें 7 साल से उम्रकैद तक सजा।

धारा 420 (आईपीसी) अब 318 (बीएनएस)- आईपीसी की धारा 406 से 409 को बीएनएस में धारा-316 और आईपीसी 417, 418 और 420 को बीएनएस धारा-318 बनाया।

प्रयास, उकसावे और साजिश को एक साथ लाया गया है।

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता विधेयक, (बीएनएसएस)

प्ली बार्गेनिंग- पहली बार अपराध होने पर गलती स्वीकार करने पर सजा में राहत।

समन तामील- सीआरपीसी में समन बालिग पुरुष को ही तामील कराया जा सकता था अब इसे समाप्त कर केवल बालिग व्यक्ति कर दिया, जिससे लिंगभेद समाप्त।

यूएपीए की तर्ज पर सजा

आतंकवादी कृत्य- धारा 113 : आतंकी संगठन का सदस्य होने, आतंकी को शरण देने या छुपाने पर यूएपीए की तर्ज पर सजा के प्रावधान। उम्रकैद तक सजा संभव।

गंभीर चोट से मानसिक या शारीरिक क्षति-धारा 117(3): गंभीर चोट पहुंचाने से मानसिक संतुलन बिगड़ना या स्थायी विकलांगता होने पर दस वर्ष से उम्रकैद तक सजा।

अनैतिक कार्य के लिए विदेश से लडका-लडकी लाना- धारा 141: विदेश से अनैतिक कार्य के लिए लड़का या लडकी लाने पर 10 साल तक सजा। अपराध लिंग तटस्थ बनाया।

अब ये भी अपराध, सजा तय

भारत के बाहर साजिश- धारा 48: देश के बाहर रहकर भारत में अपराध के लिए उकसाना भी अपराध।

झूठ बोलकर शारीरिक संबंध बनाना- धारा 69- शादी, रोजगार, पदोन्नति का झूठा वादा कर या पहचान छिपा कर महिला से उसकी सहमति से सम्बन्ध बनाना। दस साल तक सजा और जुर्माना।

नाबालिग से सामूहिक बलात्कार- धारा 70(2): आजीवन कारावास या फांसी।

महिला को भी सजा- महिला किसी अन्य महिला को बलपूर्वक निर्वस्त्र करे या उसके अंत:वस्त्रों के भीतर ताक-झांक करे। ऐसे मामले में धारा 76 और 77 के तहत 3 से 7 साल तक सजा।

बच्चे से अपराध कराना-धारा 95: अपराध के लिए बच्चे का इस्तेमाल करने पर 7 से 10 साल तक सजा।

मॉब लिंचिंग- धारा 103(2): पांच या अधिक व्यक्तियों का नस्ल, जाति या समुदाय, लिंग, जन्म स्थान या भाषा आदि किसी आधार पर हत्या को अंजाम देना। ऐसे समूह के प्रत्येक सदस्य को फांसी या उम्रकैद की सजा और जुर्माना।

हिट एंड रन -धारा 106(2): मौत होने पर और दुर्घटना की सूचना नहीं देने पर हिट एंड रन के मामले में 10 साल की सजा।

संगठित अपराध -धारा 111 : अपहरण, डकैती, वाहन चोरी, फिरौती, हत्या की सुपारी लेना, भूमाफिया, साइबर अपराध, देह व्यापार या अन्य कार्य के लिए मानव तस्करी तथा नशा, हथियार या अन्य वस्तुओं की तस्करी अथवा हिंसा भड़काना। इनके लिए 10 साल तक सजा और एक लाख रुपए तक जुर्माना संभव।

पानी-बिजली, कानून व्यवस्था फेल: डोटासरा

'प्रदेश में पोपाबाई का राज, सरकार को सदन में घेरेंगे'

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार को पोपाबाई का राज करार देते हुए तंज कसा है। डोटासरा ने कहा कि प्रदेश की जनता सात माह से यह नहीं समझ पा रही है कि सरकार कौन चला रहा है। विधायक कहते हैं कि मुख्यसचिव की चल रही है, सीएस कह रहे कि मुख्यमंत्री की चल रही है और मुख्यमंत्री दिल्ली से चल रहे हैं।

डोटासरा ने शनिवार को पीसीसी में मीडिया से बातचीत में कहा कि पानी-बिजली और कानून व्यवस्था के मामले में सरकार फेल साबित हुई है। इन मुद्दों पर सरकार को सदन में घेरेंगे। भाजपा और आरएसएस के लोग आदिवासियों के खिलाफ हैं, इसीलिए उनके नेता अनर्गल बयानबाजी करते हैं। डोटासरा ने किरोड़ीलाल मीना के इस्तीफे को लेकर कहा कि 3 जुलाई को विधानसभा में उनसे पूछेंगे कि वे सदन में किस मंत्री की हैसियत से आए हैं। मंत्री किरोड़ी को अपनी बात पर तो टिकना चाहिए। चयनित कर्मचारियों को नियुक्ति पत्र देने को डोटासरा ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल हमारी सरकार में चयनित कार्मिकों को नियुक्ति पत्र देकर झूठी वाहवाही लूट रहे हैं।

पुलिस ने रोका तो प्रदर्शन, शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की मांग

सांसद रोत ने समर्थकों के साथ दिया ब्लड सैंपल

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. भारत आदिवासी पार्टी (बीएपी) के सांसद राजकुमार रोत ने शनिवार को राजस्थान विधानसभा के पास अमर जवान ज्योति शहीद स्थल पर जांच के लिए रक्त का सैंपल दिया। सांसद रोत आसपुर विधायक उमेश मीणा व समर्थकों के साथ प्रदर्शन के बाद ब्लड सैंपल देने के लिए शिक्षा मंत्री के सरकारी आवास की ओर जा रहे थे। पुलिस-प्रशासन ने सांसद रोत व समर्थकों को रोक लिया। जहां पर काफी देर तक प्रदर्शन हुआ और शिक्षा मंत्री दिलावर के खिलाफ नारेबाजी हुई। पुलिस ने मंत्री तक ब्लड सैंपल पहुंचाने का आश्वासन दिया। इसके बाद मामला शांत हुआ। सांसद रोत ने कहा कि शिक्षामंत्री दिलावर ने आदिवासियों का ब्लड लेकर डीएनए टेस्ट करवाने जैसे अनर्गल बयान दिए। उन्होंने कहा कि भाजपा के केन्द्रीय नेतृत्व को शिक्षामंत्री दिलावर से इस्तीफा लेना चाहिए। यह मामला संसद में भी उठाया जाएगा। दरअसल 21 जून को शिक्षा मंत्री दिलावर ने कहा था कि आदिवासी हिंदू हैं या नहीं, इसके लिए वंशावली लिखने वालों से पूछेंगे और जरूरत पड़ी तो इनका डीएनए टेस्ट भी कराएंगे। बीएपी के प्रदर्शन में कांग्रेस विधायक रामकेश मीना, घनश्याम मेहर और पूर्व विधायक धीरज गुर्जर भी शामिल।

आदिवासी हमारे समाज के सर्वश्रेष्ठ अंग: दिलावर

शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि आदिवासी हमारे समाज के सर्वश्रेष्ठ अंग हैं, हम उनका सम्मान करते हैं, विवाद क्यों है इसका जवाब तो रोत ही दे सकते हैं।

थमा फ्लोटिंग सोलर पैनल लगाने का प्लान

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. सस्ती बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिए पानी में सोलर पैनल (फ्लोटिंग) लगाने की तैयारी कर रहा राजस्थान अक्षय ऊर्जा निगम अब पॉलिसी का इंतजार करेगा।

केन्द्र सरकार फ्लोटिंग सोलर पैनल के लिए पॉलिसी तैयार कर रही है, जिसमें लागत से लेकर उसकी ऑपरेशन-मेंटीनेंस तक की प्रक्रिया तय की जाएगी। इसी आधार पर प्रदेश भी अपनी नीति पर काम करेगा। यही कारण है कि निगम ने फिलहाल काम की गति मंद कर दी है। इस बीच निगम प्रदेश के दूसरे कई बांध, तालाब, झीलों को भी देख रहा है, जहां फ्लोटिंग सोलर पैनल की संभावना हो, जिससे पॉलिसी लागू होते ही काम शुरू किया जा सके।

कोर कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक भी की

भाजपा कार्य को अंजाम देने के बाद समीक्षा भी करती है: बीएल संतोष

लोस चुनावों में कम मिली सीटों पर मंथन किया

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. भाजपा के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बीएल संतोष शनिवार को दो दिवसीय जयपुर दौरे पर आए। उन्होंने सबसे पहले पार्टी की ओर से विधानसभा क्षेत्रों में लगाए गए विस्तारकों को सम्बोधित किया। इसके बाद कोर कमेटी के सदस्यों के साथ बैठक की। बताया जा रहा है कि वे इस दौरान प्रदेश में लोकसभा चुनावों में कम मिली सीटों को लेकर चर्चा करने आए और साथ ही आगामी पांच विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनावों की कार्ययोजना बनाने पर भी विस्तार से चर्चा की। दोनों बैठकों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सीपी जोशी मौजूद रहे।

बीएल संतोष ने कहा कि भाजपा के लोकसभा और विधानसभा विस्तारकों ने पार्टी की विचारधारा के साथ मिलकर जमीनी स्तर पर कार्य किया है। ऐसे में प्रत्येक विस्तारक के अनुभव और उसके सुझाव पार्टी के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्य को अंजाम देने के बाद समीक्षा भी करती है। उन्होंने भाजपा के प्रत्येक विस्तारक के साथ उसके अनुभव, सुझाव और कार्य के दौरान क्या नवाचार हुआ, इसकी विस्तार से चर्चा की। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि विचारधारा को जन जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पार्टी ने विधानसभा व लोकसभा चुनावों में विस्तारकों का चयन किया। देश की अन्य पार्टियों में व्यक्ति विशेष चुनाव लड़ता है, जबकि भाजपा में कमल के फूल के लिए चुनाव लड़ा जाता है। विस्तारक समापन बैठक को सीएम भजनलाल ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि पार्टी में काम करते हैं तो काम होने के साथ ही व्यक्ति की पहचान भी बनती है। विस्तारकों के काम करने से पार्टी एवं संगठन जमीनी स्तर पर भी मजबूत हुआ है। बैठक में भाजपा चुनाव प्रभारी विनय सहस्त्रबुद्धे ने भी विस्तारकों से चर्चा की।

प्रदर्शन के लिए जा रहे आप कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया

जयपुर @ पत्रिका. केंद्रीय एजेंसियों के दुरुपयोग और सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में शनिवार को भाजपा मुख्यालय पर प्रदर्शन करने जा रहे आप के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में ले लिया। इसके बाद अशोक नगर थाने ले गई। करीब 8 घंटे के बाद कार्यकर्ताओं को रिहा किया गया। आप के प्रदेशाध्यक्ष अनिल पालीवाल सहित एक दर्जन से ज्यादा कार्यकर्ता को हिरासत में लिया गया था। कार्यकर्ताओं ने पुलिस कार्रवाई को तानाशाही बताते हुए कहा कि लोकतंत्र में विरोध करने का अधिकार है, लेकिन उन्हें शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन भी नहीं करने दिया गया।

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में कथित फर्जी पट्टे जारी करने का मामला

सीएमओ से निर्देश मिलते ही आगे बढ़ेगी फर्जी पट्टों की जांच!

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में प्रशासन शहरों के संग अभियान में कथित फर्जी पट्टों की जांच कमेटी गठन का मामला अटका हुआ है। नगरीय विकास मंत्री ने इस मामले में जो तथ्यात्मक स्थिति बताई, उस संबंध में सीएमओ से विवरण जारी होने हैं। इसके बाद ही जांच आगे बढ़ेगी। जयपुर विकास प्राधिकरण, नगर निगम सहित कई नगरीय निकायों में पट्टे जारी करने में गड़बड़ी का दावा किया जा रहा है। प्रशासन शहरों के संग अभियान के तहत पिछली सरकार ने 9 लाख 33 हजार 258 पट्टे जारी किए गए थे। इनमें प्राधिकरण और नगर सुधार न्यासों ने 2 लाख 97 हजार 498 तथा नगर निगम, पालिका और परिषदों ने 6 लाख 35 हजार 760 पट्टे जारी किए थे।

सैटेलाइट इमेज का लेंगे सहारा

सैटेलाइट इमेज का भी सहारा लिया जाएगा, ताकि पता लगाया जा सके कि जिस दिन के आधार पर पट्टे जारी किए गए, उस दौरान वहां योजना या भवन था भी या नहीं।

इसके लिए सार्वजनिक सूचना जारी कर अधिकारिक रूप से जनता से शिकायत मांगी जाएंगी। इस आधार पर आला अधिकारियों की देखरेख में पट्टों की जांच होगी।

सीएमओ से कार्यवाही विवरण जारी होते ही जांच का दायरा तेजी से बढ़ेगा। फर्जी पट्टे जारी करने वालों के खिलाफ एक्शन होगा।

-झाबर सिंह खर्रा, नगरीय विकास मंत्री

पेज एक का शेष

विराट जीत...

जवाब में दक्षिण?अफ्रीकी टीम आठ विकेट पर 169 रन ही बना सकी।

बल्ले से चमके विराट: भारतीय टीम के लिए विराट कोहली ने सर्वाधिक 76 रन की पारी खेली। उन्होंन 59 गेंद खेलते हुए छह चौके और दो छक्के लगाए। विराट ने इस विश्व कप में अपना पहला अर्धशतक लगाया।

बधाइयों का तांता:

टीम इंडिया को वर्ल्डकप जीतने पर हार्दिक बधाई। कभी ना हार मानने का जज्बा और कठिन परिस्थितियों का सामना करके आपने पूरे टूर्नामेंट मे शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मैच में यह असाधारण जीत थी। टीम इंडिया! हमको आप पर गर्व है!'

- द्रौपदी मुर्मु, राष्ट्रपति

इंडिया को इस भव्य विजय के लिए सभी देशवासियों की तरफ से बहुत-बहुत बधाई। आज 140 करोड़ देशवासीआपके इस शानदार प्रदर्शन के लिए गर्व का अनुभव कर रहे हैं। यह टूर्नामेंट एक विशेष कारण से भी याद रखा जाएगा। इतने सारे देश, इतनी सारी टीमें और एक भी मैच हारना नहीं, यह छोटी उपलब्धि नहीं है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

टीम इंडिया को शानदार प्रदर्शन कर टी-20 वर्ल्डकप जीतने के लिए बधाई। यह जीत हमारे युवाओं की क्षमताओं और सामर्थ्य की परिचायक है। भारतीय टीम ने दिखा दिया कि कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में आज के भारतीय युवा और मजबूती से उभर कर विजय का वरण करते हैं। यही आज का नया भारत है।

- ओम बिरला, लोकसभा अध्यक्ष

टीम इंडिया को बहुत बधाई, उन्होंने अद्भुत क्षमता का प्रदर्शन किया। विराट कोहली, अक्षर पटेल और अर्शदीप सिंह ने मैंच में शानदार प्रदर्शन किया। प्रत्येक भारतीय को इस जीत पर गर्व है।

- मल्लिकार्जुन खरगे, कांग्रेस अध्यक्ष

मेडिकल कॉलेज पहुंची पुलिस, कमेटी के बयान किए दर्ज

डूंगरपुर @ पत्रिका. मेडिकल कॉलेज में रैगिंग मामले को लेकर विरोध-प्रदर्शन के बाद पुलिस ने जांच तेज कर दी है। एक बार फिर पुलिस टीम ने मेडिकल कॉलेज में विभिन्न पहलुओं की जांच करते हुए एंटी रैगिंग कमेटी सहित विद्यार्थियों के बयान लिए। प्रथम व्यास मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस प्रथम वर्ष का विद्यार्थी है। गत 15 मई को प्रथम के साथ ही प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को द्वितीय वर्ष के कुछ विद्यार्थी मेडिकल कॉलेज के पास स्थित पहाड़ी पर गर्मी में उठक-बैठक लगवाई।

ग्रह-नक्षत्र

ज्योतिर्विद: घनश्यामलाल स्वर्णकार

शुभ वि. सं: 2081
संवत्सर का नाम: कालयुक्त
शाके सम्वत: 1946
हिजरी सम्वत: 1445
मु. मास: जिलहिज-23
अयन: दक्षिणायण
ऋतु: वर्षा
मास: आषाढ़
पक्ष: कृष्ण

रविवार, 30 जून, 2024
सूर्योदयकालीन लग्न व ग्रह स्थिति

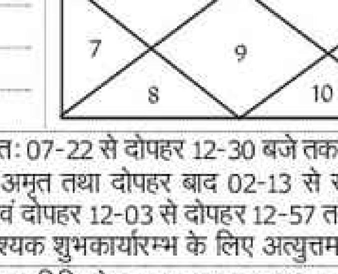

श्रेष्ठ चौघड़िए आज प्रात: 07-22 से दोपहर 12-30 बजे तक क्रमश: चर, लाभ व अमृत तथा दोपहर बाद 02-13 से सायं 03-55 तक शुभ के श्रेष्ठ चौघड़िए हैं एवं दोपहर 12-03 से दोपहर 12-57 तक अभिजित नामक श्रेष्ठ मुहूर्त है, जो आवश्यक शुभकार्यारम्भ के लिए अत्युत्तम हैं।

तिथि नवमी रिक्ता संज्ञक तिथि दोपहर 12-20 तक, तदन्तर दशमी पूर्णा संज्ञक तिथि है। नवमी तिथि में विशेष रूप से विग्रह, कलह, जुआ, मद्य व विषादि कार्य सिद्ध होते हैं। शुभ व मांगलिक कार्य शुभ होते हैं, पर अभी समय शुद्ध नहीं हैं।

नक्षत्र रेवती "मृदु व तिर्ड्यंमुख" संज्ञक नक्षत्र प्रात: मात्र 07-34 तक, तदन्तर अश्विनी क्षिप्र व तिर्ड्यंमुख संज्ञक नक्षत्र है। रेवती नक्षत्र में देव-मन्दिर, विवाह, वास्तु, जनेऊ आदि के कार्य और अश्विनी नक्षत्र में यात्रा, वणिज, विद्या, मुण्डन व चित्रकारी आदि के कार्य सिद्ध होते है। रेवती व अश्विनी दोनों गण्डान्त मूल संज्ञक नक्षत्र भी हैं।

योग	विशिष्ट योग	करण
अतिगण्ड नामक नैसर्गिक अशुभ योग सायं 04-14 तक, तदुपरान्त सुकर्मा नामक नैसर्गिक शुभ योग है।	सर्वार्थसिद्धि नामक शुभ योग प्रात: 07-34 से अगले दिन सूर्योदय तक हैं।	गर नामकरण दोपहर 12-20 तक तदुपरान्त रात्रि 11-23 तक वणिज नामकरण है। इसके बाद भद्रा प्रारम्भ हो जायेगी।

व्रतोत्सव: आज सम्पूर्ण दिन गण्डमूल तथा पंचक प्रात: 07-34 तक है।

चन्द्रमा: चन्द्रमा मीन राशि में प्रात: 07-34 तक, तदुपरान्त मेष राशि में होगा।

दिशाशूल: रविवार को पश्चिम दिशा की यात्रा में दिशाशूल रहता है। चन्द्र स्थिति के अनुसार आज प्रात: 07-34 तक उत्तर व इसके बाद पूर्व दिशा की यात्रा लाभदायक व शुभप्रद है।

राहुकाल (मध्यममान से): सायं 4-30 बजे से सायं 6-00 बजे तक राहुकाल वेला में शुभकार्यारम्भ यथासम्भव वर्जित रखना हितकर है।

सोमवार-01,जुलाई: मुनि नमीनाथ जयन्ती (जैन), राष्ट्रीय चिकित्सा दिवस, डॉ. विधान चन्द्र राय जयन्ती तथा गण्डमूल प्रात: 06-26 तक।

मंगलवार-02,जुलाई: योगिनी एकादशी व्रत।

बुधवार-03,जुलाई: प्रदोष व्रत तथा रोहिणी व्रत (जैन)।

गुरुवार-04,जुलाई: मास शिव रात्रि, स्वामी विवेकानन्द पुण्य दिवस।

शुक्रवार-05,जुलाई: देव पितृ कार्य अमावस्या, आषाढ़ी अमावस्या, गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती (नवीन मत से)।

शनिवार-06,जुलाई: गुप्त नवरात्रा प्रारम्भ।

रविवार-07,जुलाई: शुक्र उदय पश्चिम में रात्रि 09-05 पर, चन्द्र दर्शन उ. मु. उत्तर श्रृंगोन्नत, रथ यात्रा उत्सव, मेला आषाढ़ी दशहरा, श्री जगदीश रथ यात्रा जगन्नाथपुरी (उड़ीसा), मनोरथ द्वितीया व्रत (बंगाल) तथा रवि पुष्य योग।

शुभ कार्यारम्भ मुहूर्त **शुभ मुहूर्त:** उपर्युक्त शुभाशुभ समय, तिथि, वार, नक्षत्र व योगानुसार आज अश्विनी नक्षत्र में प्रसूतिस्नान, शल्य चिकित्सा व विपणि-व्यापारारम्भ के यथाआवश्यक शुभ मुहूर्त हैं।

सोमवार-01,जुलाई: प्रसूतिस्नान, नामकरण व अन्नप्राशन अश्विनी नक्षत्र में।

बुधवार-03,जुलाई :हलप्रवहण, विपणि-व्यापारारम्भ, नामकरण, अन्नप्राशन सभी रोहिणी नक्षत्र में।

रविवार-07,जुलाई: आठवां पूजन, पुंसवन, सीमन्तकर्म, शल्य चिकित्सा उपनयन व विपणि-व्यापारारम्भ पुष्य नक्षत्र में।

वारकृत्य कार्य रविवार को सामान्यरूप से राज्याभिषेक, उत्सव (गाना-बजाना), नई-सवारी (वायुयान आदि) का प्रयोग, यात्रा, नौकरी, पशु क्रय-विक्रय, सोना, ताम्बा, ऊन-काष्ठ सम्बन्धी कार्य, औषध व जड़ी-बूटी आदि का संग्रह व प्रयोग, शिक्षा-दीक्षा, लेना-देना, अस्त्र-शस्त्र व अग्नि सम्बन्धी कार्य, न्यायिक परामर्श तथा यज्ञादि मन्त्रोपदेश आदि कार्य करने योग्य हैं।

आज जन्म लेने वाले बच्चे

आज जन्म लेने वाले बच्चों के नाम (ची, चू, चे, चो, ला) आदि अक्षरों पर रखे जा सकते हैं। प्रात: 07-34 तक जन्मे जातकों की जन्म राशि मीन व इसके बाद जन्मे जातकों की जन्म राशि मेष है। मीन राशि के स्वामी बृहस्पति व मेष राशि के स्वामी मंगल हैं। इनका जन्म स्वर्णपाद से है। सामान्यत: ये जातक माता-पिता की सेवा करने वाले, साहसी, सर्वप्रिय, धनवान, कुशाग्र बुद्धि, विद्वान और नेतृत्व प्रधान व्यक्ति होते हैं। इनका भाग्योदय 25 वर्ष की आयु तक हो जाता है। मीन राशि वाले जातकों को राज्य पक्ष की ओर से मान-सम्मान और प्रशंसा मिलेगी। व्यावसायिक कार्यों में सफलता मिलेगी और धन-लाभ भी होगा।

चुनावी फायदा लेने के बजाय युवाओं को रोजगार देने के उद्देश्य से समय पर निकले भर्ती

समय पर खाली पदों की सूचना आए, हर साल तय हो भर्तियों का एजेंडा

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

जयपुर. सरकार ने पांच साल में ढाई लाख नौकरी का देने का वादा किया हैं। लेकिन ये नौकरियां किस प्रकार से दी जाएंगी। अभी तक सरकार ने एजेंडा तय नहीं किया है। अमूमन देखा जाता है कि सरकार में आने के बाद नौकरियां देने की घोषणा कर दी जाती हैं। लेकिन सालों तक भर्ती की प्रक्रिया शुरू नहीं की जाती। चुनावी साल में आखिरी समय में भर्तियां निकाली जाती हैं। ऐसे में भर्ती एजेंसियों पर एक साथ दबाव आ जाता है। यही कारण है कि भर्तियां समय पर पूरी नहीं हो पाती। इसके लिए सरकार को पांच साल भर्तियों का प्लान तैयार करना चाहिए। वर्षवार कितनी भर्तियां निकाली जाएंगी। इसकी रूपरेखा जारी करनी चाहिए। जैसे हर साल 50 हजार भर्तियां निकाली जाएं। यह तभी संभव होगा तब समय पर प्रमोशन होंगे और विभाग खाली पदों की सूचना भेजेंगे। हर साल भर्तियों का एजेंडा तय हो तो सरकार की घोषणाओं को प्राथमिकता के साथ लागू किया जा सकता है।

गत सरकार में पिछले दो सालों में निकली भर्तियां: गत सरकार के कार्यकाल में अंतिम दो सालों में सबसे अधिक भर्ती निकाली गई। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड और आरपीएससी पर भर्तियों का दबाव रहा। यही कारण रहा कि विधानसभा चुनाव और लोकसभा चुनाव बाद तक भर्तियां पूरी नहीं हो पाई हैं। बेरोजगार युवा नौकरी का इंतजार कर रहे हैं।

सरकार के लिए भर्तियों की घोषणा आसान है। लेकिन उन भर्तियों को संतुलित तरीके से पूरी करना चुनौती से कम नहीं है। सरकार भर्तियों की घोषणा के साथ पूरे पांच साल का प्लान भी तैयार करे। हर साल पचास हजार भर्तियों का लक्ष्य रखना होगा। इसके अलावा भर्ती एजेंसी और विभागों के बीच कॉर्डिनेशन अहम है।

हरिप्रसाद शर्मा, पूर्व चेयरमैन, राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड

इसलिए जरूरी समय पर भर्ती जारी करना

- विभागों में पदों की संख्या घटती-बढ़ती है। भर्ती निकलने के बाद अगर विभाग समय पर डाटा अपडेट करे तो भर्तियों में पदों को जोड़ा और कम किया जा सकता है।
- भर्ती की घोषणा के साथ सरकार होमवर्क करे कि किस साल कितनी भर्तियां जारी करनी है।
- समय पर हर साल भर्ती जारी होने से भर्ती एजेंसी पर एक साथ भर्तियों का दबाव नहीं रहता। पारदर्शिता के साथ भर्ती पूरी की जा सकती है।
- हर महीने एक भर्ती का प्लान किया जाए, ताकि प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों पर दबाव नहीं आए।
- बोर्ड समय-समय पर सालभर का भर्ती कलेंडर जारी करे।

लैंड पूलिंग और भू-अधिग्रहण के आधार पर जुटाई जाएगी जमीन

लखनऊ को जल्द मिलेंगी चार नई आवासीय योजनाएं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. राजधानी स्थित लखनऊ विकास प्राधिकरण जल्द ही चार नई आवासीय योजनाओं की सौगात देने जा रहा है। इसके लिए प्राधिकरण ने पूरा खाका तैयार कर लिया है।

इन योजनाओं के तहत सुल्तानपुर रोड पर वेलनेस सिटी, आईटी सिटी, मोहान रोड पर एजुकेशनल सिटी (मोहान रोड योजना) और आईआईएम रोड पर प्रबंध नगर योजना विकसित की जाएंगी। ये कॉलोनियां विश्वस्तरीय सुविधाओं से लैस होंगी, जिनमें सुपर स्पेशलिटी अस्पताल, शिक्षण संस्थान, ग्रुप हाउसिंग, मॉल, होटल, मनोरंजन केंद्र, औद्योगिक क्षेत्र आदि शामिल होंगे। साथ ही विस्तृत क्षेत्रफल में हरियाली और जलाशय भी होंगे। लखनऊ विकास प्राधिकरण की अध्यक्ष/मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने इन योजनाओं के लिए जमीन जुटाने के सम्बंध में तैयार किए गए प्रस्ताव को प्रारम्भिक मंजूरी दे दी है।

लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि मोहान रोड योजना के आंतरिक विकास के लिए प्रथम चरण में 225 करोड़ रुपए का टेंडर जारी किया गया है।

मोहान रोड योजना (एजुकेशनल सिटी)

उपाध्यक्ष डॉ. इन्द्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि ग्राम-प्यारेपुर व कलियाखेड़ा की 785.02 एकड़ अर्जित भूमि पर 1544 करोड़ रुपए की लागत से मोहान रोड योजना का विकास किया जाएगा। इसे चंडीगढ़/पंचकुला की तरह ग्रिड पैटर्न पर विकसित किया जाएगा। योजना में 74.25 एकड़ क्षेत्रफल में एजुकेशनल सिटी और 42 एकड़ भूमि पर सेंट्रल पार्क बनाया जाएगा, जबकि लगभग 45,000 वर्गमीटर क्षेत्र में वाटर बॉडी होगी। योजना में कुल 08 सेक्टर बनाए जाएंगे।

वेलनेस सिटी

सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ग्राम-बक्कास, चैरहिया, चैरासी, मलूकपुर, दुलारमऊ एवं नूरपुर बेहटा की लगभग 1474 एकड़ जमीन पर वेलनेस सिटी विकसित की जाएगी। इसे मेडी सिटी की तरह विकसित किया जाएगा, जहां सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, मेडिकल कॉलेज, डायग्नोस्टिक सेंटर के साथ विपासना केन्द्र व मेडिटेशन सेंटर आदि होंगे। इसके अलावा शहर के व्यस्ततम बाजार में शुमार अमीनाबाद मेडीसिन मार्केट को भी वेलनेस सिटी में स्थानांतरित करने का प्रावधान किया गया है।

प्रबंध नगर योजना

आईआईएम रोड पर ग्राम-धैला, अल्लूनगर डिगुरिया व ककौली की कुल 2077 एकड़ भूमि पर प्रबंध नगर योजना विकसित की जाएगी। योजना के विकास में 4500 करोड़ रूपए का खर्च आएगा। इसमें लगभग 20 लाख वर्गमीटर क्षेत्रफल में आवासीय उपयोग, जबकि लगभग 7 लाख वर्गमीटर एरिया में व्यावसायिक गतिविधियों के लिए भूखण्ड सृजित किए जाएंगे। साथ ही 18 लाख वर्ग मीटर क्षेत्रफल में वाटर बॉडी, ग्रीन बेल्ट व पार्क आदि विकसित किए जाएंगे।

आईटी सिटी

सुल्तानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग व किसान पथ के मध्य लगभग 2086 एकड़ भूमि पर आईटी सिटी विकसित की जाएगी, जो कि अपनी सर्वोत्तम रोड कनेक्टिविटी के कारण लोगों के लिए काफी उपयोगी होगी। योजना में 72 वर्गमीटर से 1250 वर्गमीटर क्षेत्रफल के कुल 4025 आवासीय भूखण्ड सृजित किए जाएंगे, जिसमें सर्वाधिक 1848 भूखण्ड 200 वर्गमीटर क्षेत्रफल के होंगे। आईटी सिटी को इस तरह विकसित किया जाएगा, जिससे अधिकतम निजी निवेश आकर्षित हो।

प्रधानाध्यापक प्रतियोगी परीक्षा

पटना में शनिवार को बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित प्राथमिक विद्यालयों में प्रधानाध्यापक लिखित प्रतियोगी परीक्षा में शामिल होने से पहले एक केंद्र पर कतारबद्ध अभ्यर्थी।

न्यूज ब्रीफ

नशे में पति ने की पत्नी की हत्या

बहराइच. हरदी थानाक्षेत्र अंतर्गत शराब के नशे में धुत एक व्यक्ति ने पत्नी की धारदार हथियार से शनिवार को हत्या दी। हत्या के समय घर में दोनों के सिवा कोई नहीं था। पुलिस के अनुसार थाना क्षेत्र के कहारनपुरवा बालासराय निवासी बदलू (46) ने शराब के नशे में अपनी पत्नी गुड़िया देवी (42) की धारदार हथियार से हत्या कर दी। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी संतोष सरोज ने बताया कि आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। हर एंगल से जांच की जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से वृद्ध की मौत

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बहराइच. जिले में शनिवार सुबह अज्ञात वाहन की टक्कर से एक वृद्ध की मौत कहो गई। पुलिस के अनुसार रूपईडीहा थाना क्षेत्र के ग्राम बघमरवा निवासी जमुना प्रसाद (80) को मृत अवस्था में तेलीयानी गांव की नहर के पास सड़क पर राहगीरों ने देखा। पुलिस का अनुमान है कि अज्ञात वाहन की टक्कर से इनकी मौत हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

सीएम योगी ने मेधावी छात्र-छात्राओं का सम्मान भी किया

ड्रेस, जूते-मोजे, स्टेशनरी और स्कूल बैग पाकर बच्चों के चेहरे खिले

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया।

सीएम योगी ने ड्रेस, जूता-मोजा, स्वेटर, स्टेशनरी एवं स्कूल बैग की खरीद के लिए प्रति छात्र-छात्रा 1200 रुपए की धनराशि उनके अभिभावकों के बैंक खातों में डीबीटी के माध्यम से अंतरण प्रक्रिया का भी शुभारंभ किया। इस दौरान सीएम योगी ने कहा कि हम सभी की जिम्मेदारी है कि कोई छात्र स्कूल से वंचित नहीं रहे। हम अपनी इस जिम्मेदारी का निर्वहन करें, ये देश की सबसे बड़ी सेवा है।

उन्होंने शिक्षा विभाग से जुड़े शिक्षकों और अधिकारियों से कहा कि आप उस पवित्र कार्य से जुड़े हुए है। आपका आचरण एक शासकीय अधिकारी की तरह नहीं, बल्कि समाज के एक मार्गदर्शक के रूप में, एक शिक्षक के रूप में होना चाहिए। सीएम योगी ने कहा कि हमारे विद्यालय इनोवेशन और रिसर्च के नए सेंटर के रूप में स्थापित हों, हमारे छात्र-छात्राओं के अंदर कठिन से कठिन चुनौतियों से जूझने का जज्बा हो, इसके लिए हम अपने आपको तैयार करें।

7 वर्ष से इनोवेशन को आगे बढ़ा रहा बेसिक शिक्षा परिषद

सीएम योगी ने कहा कि आज यहां पर बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा अनेक कार्यक्रमों का शुभारंभ किया गया। इनमें 88 लाख से अधिक छात्र-छात्राओं के अभिभावकों के खाते में 1200 रुपए प्रति छात्र भेजे गए हैं। बेसिक शिक्षा परिषद ने विगत 7 वर्ष में अनेक इनोवेशन को आगे बढ़ाया है। 2017 के पहले जैसे सरकार अंधकार में रहती थी, वैसे ही इन्होंने शिक्षा को भी अंधकार में ढकेलने का काम किया था। आज आप देख रहे हैं कि 12 दिन के अंदर शुचितापूर्ण तरीके से नकल विहीन परीक्षा संपन्न हुई है और 14 दिन के अंदर परिणाम भी आ गए। पहले तीन महीने में परीक्षा होती थी, तीन महीने परिणाम आने में लगते थे, तीन महीने एडमिशन में लगते थे और शेष तीन महीने पर्व और त्योहार में चले जाते थे और साल निकल जाता था।

नई पीढ़ी के लिए रोल मॉडल हैं मेधावी छात्र

मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के बाद सीएम योगी ने कहा कि सचमुच एक गुरु के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि जिसको उन्होंने मार्गदर्शन दिया। वो देश-प्रदेश में उच्च स्थान प्राप्त कर उन्हें गौरवान्वित कर रहे हैं। इन कार्यक्रमों के माध्यम से हम अपने प्रतिभाशाली छात्र-छात्राओं को सम्मानित करते हुए नई पीढ़ी के सामने उन्हें रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत कर रहे हैं कि अगर वो भी ऐसे ही परिश्रम करेंगे, तो उन्हें भी सम्मान प्राप्त होगा।

बिहार में पुल का लगातार गिरना चिंता का विषय

बिहार में पुल गिरने की घटनाओं को जीतन राम मांझी ने बताया साजिश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

गया. बिहार में एक के बाद एक पुल गिरने से राजनीति गरमा गई है। पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव सहित अन्य विपक्षी नेता लगातार इस मुद्दे पर सरकार पर हमला बोल रहे हैं।

इस बीच केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने पुल गिरने की घटना पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि एक महीने पहले कोई पुल क्यों नहीं गिरा, अब क्यों गिर रहा है। यह कहीं कोई साजिश तो नहीं है?

शनिवार को अपने संसदीय क्षेत्र गया पहुंचे केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि बिहार में पुल का लगातार गिरना चिंता का विषय है, लेकिन 15 दिन या एक माह पहले पुल क्यों नहीं गिर रहा था। साजिश के तहत इस तरह की घटना को अंजाम दिया जा रहा है। विरोधियों की ओर से सरकार को बदनाम करने का प्रयास किया जा रहा है।

नीट पेपर लीक पर भी बोले केंद्रीय मंत्री

नीट पेपर लीक मामले को लेकर जीतन राम मांझी ने कहा कि संसद में हंगामा करने व संसद की कार्यवाही रोकने से इसका निदान नहीं निकल सकता है। इस तरह की बात नहीं होनी चाहिए। इसको लेकर केंद्र और राज्य सरकार सख्त है। लोगों की गिरफ्तारियां की जा रही हैं, जो लोग भी इसके पीछे हैं, वे बख्शे नहीं जाएंगे। पुलिस ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

इंजीनियर और ठेकेदार पर कार्रवाई

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहले बिहार में शायद ही एक-दो पुल गिरा करते थे, लेकिन लगातार इस तरह का घटना इशारा करती है कि इसके पीछे कोई साजिश है। सरकार इसे लेकर सख्त है। इंजीनियर और ठेकेदार पर कार्रवाई हो रही है, जो लोग भी इसके पीछे हैं, उनके खिलाफ सरकार सख्त कार्रवाई करेगी। इससे पहले केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का सर्किट हाउस में कार्यकर्ताओं ने फूल-माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर हम पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता रोमित कुमार, इंजीनियर नंदलाल मांझी, शंकर मांझी, जिलाध्यक्ष नारायण प्रसाद, विजय रजक, रमेश सिंह, अनिल यादव, मुकेश चौधरी, मनोज मांझी आदि मौजूद थे।

चोरी की तीन बाइक, अवैध कफ सिरप के साथ 4 अपराधी गिरफ्तार

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

मधेपुरा. जिले की सिंहेश्वर थाना पुलिस ने चोरी की तीन बाइक और अवैध कफ सिरप के साथ चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है।

मधेपुरा के सहायक पुलिस अधीक्षक प्रवेंद्र भारती ने बताया कि पुलिस अधीक्षक मधेपुरा के आदेशनुसार चोरी की घटनाओं एवं मादक पदार्थ की तस्करी को रोकने के लिए लगातार वाहन चेकिंग एवं छापेमारी अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में शनिवार को मिली सूचना के आधार पर सिंहेश्वर मेला ग्राउंड में छापेमारी कर बाइक बेचने का प्रयास करते हुए तीन अपराधियों को धर दबोचा। गिरफ्तार अपराधियों की पहचान सिंहेश्वर थाना क्षेत्र के रामपट्टी निवासी चंदन कुमार, अमलेश कुमार एवं भेलवा निवासी मनोज धरकार के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके पास से चोरी की तीन बाइक बरामद की है।

भारती ने बताया कि सिंहेश्वर पुलिस ने गौरीपुर के गोढ़ियारी टोला से 75 पीस कोरेक्स कफ सिरप बरामद करते हुए सूरज कुमार को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अपराधियों से पूछताछ की जा रही है।

सारण में विदेशी शराब बरामद, दो गिरफ्तार

छपरा @ पत्रिका. सारण जिले के मांझी थाना क्षेत्र से उत्पाद विभाग की टीम ने शनिवार को कार से भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद कर दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

उत्पाद विभाग के सूत्रों ने बताया कि जयप्रभा सेतु पर उत्तरप्रदेश के बलिया से आने वाले वाहनों की जांच की जा रही थी। वहां से गुजर रहे एक कार की तलाशी के दौरान 315 एमएल की दो पेटी तथा 750 एम एल की 32 पेटी विदेशी शराब बरामद की गई। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपए है। कार पर सवार पूर्वी चंपारण जिले के दो लोगों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है।

सरकारी कार्य में बाधा डालने का आरोप

गैंगस्टर एक्ट के वांछित को पुलिस से छुड़वाया, पुलिस के साथ की मारपीट और वर्दी फाड़ी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

संभल. हयातनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में गैंगस्टर आरोपी को पकड़ने गई पुलिस टीम पर महिलाओं व ग्रामीणों ने हमला आरोपी को छुड़ा लिया। महिलाओं व ग्रामीणों ने लाठी डंडों से हमला कर पुलिस कर्मियों की वर्दी तक फाड़ दी। मामले में पुलिस ने मौके से पांच लोगों को गिरफ्तार करते हुए 19 नामजद लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

जानकारी के अनुसार बुलंदशहर जिले के थाना औरंगाबाद के उप निरीक्षक सुमित गौतम व सिपाही संदीप शर्मा हयातनगर थाना पुलिस टीम को लेकर थाना क्षेत्र के गांव रसूलपुर धतरा में गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित आरोपी रिहान को गिरफ्तार करने पहुंचे थे। घर पर छापा मारकर पुलिस टीम ने रिहान को हिरासत में ले लिया।

तभी रिहान के परिजनों के साथ महिलाओं व ग्रामीणों की भीड़ ने पुलिस को घेर लिया और पुलिस पर लाठी डंडों से हमला कर दिया। साथ ही दांतों से पुलिस कर्मियों के हाथों में काटकर महिलाओं व ग्रामीणों ने रिहान को छुड़ा लिया। पुलिस टीम पर हमले की सूचना पर अतिरिक्त पुलिस बल पहुंचा और असलम, नौशाद, सलमान मलिक, नासिर व असलम को गिरफ्तार कर लिया।

घटना के समय ऑटो में ड्राइवर सहित 6 लोग थे सवार

उन्नाव में रोडवेज बस ने ऑटो को मारी टक्कर, चार की मौत, दो घायल

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

उन्नाव. जिले के बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत शनिवार को हरदोई की ओर से आ रही अनियंत्रित रोडवेज बस ने ऑटो में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से ऑटो के परखच्चे उड़ गए। घटना में ड्राइवर सहित चार लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल है।

पुलिस के अनुसार टक्कर लगने से ऑटो रिक्शा में पीछे बैठे श्रीकृष्ण (45) पुत्र गुलाब निवासी पंपापुर थाना बांगरमऊ कोतवाली और लक्ष्मण (35) पुत्र राम औतार निवासी ग्राम हज़रत पुर थाना मल्लावां हरदोई की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि चालक सहित कुल चार यात्री जो गंभीर रूप से घायल थे को सीएचसी बांगरमऊ इलाज भेजा गया था। जहां चिकित्सकों ने घायल सुनील उर्फ कल्लू (35) निवासी ग्राम खेतहरा गंज जलालाबाद थाना मल्लावां हरदोई को मृत घोषित कर दिया।

सीओ बांगरमऊ अरविंद कुमार ने बताया कि घटना की सूचना पर मौके पर पहुंचकर पुलिस टीम ने जांच की। जांच के दौरान प्रकाश में आया कि घटना के समय ऑटो में ड्राइवर सहित 6 लोग सवार थे। घटना में दो लोगों की मौके पर और तीसरे की सीएचसी में मौत हो गई थी, जबकि चौथे ड्राइवर की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई है। घायलों को बांगरमऊ सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया था। रोडवेज बस को कोतवाली भेज दिया गया है।

चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा

चिकित्सकों ने अन्य घायल चालक रामचन्द्र (55) पुत्र मथुरा प्रसाद निवासी ग्राम बल्लापुर कोतवाली बांगरमऊ व रामसनेही (60) पुत्र रमई निवासी ग्राम जोगी कोट थाना बेहटा मुजावर और बब्लू (30) पुत्र निहाली निवासी मुन्नू मियां तलैया कस्बा बांगरमऊ को जिला अस्पताल रेफर कर दिया, जहां चालक रामचन्द्र ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। फिलहाल पुलिस ने मृतकों की शिनाख्त कराने के बाद चारों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

जमुई में भूमि विवाद में किशोर की हत्या

जमुई @ पत्रिका. जिले के लक्ष्मीपुर थाना क्षेत्र में भूमि विवाद को लेकर एक किशोर की हत्या कर दी गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि चिंबेरिया गांव निवासी मल्लू यादव का पुत्र पीयूष कुमार (13) शुक्रवार की रात गांव में हो रहे अष्टयाम यज्ञ को देखने गया था, लेकिन सुबह तक वह घर नहीं लौटा। परिजनों ने पीयूष की खोजबीन की, लेकिन वह नहीं मिला। शनिवार सुबह पीयूष का शव गांव से सटे नदी किनारे मिला। पीयूष की पीट-पीटकर हत्या की आशंका है। मृतक के पिता मल्लू यादव ने पुलिस को बताया कि भूमि के एक हिस्से को लेकर गांव के ही मोनु यादव, आलोक यादव, नीतीश यादव, कार्तिक यादव, मिथिलेश यादव, दामोदर यादव के साथ उनका विवाद चल रहा था। इन लोगों के द्वारा उनके बेटे पीयूष को जान से मारने की धमकी दी गई थी।

बेकाबू होकर बस पलटी, 18 से ज्यादा लोग घायल

मुजफ्फरपुर @ पत्रिका. सिलीगुड़ी से छपरा जा रही एक यात्री बस बेकाबू होकर शनिवार को मुजफ्फरपुर में पलट गई। जिसमें 18 से ज्यादा लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि बस के चालक को अचानक से नींद आ गई, जिससे यह घटना घटी है। बस में 40 से अधिक यात्री सवार थे। हालांकि बस की रफ्तार कम होने से बड़ी घटना होने से टल गई। स्थानीय लोगों को बस पलटने की जानकारी मिलते ही घटनास्थल पर भिड़ जमा हो गई।

स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना बोचहा थाना को दी। सूचना पर पहुंची बोचहा थाना पुलिस ने घटना में घायल सभी लोगों को इलाज के लिए मुजफ्फरपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां सभी घायलों का इलाज जारी है।

सारण में इलाज के दौरान किशोर की मौत

छपरा @ पत्रिका. सारण जिले के सदर अस्पताल छपरा में शनिवार को इलाज के दौरान एक किशोर की मौत हो गई। पुलिस सूत्रों ने बताया कि मुफस्सिल थाना क्षेत्र के फकुली गांव निवासी रणविजय कुमार सिंह के पुत्र आयुष कुमार सिंह (13) की तबीयत खराब होने पर परिजन उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल छपरा लेकर पहुंचे। इलाज के दौरान आयुष की मौत हो गई। घटना से आक्रोशित परिजनों ने उग्र होकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए सदर अस्पताल छपरा भेज दिया है। पुलिस परिजनों से प्राप्त आवेदन पर चिकित्सक के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जांच कर रही हैं।

विधानसभा उपचुनाव में अवधेश प्रसाद के बेटे अजित व लालजी वर्मा की बेटी छाया को मिल सकता है मौका

यूपी के उपचुनाव में भी पीडीए फार्मूले पर आगे बढ़ेंगे अखिलेश

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

लखनऊ. लोकसभा चुनाव में मिली जीत से उत्साहित समाजवादी पार्टी अब विधानसभा उपचुनाव में पीडीए फॉर्मूला लागू कर उम्मीदवार उतारेगी। पार्टी ने इसकी तैयारी शुरू कर दी है।

सपा के सूत्रों के मुताबिक पीडीए फॉर्मूले के तहत अयोध्या की मिल्कीपुर सीट पर होने वाले उपचुनाव में अवधेश प्रसाद के बेटे अजित प्रसाद को टिकट दिया जा सकता है। अकबरपुर की कटेहरी सीट से लालजी वर्मा की बेटी छाया वर्मा भी सपा की बड़ी दावेदार हैं। फूलपुर सीट पर भाजपा को मजबूत टक्कर देने वाले अमरनाथ मौर्य पर पार्टी दांव लगा सकती है। यहां पर भाजपा उम्मीदवार ने बहुत मामूली अंतर से जीत हासिल की है। वहीं, करहल सीट को सपा मुखिया अखिलेश यादव ने छोड़ा है। यहां से तेज प्रताप

संसद में पार्टी की धमक मजबूत करने में जुटे सपा प्रमुख

राजनीतिक जानकार बताते हैं कि अखिलेश यादव संसद की कार्यवाही में अपनी पार्टी की धमक काफी मजबूत बनाने में जुटे हैं। इधर, सपा का प्रदेश नेतृत्व उपचुनाव की कवायद में जुट गया है। दावेदारों के नाम आने शुरू हो गए हैं। इसके आलावा वह खुद भी चक्कर लगाने लगे हैं। सपा भी लोकसभा के पीडीए फॉर्मूला लगाकर ही प्रत्याशी को महत्व देने का विचार कर रही है।

लोकसभा चुनाव में पीडीए फॉर्मूले से जीतीं 37 सीटें

सपा ने सोशल इंजीनियरिंग का नया फार्मूला निकाला है। पार्टी पीडीए फॉर्मूले को और धार देना चाहती है। लोकसभा चुनाव में पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले से समाजवादी पार्टी 37 सीटें चुकी है। इसके साथ ही सपा देश की राजनीति में बड़ी पार्टी बनकर उभरी है।

उपचुनाव में 1 सीट पर लड़ सकती है कांग्रेस: सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सपा की नजर सभी विधानसभा सीटों पर है। इसके लिए जातीय समीकरण साधे जा रहे हैं। वहीं गठबंधन की सहयोगी कांग्रेस को सपा एक सीट देने का विचार कर रही है।

इन सीटों पर होंगे उपचुनाव: लोकसभा चुनाव के बाद यूपी में जिन सीटों पर उपचुनाव होने हैं, उनमें मैनपुरी की करहल, अयोध्या की मिल्कीपुर, अंबेडकर नगर की कटेहरी, संभल की कुंदरकी, गाजियाबाद, अलीगढ़ की खैर, मीरापुर, फूलपुर, मझवां और सीसामऊ शामिल हैं।

डॉ.राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय को देश में 7वीं रैंक

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

समस्तीपुर. भारतीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क ने वर्ष 2024 में समस्तीपुर जिले के पूसा स्थित डॉ. राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए देश में 7वीं रैंक प्रदान की है।

कुलपति डॉ. पी.एस. पाण्डेय ने शनिवार को पूसा में पत्रकारों को बताया कि यह उपलब्धि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों एवं कर्मचारियों के कृषि विकास के प्रति मेहनत का फल है। उन्होंने कहा कि इस उपलब्धि से विश्वविद्यालय का आत्मविश्वास बढ़ा है और आने वाले समय में कृषि विकास के लिए और बेहतर कार्य होगें, जिससे हम राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शीर्ष स्थान प्राप्त कर सके।

कुलपति को बधाई दी

इस बीच केन्द्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री रामनाथ ठाकुर, समस्तीपुर की सांसद शांभवी चौधरी, विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. मृत्युंजय कुमार, सूचना पदाधिकारी कुमार राज्यवर्धन, निदेशक शिक्षा डॉ. उमाकांत बहेरा एवं निदेशक अनुसंधान डॉ. ए.के.सिंह ने विश्वविद्यालय की इस उपलिब्ध पर कुलपति को बधाई दी और कहा कि यह उपलब्धि बिहार के लिए गौरव की बात है।

न्यूज 2 मिनट में

बीएएमएस प्रथम वर्ष के छात्र दो जुलाई तक भर सकेंगे फॉर्म

जबलपुर. मेडिकल यूनिवर्सिटी से संबद्ध प्रदेश के आयुर्वेद कॉलेजों में अध्ययनरत बीएएमएस प्रथम वर्ष के विद्यार्थी दो जुलाई तक परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन भर सकेंगे। पूर्व में फॉर्म भरने की तारीख 29 जून तक थी। बड़ी संख्या में विद्यार्थी तय तारीख तक फॉर्म नहीं भर सके थे। इसे देखते हुए तारीख बढ़ाई गई है। विलम्ब शुल्क के साथ परीक्षा फॉर्म तीन जुलाई तक भरे जा सकेंगे।

मुख्यमंत्री कार्यालय के बड़े अफसर नेता प्रतिपक्ष उमंग के निशाने पर

भोपाल. नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के निशाने पर सीएम डॉ. मोहन यादव तो रहे ही हैं, अब मुख्यमंत्री कार्यालय में पदस्थ अफसर भी निशाने पर आए हैं। उमंग ने ट्वीट किया कि सीएम साहेब का काम भी अजब है। उन्होंने अपने दफ्तर की कमान ऐसे व्यक्ति को सौंप दी, जिनके कारनामों की लिस्ट काफी लंबी है। तीन साल तक निलंबित रहे इस महानुभाव के यहां इनकम टैक्स का छापा पड़ा था। जो कथित रूप से हनी-मनी से ओतप्रोत हैं। आखिर आप (सीएम) जनता को क्या संदेश देना चाहते हैं। देखना होगा कि एनडीए की सरकार में बैठे इनके आका भ्रष्टाचार की बंदरबांट में बराबर के हिस्सेदार रहेंगे या फिर हमारे भोले भाले प्यारे मोहन के जन-विरोधी कदमों को पुनर्विचार की हिदायत देते हुए सद्बुद्धि से जन कल्याणकारी निर्णय लेने हेतु निर्देशित करेंगे।

मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन 12 सितंबर को

भोपाल. मप्र राज्य निर्वाचन आयोग ने नगरीय निकायों एवं त्रिस्तरीय पंचायतों के चुनाव के लिए फोटोयुक्त मतदाता सूची के वार्षिक पुनरीक्षण का कार्यक्रम जारी किया गया है। मतदाता सूची एक जनवरी 2024 के आधार पर बनाई जाएगी। सूची का अंतिम प्रकाशन 12 सितंबर को होगा। आयोग के सचिव अभिषेक सिंह ने बताया कि रजिस्ट्रीकरण, सहायक रजिस्ट्रीकरण और मास्टर ट्रेनर्स की नियुक्ति और प्रशिक्षण दो जुलाई तक होगा। मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 19 जुलाई को होगा। दावे-आपत्ति 19 जुलाई से 2 अगस्त तक लिए जाएंगे। निराकरण की अंतिम तारीख 9 अगस्त है। अंतिम मतदाता सूची का सार्वजनिक प्रकाशन 12 सितंबर को होगा।

लोकसभा चुनाव में हार के कारणों की कांग्रेस में माथापच्ची: फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के सामने उठा दल बदल का मुद्दा

एक-एक कर नेता-पदाधिकारी पार्टी छोड़ते गए... किसी ने रोका ही नहीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. लोकसभा चुनाव में हार के बाद कांग्रेस पता लगा रही है कि कमी कहां रह गई थी। प्रत्याशी कमजोर था या कार्यकर्ताओं ने काम नहीं किया। वरिष्ठ नेता वास्तव में सक्रिय थे या घर बैठे रहे। यह जानने के लिए फैक्ट फाइंडिंग कमेटी की बैठक शनिवार को प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में हुई। महाराष्ट्र के पूर्व सीएम पृथ्वीराज चह्वाण की अध्यक्षता वाली कमेटी ने प्रत्याशियों से वन-टू-वन चर्चा की। कमेटी में ओडिशा के कोरापुट से सांसद सप्तगिरी उलका और गुजरात के विधायक जिग्नेश मेवाणी सदस्य हैं। कमेटी के सामने दल-बदल का मसला उठा। बताया गया कि चुनाव के दौरान वरिष्ठ नेताओं सहित अन्य पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं का पार्टी छोड़कर जाना कांग्रेस के लिए नुकसानदेय रहा। लोग जाते रहे, लेकिन पार्टी ने रोकने के कोई प्रयास नहीं किए। चुनाव में भाजपा द्वारा सत्ता का दुरुपयोग एवं सक्रिय कांग्रेस कार्यकर्ताओं, बूथ एजेंटों को बिना किसी कारण थाने में बैठाना भी नुकसानदेय रहा।

मुरैना से प्रत्याशी रहे सत्यपाल सिंह सिकरवार ने हार की सबसे बड़ी वजह छह बार के विधायक का पार्टी छोड़ना बताया। जब रामनिवास रावत पार्टी छोड़ गए तो सारे ब्लॉक अध्यक्ष से लेकर नीचे तक के कार्यकर्ता भी साथ चले गए। चुनाव में इसका नुकसान हुआ। सिंह ने सुझाव दिया, अच्छे कार्यकर्ताओं का चयन किया जाए। ये तेरा, ये मेरा न हो। इससे पार्टी को नुकसान होता है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कमेटी के (बाएं से) सांसद सप्तगिरी उलका, पृथ्वीराज चह्वाण और विधायक जिग्नेश मेवाणी का स्वागत किया।

दो लाख से जीत तय थी

भिण्ड से प्रत्याशी रहे फूल सिंह बरैया ने कहा, वे 2 लाख वोट से जीत रहे थे, लेकिन कांग्रेस को हराने के लिए भाजपा ने सत्ता का दुरुपयोग किया। ग्वालियर से प्रत्याशी रहे प्रवीण पाठक बोले, हार-जीत का अंतर कम रहा। चुनाव में बड़े नेताओं का पूरा समर्थन मिला। दूसरों पर दोष लगाने के बजाय खुद में क्या कमी रही, इस पर मंथन करेंगे।

दिनभर चली बैठक में लिया फीडबैक

प्रत्याशियों से चर्चा का दौर सुबह से शाम तक चला। कमेटी ने पूछा कि कितने वोट मिले, किस विधानसभा में कितने अंतर से हार हुई। चुनाव में पार्टी विधायक, पूर्व विधायक, पूर्व सांसद, जिलाध्यक्ष, पदाधिकारियों ने काम किया या नहीं। यह कमेटी रिपोर्ट एआईसीसी को सौंपेगी।

पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक आज

कांग्रेस की पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी की बैठक रविवार को होगी। इसमें फैक्ट फाइंडिंग कमेटी के सदस्य, प्रदेश कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता शामिल रहेंगे। कमेटी यह जानने का प्रयास करेगी कि मप्र में कांग्रेस की वास्तव में क्या स्थिति है, नेताओं में तालमेल कितना है।

नकुलनाथ और दिग्विजय नहीं पहुंचे

लोकसभा चुनाव में 29 सीटों में से 27 पर कांग्रेस के उम्मीदवार थे, लेकिन बैठक में सभी नहीं पहुंचे। छिंदवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी रहे नकुलनाथ और राजगढ़ सीट से प्रत्याशी रहे दिग्विजय सिंह गैरहाजिर रहे।

विधानसभा के मानसून सत्र में दो-दो हाथ

भाजपा: नर्सिंग कॉलेज घोटाले के दाग साधौ तक पहुंचाने की तैयारी
कांग्रेस: गड़बड़ियों के लिए जिम्मेदार कौन, दस्तावेज जुटा रही पार्टी

दोनों दलों की साख रहेगी दांव पर

पत्रिका सियासी स्कैन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. बहुचर्चित नर्सिंग कॉलेज घोटाले को लेकर सबकी निगाह अब विधानसभा सत्र पर है। विपक्ष सरकार की घेराबंदी की तैयारी में है। कॉलेजों को मान्यता देने में क्या गड़बड़ियां हुईं और उसके लिए सीधे तौर पर जिम्मेदार कौन है, इन्हीं सवालों पर कांग्रेस दस्तावेज जुटा रही है। भाजपा भी शांत नहीं है। आंतरिक तौर पर रणनीति बनाई जा रही है। भाजपा और सरकार दोनों का मानना है कि मामले में कांग्रेस के दबाव में आने से बात बिगड़ जाएगी। सरकार की छवि धूमिल हो सकती है। ऐसे में चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधिकारियों को विशेष तौर पर तथ्य जुटाने में लगाया गया है।

भाजपा कमलनाथ सरकार के दौरान नर्सिंग कॉलेजों को दी गई अनुमतियों को खंगाल रही है। इसके लिए तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विजयलक्ष्मी साधौ के कार्यकाल का डेटा सामने रखा जाएगा।

कॉलेजों का गणित

प्रदेश में कुल 756 नर्सिंग कॉलेज हैं। इनमें से 58 को सुप्रीम कोर्ट से स्टे मिला है। बाकी 698 में से 308 की जांच सीबीआइ कर चुकी है। इनमें से अनसूटेबल 66, खामियों वाले 73 कॉलेजों को छोड़ 169 की फिर जांच होगी। इस तरह से कुल 559 कॉलेजों की जांच शुरू हो चुकी है।

दो कार्यकाल की रिपोर्ट

कांग्रेस सरकार के दौरान विजयलक्ष्मी साधौ (2018 से 2020) और भाजपा सरकार के तत्कालीन चिकित्सा शिक्षा मंत्री विश्वास सारंग के कार्यकाल 2020 से 2023 तक की रिपोर्ट तैयार की गई है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस शासन में 61 नए कॉलेजों के आवेदन आए। इनमें से 46 को अनुमति दी गई। वहीं, 455 कॉलेजों ने नवीनीकरण का आवेदन किया और इनमें से 407 को क्लीनचिट दे दी गई।

रोचक होगा आमना-सामना

सरकार के तर्क

1. **सारंग** के कार्यकाल में नवीनीकरण और नए कॉलेजों की अनुमति का प्रतिशत साधौ के कार्यकाल से कम रहा।
2. **शिकायत** मिलने पर रजिस्ट्रार सुनिता शिजू को हटाया गया और हाल ही में बर्खास्त कर दिया गया।
3. **फैकल्टी** डुप्लीकेसी पर अर्थदंड, कॉलेज संचालकों पर एफआइआर, नर्सिंग काउंसिल को सशक्त करना, कॉमन एंट्रेंस टेस्ट जैसे प्रभावी कदम उठाए।

विपक्ष की तैयारी

1. **सीबीआइ** की जांच में 66 कॉलेज अनसूटेबल मिले। इन कॉलेजों को मान्यता आखिर किस आधार पर दी गई?
2. **अनुमति** जारी करने की प्रक्रिया क्या थी? हर कॉलेज की नोटशीट सामने रखी जाए कि आखिर किसकी सिफारिश पर अनुमति दी गई?
3. **स्टाफ** नर्स जैसे कर्मी को रजिस्ट्रार क्यों बनाया। बाद में भी बचाते क्यों रहे? बड़े अफसरों, विभागीय मंत्री की जवाबदेही तय क्यों नहीं गई?

यूं गर्माया घोटाला

19 मई 2024 वह तारीख थी जब नर्सिंग कॉलेज घोटाले की जांच कर रही सीबीआइ टीम के इंस्पेक्टर राहुल राज को दिल्ली सीबीआइ ने 10 लाख की रिश्वत लेते भोपाल से गिरफ्तार किया। इसी दिन से नर्सिंग कॉलेज घोटाले की परतें उधड़ने लगीं। इसके बाद और भी अफसर, कॉलेज संचालक, प्रिंसिपल, दलाल की गिरफ्तारियां हुईं।

नाथ सरकार के समय हुआ घोटाला: सिसौदिया

भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता और पूर्व विधायक यशपाल सिंह सिसौदिया ने आरोप लगाया कि नर्सिंग घोटाला कांग्रेस की देन है। कमलनाथ सरकार में बिना निरीक्षण, अवलोकन के कॉलेजों को मान्यता दी गई। तब जीतू पटवारी उच्च शिक्षा एवं विजयलक्ष्मी साधौ चिकित्सा शिक्षा मंत्री थीं। कमलनाथ सरकार में नर्सिंग घोटाला हुआ और स्वयं कमलनाथ भी कठघरे में हैं।

सरकार का सबसे बड़ा जवाब

हाईकोर्ट के निर्देश पर सीबीआइ 559 कॉलेजों की जांच कर रही है। इनमें वे 169 कॉलेज भी शामिल हैं, जिन्हें सीबीआइ सूटेबल बता चुकी हैं। सरकार सीबीआइ, कोर्ट के निर्देशों का पालन करेगी।

कांग्रेस का सबसे बड़ा दांव

सरकार को बैकफुट पर लाना और नर्सिंग घोटाले को व्यापमं जैसा मुद्दा बनाना है। भले ही सदन में बहस-तर्क में कांग्रेस पिछड़ जाए, लेकिन देशभर में प्रदेश सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश होगी।

अमरवाड़ा उपचुनाव: सिंगोड़ी और हर्रई में बोले सीएम मोहन

'छिंदवाड़ा कांग्रेस का गढ़ नहीं गड़बड़ है'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

छिंदवाड़ा. सीएम डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को अमरवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के सिंगोड़ी और हर्रई में जनसभा को संबोधित किया। पूर्व सीएम कमलनाथ पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि भगवान राम और श्रीकृष्ण का जयकारा लगाया तो कांग्रेस को बुखार आता है। लोग बोलते हैं कि छिंदवाड़ा कांग्रेस का गढ़ है। वह गढ़ नहीं गड़बड़ है। ऊपर-ऊपर हवाई जहाज में हैं भाई साहब, नीचे हैं ही नहीं। जमीन पर टिकते ही नहीं हैं।

सीएम ने कहा, वह कहते हैं कि छिंदवाड़ा मॉडल दिखाएंगे। पूछता हूं कि 40 वर्ष तक छिंदवाड़ा मॉडल की बात की है, तो सिंगोड़ी नगर परिषद क्यों नहीं बनाई। मॉडल की बात क्यों करते हो। कांग्रेस के लोग चुनाव पर चुनाव जीतते रहे, लेकिन न कॉलेज दिए न नगर परिषद बनाई। आंचलकुंड के दरबार को सभी प्रणाम करते हैं, लेकिन कांग्रेस ठीक वैसे ही नकली वेश में सामने आई है जैसे रावण माता सीता को हरण करने आया था।

सभा के दौरान बच्ची को दुलार करते सीएम डॉ. मोहन यादव।

दूध उत्पादन पर बोनस देगी सरकार

सीएम ने सभा में यह भी कहा कि अभी तक फसल पर बोनस मिलता है। आने वाले समय में सरकार दूध उत्पादन पर बोनस देगी। जनपद, नगर पालिका और पंचायत स्तर पर आप गोशाला बनाएंगे, सरकार पूरी मदद करेगी। भूल से भी गोमाता पर कोई कष्ट आया तो कष्ट देने वालों को छोड़ने वाले नहीं हैं। सात हजार गोमाता को बचाया है तथा कष्ट पहुंचाने पर एक हजार से ज्यादा को जेल में डाल दिया है। सीएम ने सैम पित्रोदा को कांग्रेस में वापस लेने पर कहा, कांग्रेस से पूछना कि आपने आदिवासियों के अपमान पर पित्रोदा को बाहर किया था, अब ऐसा कौन सा काम कर दिया कि कांग्रेस ने वापस ले लिया।

भूमिपूजन के लिए किया आमंत्रित

भोपाल @ पत्रिका. सीएम से गोकलदास एक्सपोर्ट्स के कार्यकारी संचालक प्रभात सिंह ने शनिवार को सौजन्य भेंट की। परिधान निर्माण क्षेत्र में कार्यरत कंपनी ने सीएम को अपनी दूसरी यूनिट के भूमिपूजन के लिए आमंत्रित किया। उल्लेखनीय है कि गोकलदास एक्सपोर्ट्स ने सरकार की गारमेंट पैकेज नीति से प्रेरित होकर अचारपुरा भोपाल में पहली यूनिट शुरू आरंभ की, जिसमें 1500 से ज्यादा को रोजगार प्रदान किया जा रहा है।

चाइल्ड हेल्पलाइन बंद हो गई पर नहीं छोड़ी अपने स्तर पर बच्चों की मदद

WOMAN GUEST EDITOR वुमन गेस्ट एडिटर

सोच यह: हर अच्छे बदलाव के सारथी बनने का जिम्मा खुद उठाना चाहिए।

सुझाव भेजें sunday@in.patrika.com

बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ रहीं वर्षा, 400 बच्चों को स्कूल लेकर पहुंचीं

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. जिला मुख्यालय पर चाइड हेल्पलाइन में 6 साल तक काम करने वाली वर्षा ठाकुर गरीब और अनाथ बच्चों को मुख्यधारा से जोड़ने का काम कर रही हैं। सरकार ने चाइल्ड हेल्पलाइन सेवा बंद बंद कर दी, इसके बाद भी वर्षा ने अपना काम नहीं छोड़ा। वे हमेशा बच्चों की सेवा के लिए भी हाजिर रहीं। वर्षा बताती हैं कि उन्हें गरीब और अनाथ बच्चों की मदद करना अच्छा लगता है। उन्होंने अब तक भीख मांगने वाले और पढ़ाई से दूर 400 से अधिक बच्चों को शिक्षा से जोड़ा है।

मदद लेकर बचाई बच्ची की जान

वर्षा ने बताया कि अभी कैंट के बंगला नं. 17 में छोटी से बच्ची की तबीयत खराब हो गई। खून की कमी से उसे कई बीमारियों ने घेर लिया। माता-पिता बच्ची का इलाज कराने में सक्षम नहीं थे। इसकी सूचना मुझे मिली। मैंने कई सामाजिक संगठनों ने मदद लेकर बच्ची का इलाज निजी अस्पताल में कराया है। अब बच्ची का पूरा परिवार आनंदपूर्वक जी रहा है।

हर बच्चा शिक्षित बने यही लक्ष्य

वर्षा कहती हैं कि 18 साल के बच्चों की मदद के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन सेवा बंद होने के बाद मेरी भी नौकरी छिन गई, लेकिन मैंने अपना काम बंद नहीं किया। मुझे कोई भी सूचना मिलती है तो मैं बच्चों की मदद करने लिए आगे आ जाती हूं। अब भी महिला बाल विकास से आंगनबाड़ी कार्यकर्ता मुझे फोन करके सूचना देते हैं। मैं चाहती हूं कि हर बच्चा शिक्षित बने। देश के विकास में सहायक बने।

अभी नहीं है सत्यापन प्लेट में एकरूपता

इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरणों पर लगेंगे पेपर स्टाम्प

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरणों पर सत्यापन के बाद किसी प्रकार की हेराफेरी न हो इसके लिए तौल उपकरणों के मुद्रांकन में पेपर सील का उपयोग किया जाएगा। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि पेपर स्टाम्प बनाने ऐसे पेपर का उपयोग होगा जो आसानी से खराब न हो। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरण पर चिपकाने वाले पेपर स्टाम्प का उपयोग किया जाएगा।

इलेक्ट्रॉनिक तौल उपकरणों पर मुद्रांकन के लिए उपयोग में लाई जाने वाली सत्यापन प्लेट में वर्तमान में एकरूपता नहीं है। बाजार में उपलब्ध सत्यापन प्लेटों में कोई भी निगरानी तंत्र न होने से राजस्व की चोरी होने और नकली मुद्राओं के द्वारा स्टाम्प करने की आशंका बनी रहती है। राज्य के बाहर से आने वाले तौल यंत्रों के और राज्य के भीतर निर्मित होने वाले तौल उपकरणों पर लगी स्टाम्प को पहचानना संभव नहीं है।

समिति ने की थी अनुशंसा

इस नवाचार से राज्य के उपभोक्ताओं के हितों का सरंक्षण होगा। इसके लिए पांच सदस्यीय समिति का गठन किया गया था। समिति ने इलेक्ट्रॉनिक तौल यंत्रों पर पेपर स्टाम्प लगाए जाने की अनुशंसा की है।

आज सेवानिवृत्त होंगे श्रीवास्तव

चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन हो सकते हैं अंबाड़े या सेन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. प्रदेश में बाघों की सुरक्षा का जिम्मा विजय अंबाड़े या शुभरंजन सेन के हाथों में जा सकता है। सरकार इन दोनों में से किसी को भी मप्र का नया चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन बना सकती है, क्योंकि रविवार को चीफ वाइल्डलाइफ वार्डन अतुल श्रीवास्तव सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

सूत्रों के मुताबिक नए मुखिया के लिए शनिवार को आदेश जारी होने थे, लेकिन दोनों में से किसी भी नाम पर सहमति नहीं बनी। अभी अंबाड़े और सेन प्रधान मुख्य वन संरक्षक हैं और अलग-अलग शाखाएं संभाल रहे हैं। यदि 30 जून की शाम तक आदेश नहीं हुए तो दोनों में से किसी एक को प्रभार मिल सकता है।

बुनियादी मुद्दों से ध्यान भटकाना चाहती है भाजपा सरकार: नाथ

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. पूर्व सीएम कमलनाथ ने कहा कि भाजपा असली मुद्दों से भटकाने वाली राजनीति करती है। इस समय देश के सामने सबसे बड़ी चुनौती बेरोजगारी है। प्रधानमंत्री ने हर साल 2 करोड़ रोजगार देने का वादा किया था, लेकिन रोजगार के अवसर बढ़ने के बजाय घटते जा रहे हैं। जो भर्तियां निकलती भी हैं, उनकी प्रतियोगी परीक्षाएं घोटालों का शिकार हो जाती हैं। प्रतियोगी परीक्षा में हो रहा भ्रष्टाचार और पेपर लीक नया उद्योग बन गया है। नीट परीक्षा में हुआ फर्जीवाड़ा इसका सबसे बड़ा उदाहरण है। इसके अलावा महंगाई से आम आदमी परेशान है। भ्रष्टाचार चरम पर है।

देश की संसद में जनता से जुड़े इन सब विषयों पर सबसे पहले चर्चा होनी चाहिए। लेकिन भाजपा की सरकार लोकसभा और राज्यसभा में विपक्ष के नेता तक को बोलते नहीं दे रही। महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जैसे बुनियादी मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाकर भाजपा लोकतंत्र के साथ आपराधिक साजिश कर रही है।

सदन की पूरी कार्यवाही का हो सीधा प्रसारण

भोपाल @ पत्रिका. नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि सदन की पूरी कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाए। सभी सदस्यों को क्षेत्र की जनता देखना और सुनना चाहती है। अनुरोध है कि कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाए अन्यथा किसी भी तरह के सीधे प्रसारण पर पूरी तरह से रोक लगाई जाए। बजट सत्र के दौरान सीएम एवं वित्त मंत्री के भाषण का भी लाइव प्रसारण वर्जित हो। सदन में कैमरा या रिकॉर्डर को ले जाना प्रतिबंधित किया जाए।

उमा बोलीं- हर रामभक्त भाजपा को वोट देगा, यह अहंकार न पालें

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

शिवपुरी. पूर्व सीएम उमा भारती शनिवार को ग्वालियर से भोपाल जाने के दौरान शिवपुरी बायपास पर कुछ देर रुकीं। मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा कि हर रामभक्त भाजपा को वोट देगा, यह अहंकार नहीं पालना चाहिए।

मीडिया ने पूछा कि सीटें कम होने के पीछे कहा जा रहा है कि भाजपा अहंकारी हो गई? इस पर उमा ने कहा कि ऐसा नहीं है। प्रधानमंत्री ने खुद को जनता का प्रधान सेवक कहा, हम सभी एक ही परिवार हैं। सीटें कम हुई हैं, इसकी पार्टी स्तर पर समीक्षा चल रही है। उत्तरप्रदेश में सीटें गंवाने पर उमा बोलीं कि हर रामभक्त भाजपा को वोट देगा, ऐसा अहंकार हमें नहीं पालना चाहिए। सामाजिक व धार्मिक व्यवस्था अलग-अलग हैं। एक नहीं कर सकते।

राज्य के बजट में किए जा रहे हैं विशेष प्रावधान

बहनें बनी रहेंगी लाड़ली, किसान और युवाओं पर भी फोकस

पत्रिका पहल
कैसा हो नई सरकार का पहला बजट

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

भोपाल. राज्य के बजट को अंतिम रूप देने में जुटी सरकार में बहनें लाड़ली ही रहेंगी। इसके लिए बजट में विशेष प्रावधान किया जा रहा है। इससे जाहिर है कि लाड़ली बहनों के खाते में प्रतिमाह 1250 रुपए आते रहेंगे। खजाने की माली हालत अच्छी होने पर इसमें इजाफा भी हो सकता है। वहीं युवाओं को स्वरोजगार की चिंता भी सरकार को है। रोजगार से जुड़ी योजनाओं पर सरकार ने फोकस किया है।

पिछले वित्तीय वर्ष की तुलना में इस बार बजट का आकार बढ़कर करीब 3.50 लाख करोड़ का होगा। लाड़ली बहनों के लिए करीब 15000 करोड़ का प्रावधान किया जा रहा है। विधानसभा और लोकसभा चुनाव में लाड़ली बहनों ने भाजपा सरकार पर भरोसा जताया, इसलिए सरकार भी उन्हें निराश नहीं करेगी। बजट में राशि का प्रावधान होने से तय है कि योजना 2025 तक चलती रहेगी। जनवरी 2024 से अब तक 1.29 करोड़ महिलाओं के खाते में 9 हजार 455 करोड़ रुपए डाले जा चुके हैं।

चुनावी वादों को पूरा करने का प्रयास

विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने जनता से कई वादे किए थे। अब बजट में पूरा करने की चिंता भी दिख रही है। खजाने की खराब माली हालत के बावजूद इन्हें पूरा करने का प्रयास है। खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए किसानों को उपकरणों की खरीदी में सब्सिडी दी जा रही है। मिट्टी परीक्षण प्रयोगशालाओं को युवा उद्यमियों और सहकारी संस्थाओं को देने का निर्णय लिया गया है। इसका फायदा किसानो को पैदावार बढ़ाने में होगा।

यह भी खास

- उज्जवला योजना में तीन चरणों में 88.90 लाख से अधिक मुफ्त गैस कनेक्शन दिए जा चुके हैं। 45.89 लाख बहनों को 450 रुपए में गैस सिलेंडर की रीफिलिंग की गई।
- युवा नौकरी देने वाले बनें इसलिए स्वरोजगार पर फोकस है। अभी सात लाख युवाओं को 5 हजार करोड़ का स्वरोजगार ऋण वितरित हुआ। सीएम सीखो कमाओ योजना में 8 हजार ट्रेनी को 6 करोड़ 60 रुपए स्टायपेंड मिला है।
- प्रदेश में निवेश बढ़ाने के लिए नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए गए। लैण्ड बैंक भी तैयार है।
- इंदौर में 350 करोड़ से एलिवेटेड कॉरिडोर बन रहा है। भोपाल, देवास, ग्वालियर, जबलपुर में भी काम चालू करने की तैयारी है।
- स्वास्थ्य संस्थाओं में 46491 नए पदों (नियमित/संविदा/आउटसोर्स) को स्वीकृत किया गया है। इनमें से 18653 पदों पर तीन वित्तीय वर्ष में भर्ती होना है। शेष पद आगामी वित्तीय वर्षों में भरे जाएंगे। इन पदों पर 343 करोड़ 29 लाख की स्वीकृति मिल चुकी है।
- प्रदेश में पीएम उत्कृष्टता कॉलेजों की स्थापना। 55 सरकारी कॉलेजों को 485 करोड़ का प्रावधान।

प्रभात झा की तबीयत खराब, दिल्ली के लिए एयरलिफ्ट

भोपाल @ पत्रिका. भाजपा के वरिष्ठ नेता प्रभात झा से शनिवार सीएम डॉ. मोहन यादव ने अस्पताल पहुंचकर मुलाकात की। झा कुछ दिन से अस्वस्थ्य चल रहे हैं। इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। स्वास्थ्य में सुधार न होने पर उन्हें भोपाल से एयरलिफ्ट कर दिल्ली ले जाया गया। उन्हें गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

इससे पहले भोपाल के निजी अस्पताल पहुंचे सीएम ने डॉक्टरों से जानकारी ली। झा के परिवार के सदस्यों से भी मिले।

न्यूज ब्रीफ

अंबिकापुर

प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

अंबिकापुर @ पत्रिका. 100 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन के साथ गांधीनगर पुलिस ने दो आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई कर जेल दखिल कर दिया है। जानकारी के अनुसार 28 जून को गांधीनगर पुलिस पेट्रोलिंग पर निकली थी। मुखबिर से पुलिस को जानकारी मिली कि दो संदिग्ध युवक झोले में नशीले इंजेक्शन रखकर बेचने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर दोनों संदेहियों को हिरासत में लेकर झोले की तलाशी ली तो 100 नग प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शन पाए गए जिसे पुलिस ने जब्त किया है। जब्त नशीले इंजेक्शन की कीमत 50 हजार रुपए बताई जा रही है। मामले में पुलिस ने आरोपी सूरज उर्फ रोहित दोहरे (23) निवासी गंगापुर नालापारा थाना गांधीनगर, रोहित मालाकार (20) निवासी भट्ठापारा थाना कोतवाली अम्बिकापुर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 22 (सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई कर जेल दाखिल कर दिया है।

2 ट्रकों में भिड़ंत, क्लीनर की मौत

राजपुर @ पत्रिका. अंबिकापुर-रामानुजगंज मार्ग पर राजपुर थाना क्षेत्र के पूर्णिमा पार्क गेउर नदी के पास शनिवार की सुबह दो ट्रकों में आमने-सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में एक ट्रक के क्लीनर की मौत हो गई । ट्रक चालक की रिपोर्ट पर राजपुर पुलिस ने दूसरे ट्रक ड्राइवर के खिलाफ अपराध दर्ज कर लिया है। छत्तीसगढ़ के बलौदा बाजार से क्लिंकर भरकर ट्रक बिहार के औरंगाबाद जा रहा था।

एनएचएआई की कार्रवाई: 15 दिन में संतोषजनक जवाब नहीं देने पर कंपनियां होंगी ब्लैकलिस्टेड

घटिया सरिया खपाने वाली 11 कंपनियों को नोटिस, इनमें छत्तीसगढ़ की चार

भारतमाला परियोजना में सप्लाई करनी थी उच्च गुणवत्ता वाली सरिया

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने भारतमाला परियोजना में गुणवत्ताविहीन सरिया का आपूर्ति करने वाले छत्तीसगढ़ सहित देशभर की 11 कंपनियों को नोटिस जारी किया गया है। इसमें छत्तीसगढ़ श्री बजरंग पावर एंड इस्पात (गोयल टीएमटी) हीरा स्टील (कोर टीएमटी) नाकोड़ा टीएमटी और एमएसपी स्टील सहित देशभर के अन्य राज्यों की 7 कंपनियों का नाम शामिल है।

21 जून को जारी किए गए नोटिस का 15 दिन में जवाब देने कहा गया है। इसमें कहा गया है कि गुणवत्ताहीन मटेरियल सप्लाई करने पर क्यों न आपके फर्म को सप्लाई के मिले अधिकार को सस्पेंड कर दिया जाए। निर्धारित समय पर संतोषजनक जवाब नहीं देने पर निविदा निरस्त कर कार्रवाई करने की चेतावनी दी गई है।

थर्ड पार्टी टेस्ट में फेल हुए नमूने

बताया जाता है कि छत्तीसगढ़ की स्टील एवं सरिया बनाने वाली कंपनियों को मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक में बनाई जाने वाली सड़कों के लिए स्टील की आपूर्ति करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। उक्त सभी कंपनियों को भारतमाला परियोजना में कंपनियां मानकों के अनुसार कच्चा माल सप्लाई करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। साथ ही कोटेशन मंगवाए गए थे। इसकी जांच और आपूर्ति किए जाने वाले सामानों का लैब टेस्ट करने के बाद सरिया या अन्य स्टील प्रोडक्ट को अनुमति दी गई थी। लेकिन, निर्माण कार्य के दौरान मटेरियल के सैंपल थर्ड पार्टी टेस्ट में फेल हो गए थे।

प्रदेश की इन कंपनियों को मिला है ठेका

1. **श्री बजरंग** पॉवर एंड इस्पात कंपनी को महाराष्ट्र में सिक्स लेन रोड टीएमटी सप्लाई
2. **हीरा स्टील** को मध्यप्रदेश में एनएच 146 में टीएमटी सप्लाई
3. **नाकोड़ा इस्पात** को तमिलनाडु के एनएच 45 सी के निर्माण के लिए टीएमटी बार सप्लाई
4. **रायगढ़** की एमएसपी स्टील को कर्नाटक में एनएच 169 के तहत भारतमाला प्रोजेक्ट के लिए टीएमटी सप्लाई का काम मिला था

क्वॉलिटी कंट्रोल विंग ने पकड़ी गड़बड़ी

केंद्रीय सड़क परिवहन विभाग के क्वॉलिटी कंट्रोल विंग ने निर्माण कार्यस्थल पर जाकर जांच की। इस दौरान पूरे मामले की जानकारी हुई। बताया जाता है कि विभाग के निर्देश पर एनएचएआई ने सप्लायर टीएमटी निर्माता कंपनियों को ब्लैक लिस्ट करने की तैयारी शुरू कर दी है। बता दें कि छत्तीसगढ़ की चारों स्टील कंपनियां पिछले काफी समय से टीएमटी सरिया और स्टील का उत्पादन करती आ रही हैं। चारों की ब्राडेंड कंपनियों के सरिया की बिक्री देशभर में होती है। बताया जाता है कि गड़बड़ी पकड़े जाने के बाद उक्त सभी कंपनियों की आपूर्ति आगामी आदेश तक रोक दी गई है।

शिकंजा 3 दिनों में करीब दो दर्जन ठिकानों पर ताबड़तोड़ छापे

बस्तर में एनआईए एक्शन मोड में, नक्सल समर्थकों में हड़कंप

11 लोग गिरफ्तार, करीब साढ़े दस लाख की नकद राशि भी जब्त

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

जगदलपुर. बस्तर में नक्सलियों के खिलाफ केंद्र और राज्य सरकार ने चौतरफा मोर्चा खोल दिया है। एक ओर सुरक्षाबल नक्सली कैंपों को निशाना बना रहे है और पिछले 6 महीनों में 138 नक्सलियों को मार गिराया है। वहीं दूसरी ओर नक्सल अपराधों के खिलाफ एनआईए ताबड़तोड़ छापे मार रही है।

पिछले तीन दिनों में एनआईए ने बस्तर के करीब दो दर्जन से अधिक ठिकानों पर छापामार कर 11 लोगों को गिरफ्तार किया है। साथ ही कई मोबाइल, लैपटॉप और अन्य सामग्री के अलावा करीब साढ़े 10 लाख की नकदी भी जब्त की है। एनआईए ने बस्तर में पहली बार लगातार कार्रवाई की है, जिससे नक्सल समर्थकों में हड़कंप मच गया है।

गोपनीय सैनिक की हत्या के मामले में 4 नक्सली गिरफ्तार

30 दिसंबर 2023 को बीजापुर में तैनात गोपनीय सैनिक कुरसम उर्फ गुड्डू को अगवा कर उसकी हत्या करने वाले चार नक्सलियों को बुधवार को एनआईए ने को हिरासत में लिया है। इनमें नाबालिग भी शामिल है। बताया जा रहा है कि नक्सली कुरसम को पुलिस का मुखबिर मानते थे। इसी नाराजगी में उन्होंने पहले उसे चेतावनी दी और इसके बाद हत्या कर दी। इसी मामले में एनआईए ने इन चारों को हिरासत में लेकर रिमांड पर लेने न्यायालय पहुंची है। इन चारों पर एनआईए ने फरवरी 24 में प्रकरण दर्ज किया था। बताया जा रहा है कि यह चारों लंबे समय से प्रतिबंधित नक्सल संगठन के सक्रिय कार्यकर्ता रहे हैं। इन पर पुलिस पार्टी पर हमला करने, आईईडी प्लांट करने, पर्चा फेंकने सहित अन्य दहशत फैलाने का काम करने का भी आरोप है। इससे पहले नारायणपुर जिले में भी एनआईए टीम ने छापामारी कर दो लोगों को गिरफ्तार किया था और करीब पौने दस लाख नकद जब्त किए थे।। इन पर वहां के एक भाजपा पदाधिकारी की चुनाव के दौरान हत्या करने का आरोप है।

5 ड्रोन सप्लायर तेलंगाना से गिरफ्तार

बीजापुर जिले की सीमा से लगे चेरला से नक्सलियों के पांच अर्बन नक्सलियों को एनआईए ने हिरासत में लिया है। उन पर नक्सलियों को लेथ मशीन,ड्रोन,और विस्फोटक सप्लाई का आरोप है। कुछ समय पूर्व विनय नामक युवक की निशानदेही पर पांच लोगों को हिरासत में लिया गया है। इनमें एक मेडिकल शॉप ओनर,फेब्रिकेटर,किसान और दो अन्य लोग शामिल हैं।

कांकेर जिले में तीन गांवों में दबिश

एनआईए ने कांकेर जिले के तीन गांव में दर्जनभर लोगों के यहां दबिश देकर 11 लोगों से पूछताछ कर कई आपत्तिजनक सामग्री और लगभग चालीस हजार नकद राशि जब्त की है। एनआईए ने बयान जारी कर बताया है कि नक्सली मामलों में कांकेर जिले के आमाबेड़ा, मुंजालगोंदी, जीवलामारी में छापे की कार्रवाई की गई है।

नई पहल : केंद्र सरकार से हरी झंडी, अब फंड का इंतजार

रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर और कोरबा में दौड़ेंगी इलेक्ट्रिक बसें

पीएम ई-बस सेवा से शहरों में कम कार्बन उत्सर्जन से वायु गुणवत्ता में होगा सुधार

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

रायपुर. प्रदेश के चार प्रमुख शहरों-रायपुर, दुर्ग-भिलाई, बिलासपुर और कोरबा को पीएम ई बस सेवा योजना के तहत इलेक्ट्रिक बसों को चलाने की योजना है। केंद्र सरकार ने मंजूरी भी दे दी है।लेकिन अभी तक केंद्र सरकार से फंड नहीं मिलने के कारण इलेक्ट्रॉनिक बसें चलाने की योजना परवान नहीं चढ़ पा रही हैं। फाइल परिवहन विभाग में पड़ी हुई।

वहीं, वित्त विभाग भी केंद्र सरकार से फंड मिलने के बाद ही इलेक्ट्रिक बसें खरीदी और इंफ्रा स्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए फंड जारी करने की बात विभाग से कह रहा है। उक्त प्रमुख शहरों में ई-बस सेवा शुरू होने से शहरों में कम कार्बन उत्सर्जन से वायु गुणवत्ता में सुधार होगा। साथ ही पर्यावरणीय संरक्षण के साथ-साथ कम ऊर्जा खपत और बेहतर ईंधन दक्षता एवं आरामदायक सुखद यात्रा अनुभव प्राप्त होगा।

बसों की खरीदी और संचालन एजेंसी केंद्र सरकार तय करेगी

योजना के दिशा-निर्देशों के अनुसार बसों का क्रय तथा संचालन एजेंसी का चयन केंद्र सरकार द्वारा किया जाएगा और केंद्रीय सहायता सुनिश्चित किलोमीटर संचालन के लिहाज से दी जाएगी और अगर बसें इससे कम किलोमीटर चलती हैं तो केंद्रीय सहायता उसी के अनुपात में कम हो जाएगी। केंद्र सरकार द्वारा शहरों के प्रदर्शन के आधार पर पैसा दिया जाएगा।

14 मार्च को मिल चुकी है 240 ई-बसों की स्वीकृति

शहरों को जनसंख्या के आधार पर चार श्रेणियों में बांटा गया है। बीस से चालीस लाख तक की आबादी वाले शहरों को 150, दस से बीस लाख तथा पांच से दस लाख तक की आबादी वाले शहरों को 100-100 और पांच लाख से कम आबादी वाले शहरों को 50 ई-बसों की पात्रता थी, जिसके आधार पर रायपुर को 100 मीडियम ई-बस, दुर्ग भिलाई को 50 मीडियम ई-बस, बिलासपुर को 35 मीडियम तथा 15 मिनी ई-बस और कोरबा को 20 मीडियम तथा 20 मिनी ई-बसों की स्वीकृति प्राप्त हुई हैं।

> पीएम ई बस सेवा योजना के तहत प्रदेश के चार प्रमुख शहरों में इलेक्ट्रिक बसें चलाने का प्लान है। केंद्र से इसकी स्वीकृति भी मिल चुकी है। बसों के लिए इंफ्रा स्ट्रक्चर डेवलपमेंट करने के लिए अभी वित्त विभाग से राशि मंजूरी नहीं हुई। राशि मंजूरी होते ही इंफ्रा स्ट्रक्चर डेवलप मेंट किया जाएगा। **- एस. प्रकाश,** सचिव, परिवहन विभाग

हाईकोर्ट : कहा-बिना प्रक्रिया रिटायरमेंट के बाद की जा रही वसूली गलत

रिटायर्ड एसआई के विरुद्ध वसूली आदेश निरस्त, 6 प्रतिशत ब्याज के साथ राशि वापस करने के निर्देश

पत्रिका कोर्ट न्यूज

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

बिलासपुर. हाईकोर्ट ने एक मामले में रिटायरमेंट के बाद पुलिसकर्मी से की गई वेतन वसूली को निरस्त किया है। कोर्ट ने कहा कि सेवाकाल के दौरान किए गए भुगतान को रिटायर होने के बाद वापस नहीं लिया जा सकता।

कोर्ट ने निर्देशित किया है कि याचिकाकर्ता से वसूल की गई राशि 6 प्रतिशत ब्याज के साथ वापस की जाए। उसलापुर निवासी मरियानुस टोप्पो 11वीं बटालियन, जांजगीर-चाम्पा में सब इन्सपेक्टर (मोटर ट्रेनिंग) के पद पर पदस्थ थे। 30 अप्रैल 2018 को 62 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर उन्हें सेवानिवृत्त कर दिया गया। सेवानिवृत्ति के पश्चात सेनानी 11वीं बटालियन, जांजगीर चाम्पा द्वारा टोप्पो के विरुद्ध वसूली आदेश जारी किया गया। आदेश में कहा गया था कि उसे सेवाकाल के दौरान त्रुटिपूर्ण ढंग से वेतनवृद्धि किये जाने से अधिक वेतन का भुगतान किया गया है। वसूली आदेश के खिलाफ मरियानुस ने अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं दुर्गा मेहर के माध्यम से हाईकोर्ट में याचिका दायर की। अधिवक्ता अभिषेक पाण्डेय एवं दुर्गा मेहर द्वारा हाईकोर्ट के समक्ष यह तर्क प्रस्तुत किया गया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा ऐसे ही कई मामलों में यह निर्णय दिया गया है कि किसी भी तृतीय श्रेणी कर्मचारी, सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) कर्मचारी को यदि सेवाकाल के दौरान त्रुटिपूर्ण ढंग से वेतन का भुगतान कर दिया गया है तो उस कर्मचारी की सेवानिवृत्ति के पश्चात किसी भी प्रकार की वसूली नहीं की जा सकती।

याचिकाकर्ता को नहीं दिया सुनवाई का अवसर

इसके साथ ही याचिकाकर्ता को कारण बताओ नोटिस जारी कर सुनवाई का अवसर भी नहीं दिया गया। हाईकोर्ट द्वारा उक्त रिट याचिका की सुनवाई के पश्चात सुप्रीम कोर्ट द्वारा पारित न्याय दृष्टांतों के आधार पर याचिकाकर्ता के विरुद्ध जारी वसूली आदेश को निरस्त कर दिया। साथ ही उपपुलिस महानिरीक्षक (डीआईजीपी) छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल एवं सेनानी 11 वीं बटालियन, जांजगीर चाम्पा को यह निर्देशित किया गया कि वे याचिकाकर्ता से वसूल की गई राशि 6 प्रतिशत ब्याज के साथ वापस करें।

बेखौफ : साप्ताहिक बाजार से जेवरों की उठाईगीरी

एसयूवी का शीशा तोड़कर 10 लाख के जेवर पार

पत्रिका ब्यूरो @ जांजगीर-नवागढ़. नवागढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम सेमरा के साप्ताहिक बाजार से शनिवार की शाम लाखों के चांदी के जेवर की उठाईगीरी का मामला सामने आया है। वारदात को अंजाम देने वाले युवक बाइक में आए और एसयूवी का शीशा तोड़कर चांदी के तकरीबन 10 किलो के जेवर पार कर दिए। नवागढ़ पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस के मुताबिक ग्राम सेमरा में शनिवार को साप्ताहिक बाजार था। बाजार में क्षेत्र के सोने-चांदी के जेवर की दुकान लगाने वाले व्यवसायी भी पहुंचते हैं। हर बार की तरह सेमरा के साप्ताहिक बाजार में शनिवार को चांपा का व्यवसायी राजू सोनी अपनी एसयूवी से चांदी के जेवर लेकर पहुंचा था। व्यवसायी इस दौरान वाहन से उतरा और अपनी दुकान लगाने की तैयारी में था।

इसी दौरान बाइक में सवार दो युवक अपने सिर में स्कार्फ बांधे हुए थे। उन्होंने कार का शीशा तोड़कर बोलेरो में रखे जेवर को लेकर भाग निकले। घटना की सूचना पुलिस को मिली।

नवागढ़ टीआई भास्कर शर्मा मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। जांच के दौरान आसपास के सीसीटीवी फुटेज को खंगाल रही है। फिलहाल अज्ञात चोरों के खिलाफ धारा 379 के तहत जुर्म दर्ज किया है।

लुटेरों के हाथ नहीं लगे सोने के जेवर

पुलिस के अनुसार व्यवसायी ने चांदी के तकरीबन 10-11 किलो के जेवरों को एक थैले में ही रखा था। वहीं सोने के जेवरों को सुरक्षित जगह पर रखा था। वारदात को अंजाम देने वाले युवकों ने केवल चांदी के जेवरों को लूट पाए। लूट हुए जेवरों की कीमत तकरीबन 9 से 10 लाख रुपए बताई जा रही है।

> व्यवसायी से जेवरों की उठाईगीरी हुई है। जेवर की अनुमानित कीमतों का आकलन किया जा रहा है। मामले की जांच के लिए आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रहे हैं। **-भास्कर शर्मा,** टीआई, नवागढ़

वाड्रफनगर : डॉक्टरों ने 2 घंटे तक ऑपरेशन कर निकाला तीर

मामूली विवाद में पिता ने बेटे के सीने में मारा तीर, हालत नाजुक

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

अंबिकापुर. बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर इलाके में बुधवार की शाम मामूली बात पर पिता-पुत्र भिड़ गए। इस दौरान शराब के नशे में धुत पिता ने तीर-धनुष से बेटे पर हमला कर दिया। तीर सीधे बेटे के सीने में घुस गया। तीर लगते ही बेटा मूर्छित होकर जमीन पर गिर गया। सीने में धंसे तीर के साथ परिजन उसे स्थानीय अस्पताल ले गए, जहां उसकी गंभीर हालत को देखते हुए डॉक्टरों ने उसे मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर कर दिया। अस्पताल में डॉक्टरों ने 2 घंटे के ऑपरेशन के बाद तीर को बाहर निकाला। इसके बाद भी युवक की स्थिति नाजुक बनी हुई है। चिकित्सकों का कहना है, 3 लगभग 5 इंच तक युवक के सीने में धंसा हुआ था। जख्म काफी अंदर तक हो गया था, इसलिए उसकी स्थिति अभी भी नाजुक है। उसे डॉक्टरों की विशेष निगरानी में आईसीयू में रखा गया है। जानकारी के मुताबिक अर्जुन लाल (25) पिता रतन लाल बलरामपुर जिले के वाड्रफनगर थाना क्षेत्र का रहने वाला है। अस्पताल में जीवन और मौत से जूझ रहे बेटे की देखभाल के लिए मां साथ आई है। एफआईआर को लेकर पूछे जाने पर उसने कहा कि बेटा व पति दोनों ही मेरे हैं। अब यहां से स्वस्थ होकर अगर घर जाते हैं तो आगे की कार्रवाई के लिए सोचेंगे।

बिना तीर निकाले परिजन ले गए अस्पताल

तीर लगने से गंभीर रूप से घायल युवक को इलाज के लिए परिजन वाड्रफनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले गए। यहां डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देख मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर के लिए रेफर कर दिया। फिर परिजन उसी हालत में उसे लेकर अंबिकापुर पहुंचे।

> पिता द्वारा बेटे को तीर से मारने की घटना अभी तक मेरे संज्ञान में नहीं आई है। अगर मामले में कोई शिकायत या एफआईआर कराता है तो कार्रवाई की जाएगी। - **-डाकेश्वर सिंह,** चौकी प्रभारी वाड्रफनगर

ऐसे हुआ विवाद : अर्जुन बीते बुधवार की शाम को अपने भाई के साथ काम करने बनारस जाने वाला था। इससे पूर्व अर्जुन ने पिता से कहा कि आप भी काम करने चलो। पिता शराब के नशे में था। बेटे द्वारा काम करने जाने की बात कहना उसे अच्छा नहीं लगा और गाली-गलौज शुरु कर दिया। उसने कहा कि हमसे बुजुर्ग अवस्था में भी काम कराओगे। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया और मारपीट करने लगे। घर वालों द्वारा बीच-बचाव करने के बाद मामला शांत हुआ। इसके बाद अर्जुन अपने भाई के साथ बाइक से बनारस जाने के लिए घर से निकल ही रहा था कि पिता ने उस पर तीर से हमला कर दिया।

उपलब्धि: चिनाब नदी पर बने पुल में सेल-बीएसपी ने 16 हजार टन लोहे की आपूर्ति की

भिलाई का 'लोहा' मनवा रहा चिनाब नदी का पुल

पत्रिका ब्यूरो
patrika.com

भिलाई. जम्मू-कश्मीर में दुनिया का सबसे ऊंचा रेलवे पुल बना है। भिलाई इस्पात संयंत्र सहित सेल के अन्य इस्पात संयंत्रों ने इस पुल के निर्माण के लिए 16,000 टन स्टील की आपूर्ति की है। इसमें प्लेट्स, टीएमटी बार और स्ट्रक्चर शामिल हैं। सेल के इस्पात संयंत्रों ने दुनिया के सबसे ऊंचे रेलवे पुल में प्रयोग के लिए 6690 टन टीएमटी उत्पाद, 1793 टन स्ट्रक्चरल स्टील और 7511 टन स्टील प्लेट्स, हॉट स्ट्रिप मिल प्रोडक्ट और चेकर्ड प्लेटों सहित कुल 16,000 टन इस्पात की आपूर्ति की है। आपूर्ति किए गए इस्पात में से भिलाई इस्पात संयंत्र ने 5922 टन टीएमटी स्टील, 6454 टन प्लेट्स और 56 टन स्ट्रक्चरल स्टील सहित कुल 12,432 टन इस्पात की आपूर्ति की है। सेल के बर्नपुर स्थित इस्को स्टील प्लांट, दुर्गापुर स्टील प्लांट, राउरकेला स्टील प्लांट और बोकारो स्टील लिमिटेड ने भी स्टील की आपूर्ति की है।

इन प्रोजेक्ट में भी योगदन : भिलाई द्वारा उत्पादित स्टील का उपयोग बांद्रा-वर्ली सी-लिंक के साथ ही मुंबई में अटल सेतु, अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग, हिमाचल प्रदेश में अटल सुरंग और राष्ट्रीय महत्व की कई अन्य प्रोजेक्ट्स के निर्माण में किया गया है। भारतीय नौसेना के विमानवाहक पोत, अ I इ ं ए न ए स विक्रांत और अन्य युद्धपोतों के निर्माण में भी सेल-भिलाई द्वारा उत्पादित स्टील का उपयोग किया गया है। बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए सेल-बीएसपी द्वारा बड़ी मात्रा में टीएमटी बार्स की आपूर्ति की गई है। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने देश की राजधानी में निर्मित सेंट्रल विस्टा परियोजना में उपयोग के लिए भी टीएमटी उत्पादों की आपूर्ति की है।

चिनाब नदी पुल को जानें

- पुल नदी तल से 359 मीटर की ऊंचाई पर है।
- 1.3 किलोमीटर लंबा यह पुल पेरिस के एफिल टावर से 35 मीटर ऊंचा है।
- पुल के निर्माण में 29,000 मीट्रिक टन स्टील, 10 लाख क्यूबिक मीटर अर्थवर्क, 66,000 क्यूबिक मीटर से अधिक कंक्रीट तथा 84 किलोमीटर रॉक बोल्ट और केबल एंकर का प्रयोग किया गया।
- यह पुल 266 किमी प्रति घंटे हवा की तेज रफ्तार और उच्चतम तीव्रता के भूकंपीय तरंगों का सामना करने में सक्षम।
- उधमपुर-श्रीनगर-बारामुल्ला रेल लिंक परियोजना (यूएसबीआरएल) के अंतर्गत यह पुल कटरा से बनिहाल तक 111 किलोमीटर लंबे घुमावदार खंड का हिस्सा।

डॉक्टर्स डे विशेष (एक जुलाई)

चिकित्सक के पास दवा ही नहीं, हैल्दी लाइफ के मंत्र भी होते

शुक्रिया डॉक्टर... जीवन को स्वस्थ बनाने की जादुई शक्ति आपके पास...

जब हम अपनी सारी उम्मीदें खो देते हैं तब हमारे जीवन को स्वस्थ बनाने की जादुई शक्ति केवल डॉक्टर के पास ही होती है। आधे से अधिक बीमारी तो डॉक्टर के दिलासे से ही ठीक हो जाती है। डॉक्टर जब किसी का इलाज करते हैं तो सबसे पहले उसे मानसिक तौर पर मजबूत बनाने का काम करते हैं। यही नहीं दवा के साथ अपना खयाल पूरी तरह से रखने की हिदायत भी देते हैं। स्वस्थ जीवन जीने के नुस्खे देते हैं।

40 वर्ष की उम्र के बाद रक्त जांच कराएं

डॉ. वैंकट डी. नागराजन
हृदय रोग विशेषज्ञ, कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी हॉस्पिटल, मुंबई

हृदय रोग जैसी बीमारी चिंता का विषय है। पर लाइफस्टाइल मैनेजमेंट सही हो, तो गंभीर रोगों से बचा जा सकता है। कार्डियक अरेस्ट जैसी स्थिति से बचने के लिए दिल को मजबूत बनाएं और दिल तभी मजबूत होगा जब स्वस्थ जीवन की ओर कदम बढ़ाएंगे। कार्डियक अरेस्ट ऐसी स्थिति है जिसमें दिल बिना किसी चेतावनी के काम करना बंद कर देता है। यह अनियमित पैटर्न में धड़कता है। धड़कनों को चलाने वाले विद्युत संकेत ठीक से काम नहीं करते हैं।

हैल्दी टिप्स : खाने का नियत समय रखें। खाने के बाद दस मिनट तक वॉक करें। संतुलित आहार लें। फैट व कोलेस्ट्रॉल युक्त भोजन से दूर रहें। इसके साथ ही 40 की उम्र के बाद रक्त जांच अवश्य कराएं।

मोटापे से दूर रहें, वजन कम करें

प्रो.(डॉ.) उमा कुमार
हैड, रुमेटोलॉजी विभाग, एम्स, नई दिल्ली।

गठिया जोड़ों से संबंधित रोग है। इसकी वजह से सूजन, गतिशीलता में कमी और अकड़न होती है। इसके 200 प्रकार हैं। गठिया में बुखार, मुंह में छाले, थकान, शरीर पर चकत्ते, सांस फूलना, आंखों और मुंह में सूखापन हो सकता है। कुछ मामलों में, गठिया के कारण अज्ञात हैं। वैसे यह आनुवांशिकी, ऑटोइम्युनिटी, लाइफस्टाइल में बदलाव के कारण हो सकता। यह किसी भी उम्र में हो सकता है। लेकिन महिलाओं में ऑटोइम्यून आर्थराइटिस 20-50 साल की उम्र में होता है।

हैल्दी टिप्स : मोटापे से दूर रहें। यदि वजन अधिक है, तो उसे कम करें। छह-आठ घंटे की पर्याप्त नींद लें। तम्बाकू का सेवन किसी भी रूप में न करें। अपनी डाइट पर ध्यान दें।

दिन के अंत में खुद की सराहना अवश्य करें

डॉ. विनय कुमार
वर्ल्ड साइकाइट्री एसो. में दक्षिण एशिया की ओर से बोर्ड मेम्बर

स्वास्थ्य की चर्चा तो बहुत होती है, मगर यह शब्द सामने आते ही हम अक्सर शरीर के बारे में सोचने लग जाते हैं। हम भूल जाते हैं कि जीवित तो वे लोग भी रहते हैं जिनका मस्तिष्क इस तरह नष्ट हो जाता है कि सोचना, समझना, महसूस करना व बोलना असंभव हो जाता है। जीवित शरीर और मनुष्य में एक फर्क है और यह फर्क आता है मस्तिष्क की उस क्षमता व क्रियाशीलता से जिसे मन कहते हैं। ब्रेन हार्डवेयर है व मन सॉफ्टवेयर। जब शरीर बीमार होता है मन परेशान हो जाता है।

हैल्दी टिप्स : हर दिन 30 मिनट की सैर मूड को बेहतर बना सकती है। अच्छी नींद के लिए अपने शेड्यूल का पालन करें। मोबाइल से रात को दूरी बनाएं। दिन के अंत में आपने जो हासिल किया है, उसकी सराहना करें।

वेलनेस

एंजाइटी को करें छूमंतर, अपनाएं कुछ अलग तरीके

एंजाइटी के साथ जीना वाकई मुश्किल है, क्योंकि आपके अंदर की घुटन न केवल शरीर बल्कि मन को भी खराब कर रही होती है। इसलिए जरूरी है कि एंजाइटी को जितना हो सके, उतना जल्दी बाहर निकाल दिया जाए। एंजाइटी को पैनिक अटैक में न बदलने दें। अपनाएं कुछ अलग तरीके

लिखें या पढ़ें, गुनगुनाएं

अगर आप अपनी किसी हॉबी या ऐसी चीजों में मन लगाएं जो करना पसंद है तो इससे मन उन विचारों से दूर होता है, जो विचलित कर रहे होते हैं। यदि डायरी लिखते हैं, तो अपनी अच्छी बातें उसमें लिखना शुरू कर दें। अच्छी किताबें पढ़ें। यदि आपको संगीत पसंद है तो उसे सुनें या फिर गाना अच्छा लगता है, तो गीत गुनगुनाएं।

उल्टी गिनती करें

उल्टी गिनती करना भी ध्यान बंटाने का तरीका है। इससे दिमाग व्यस्त रहता। ऐसा तब तक करें, जब तक आप आराम महसूस न करें। जिस काम से बेचैनी हो रही है, उसे थोड़ी देर छोड़ दें।

डीप ब्रीदिंग करें

इसका अभ्यास करने के लिए आराम से बैठें। अपनी आंखें बंद करें और गहरी सांस लें। डीप ब्रीदिंग करते समय आप धीरे-धीरे खुद को रिलैक्स महसूस करने लगेंगे। उसके अलावा अपनी पुरानी अच्छी यादों में खो जाएं। इससे एंजाइटी से बाहर आ जाएंगे।

- **डॉ. अखिलेश जैन,** मनोरोग चिकित्सक

अपने बातें साझा करें

जो बातों से आपको बेचैनी हो रही है या जो चीजें परेशान कर रही हैं, उन्हें अपने करीबियों व दोस्तों के साथ साझा करें। इससे समस्या का हल मिलेगा।

वीमन हैल्थ : मेनोपॉज के बारे में बात करें, इसके बाद के अपने जीवन के बारे में विचार जरूरी

यह कोई रोग नहीं, प्राकृतिक प्रक्रिया है, पर इसे हल्के में न लें

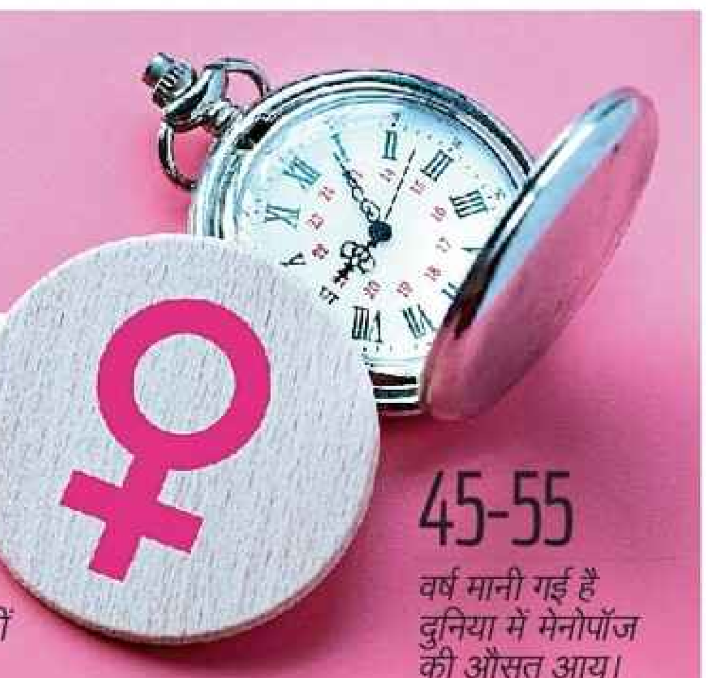

79% लोग मानते हैं कि महिलाएं अपने परिवार, दोस्तों या सहकर्मियों के साथ मेनोपॉज के बारे में चर्चा करने में सहज नहीं होती है।

35% महिलाएं मेनोपॉज से जुड़ी समस्याओं के लिए डॉक्टर के पास भी नहीं गईं। (एबॉट सर्वे)

45-55 वर्ष मानी गई है दुनिया में मेनोपॉज की औसत आयु।

10-12 महीनों तक पीरियड्स का नहीं आना मेनोपॉज यानी रजोनिवृत्ति कहलाता है। यह 45 से 55 वर्ष की उम्र वाली महिलाओं में देखने को मिलता है। मेनोपॉज यानी रजोनिवृत्ति प्राकृतिक प्रक्रिया है, मतलब यह कोई बीमारी नहीं है लेकिन मेनोपॉज के बाद महिलाओं को कई तरह की परेशानी होने लगती हैं जिससे महिलाओं की दिनचर्या प्रभावित होती है।

कई बार मेनोपॉज से महिलाओं को गंभीर समस्याएं भी हो जाती हैं। ऐसा होने पर उन्हें तुरंत डॉक्टर से बात करनी चाहिए। मेनोपॉज़ के दौरान महिलाओं को तकलीफों का सामना करना पड़ सकता है। इस दौरान उन्हें बहुत ज्यादा एहतियात बरतने की जरूरत होती हैं।

इसके लक्षण

1. **ब्रेस्ट** का मुलायम होना।
2. **वेजाइना** में सूखापन होना।
3. **चिड़चिड़ापन** और चिंता होना।
4. **नींद** पूरी न होना
5. **सामान्य** तापमान में भी गर्मी लगना।

स्किन से जुड़ी समस्याएं

रजोनिवृत्ति के बाद एस्ट्रोजन हार्मोन का स्तर कम होने पर इसका असर सीधा त्वचा पर पड़ता है। इससे त्वचा में तेल बनना बंद हो जाता है जिससे ड्राई स्किन की शिकायत होती है।

रजोनिवृत्ति से होने वाली समस्याएं

थकान होना

शरीर में अचानक होने वाले बदलाव के कारण महिलाएं पूरा दिन थका हुआ महसूस कर सकती हैं। इस समय सभी हार्मोन के स्तर जैसे कि प्रोजेस्टेरोन, एस्ट्रोजन और थायरॉइड में तेजी से बदलाव आता है।

वजन बढ़ना

मेनोपॉज के बाद वजन बढ़ना स्वाभाविक है। रजोनिवृत्ति के बाद महिलाओं में 5 किलो वजन बढ़ता है। ऐसी महिलाएं, जो शारीरिक गतिविधियां बिल्कुल नहीं करती, उनमें 15 से 20 किलो वजन बढ़ सकता है।

हॉट फ्लैशेज

इस समय हॉट फ्लैश की समस्या हो सकती है। शरीर का तापमान अचानक से बढ़ और घट जाता है। यह मेनोपॉज के बाद 10 साल तक रह सकती है। मसालेदार भोजन न खाएं। कैफीन का सेवन न करें।

बालों की समस्या

मेनोपॉज के दौरान हार्मोन में होने वाले बदलाव का असर बालों पर भी दिखता है। हार्मोन के उतार-चढ़ाव से बाल पतले हो जाते हैं झड़ने लगते हैं। रजोनिवृत्ति के बाद यह समस्या सात वर्ष से ज्यादा समय तक रह सकती है।

हड्डियां कमजोर होना

रजोनिवृत्ति के बाद एस्ट्रोजन में कमी से ऑस्टियोब्लास्ट कोशिकाएं बुरी तरह से प्रभावित होती हैं जिससे हड्डियां कमजोर होने लगती हैं। मेनोपॉज के दौरान ऑस्टियोपोरोसिस होने का खतरा बढ़ जाता है।

नींद कम होना

मेनोपॉज में शरीर की एनर्जी कम होती है। एस्ट्रोजन और प्रोजेस्टेरोन में भी उतार-चढ़ाव होने लगता है। इस समय तीन तरह से नींद प्रभावित होती।

1. **मेनोपॉज मूड डिसऑर्डर** नींद नहीं आती है।
2. **स्लीप डिसऑर्डर ब्रीदिंग** रात भर तेज खर्राटे आते हैं
3. **फाइब्रोमाइल्जी -** काफी दिनों तक नींद न आने से थकान, मसल्स में दर्द रहता।

इस तरह करनी चाहिए खुद की देखभाल

मेनोपॉज में दवाओं का सेवन करना ठीक नहीं है। लेकिन लक्षण बढ़ जाने पर सामान्य दवाएं जैसे सिरदर्द, बुखार की दवा का सेवन कर सकती हैं। बहुत परेशानी होने पर डॉक्टर की सलाह अवश्य लेनी चाहिए। रजोनिवृत्ति पर बात होनी चाहिए।

- **संतुलित खानपान अपनाएं :** हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करें। उन्हें उबालकर खाएं। खट्टे, मीठे और नमकीन पदार्थ कम खाएं। फाइबर युक्त डाइट लें। नॉनवेज, प्रोसेस्ड व तली-भुनी चीजें न खाएं।
- **कैल्शियम लें :** मेनोपॉज के दौरान शरीर में कैल्शियम की मात्रा में भारी गिरावट देखने को मिलती है। अगर आहार से पर्याप्त मात्रा में कैल्शियम नहीं मिल पा रहा है, तो कैल्शियम के सप्लीमेंट्स भी ले सकती हैं। डॉक्टर से पूछे बिना सप्लीमेंट्स न लें।
- **योग - व्यायाम :** रोजाना आधा घंटा एरोबिक एक्सरसाइज करें। व्यायाम से मांसपेशियां, हड्डियां और त्वचा मजबूत होती है। रोजाना सुबह खुली हवा में टहलें। अनुलोम-विलोम, भ्रामरी, कपाल भाति जैसे प्राणायाम करें।
- **डॉक्टरी परामर्श :** अगर ये सब करने के बाद भी आराम नहीं मिलता है तो आपको डॉक्टर से सलाह लें।

- **डॉ. मेघा शांडिल्य शास्त्री,** स्त्री रोग विशेषज्ञ

एक्सपर्ट ब्लॉग... पिछले दिनों सडन सेंसरी न्यूरोनल हियरिंग लॉस बेहद चर्चा में रहा। क्योंकि इसमें अचानक सुनाई देना बंद हो जाता है। इसके बारे में बता रहे हैं ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. शुभकाम आर्य

...जब एकाएक लगे कि सुनना बंद हो गया

अगर आप अभी तो बिल्कुल ठीक सुन रहे हो और एकदम से अचानक सुनना बंद हो जाए, या रात को सोते समय तो ठीक सुन रहे थे लेकिन सुबह उठते ही सुनना बंद हो जाए तो इसे गंभीरता से लें। यह सडन सेंसरी न्यूरोनल हियरिंग लॉस हो सकता है, जो एक इमरजेंसी स्थिति है, ठीक उसी तरह जैसे एकदम से दिखना बंद हो जाए।

बहरापन रह सकता : इलाज में देरी से बहरापन स्थाई रह सकता है। कान के अन्य रोगों में सुनाई क्षमता धीरे-धीरे क्षीण होती है। यहां बात अचानक सुनना बंद होने की है।

लक्षण : अचानक श्रवण शक्ति क्षीण हो जाना। बहरेपन के साथ चक्कर व सीटी की आवाज आना (टिनीटस) लक्षण भी हो सकते हैं।

ये हैं कारण

- सुनने में सहायक आठवी क्रेनियल नर्व का वायरल इंफेक्शन इसका एक मुख्य कारण है, जिससे सूजन से नस पर दबाव पड़ने से इसका कार्य बाधित हो जाता है। वैसे ज्यादातर लोगो में इसका स्पस्ट कारण पता नही चल पाता जिसे ऑडियोपेथिक कहते है। केवल 15 प्रतिशत मामलों में ही कारण स्पष्ट होता है। यह समस्या बहुधा 40 से 50 वर्ष में होती है।
- कान में चोट लगने, वेक्स फूलने से भी ऐसा हो सकता है।
- बहुत अधिक तेज शोर की वजह से भी कान से सुनना अचानक कम हो सकता है ।

यह है इलाज

कान की हियरिंग जांच यानी ऑडियोमेट्री की जाती है। कई बार एमआरआइ भी कराई जाती है। नर्व की सूजन को तुरन्त कम करने के लिए स्टिरॉइड दवाएं दी जाती हैं। कई बार एंटीवायरल दवा भी देते है। कुछ में हाइपरबेरिक आक्सीजन थेरेपी भी सहायक हो सकती है। जहां कई लोगों में हियरिंग कुछ दिनो में ठीक हो जाती है। वही कुछ में बहरापन स्थाई रह सकता है। साथ में चक्कर आने, सुनाई बहुत ज्यादा कम होने, मरीज की उम्र ज्यादा या इलाज देरी से होने पर हियरिंग सुधरने की संभावना कम रहती है।

योग विज्ञान: सीरीज-21 डायबिटीज के रोगियों के लिए यह आसन फायदेमंद, इसकी अवधि बढ़ाने पर ज्यादा लाभ मिलता

पैन्क्रियाज को एक्टिव और रिलैक्स करता 'उर्ध्व पाद श्वसन'

अतुल व्यास
सेलिब्रिटी योग प्रशिक्षक
patrika.com

वैज्ञानिक ओमरॉन ने मधुमेह को एक लाइफस्टाइल डिजीज बताया। यह आधुनिक समय में एक महामारी बन गई है। ऐतिहासिक रूप से इस बीमारी के लक्षण 1500 बीसी में मिस्र में पाए गए। 600-400 बीसी में आयुर्वेदिक डॉक्टर चरक व सुश्रुत ने इसको प्रमेह और मधुमेह नाम दिया। ऐरिटस की ओर से दूसरी सदी में इसको डायबिटीज का नाम दिया गया। वहीं, वैज्ञानिक बेंटिंग और बेस्ट ने 1921 में पैन्क्रियाज से इंसुलिन निकाला।

योग शास्त्र में डायबिटीज, उच्च रक्तचाप, अस्थमा, एंजाइटी को आधिजा व्याधि कहते हैं। इन्हें तनाव से उत्पन्न हुई बीमारियां मानते हैं। यह हमारे उन एक्शन या कर्म से पैदा होता हैं जिनका आधार भावुकता होती है। जैसे पसंद-नापसंद न कि क्या सही, क्या गलत है। जब व्यक्ति भावुकता के आधार पर गलत कर्म या कार्य करता है तो उसे प्रज्ञा अपराध की संज्ञा दी जाती है। यह अपराध हमारी आंतरिक चेतना के खिलाफ या कॉस्मिक लॉ के खिलाफ माना जाता है। यह मनोदशा शरीर और मन में असंतुलन पैदा करती है जो इस बीमारी या डायबिटीज का कारण बन जाता है। अगर शुरुआत में इसे कंट्रोल नहीं किया जाता या यह ठीक नहीं की जाती तो श्वसन में झटके प्रतीत होते हैं।

आसन-प्राणायाम देते राहत

यह आगे चलकर अंतस्त्रावी ग्रंथियों में असंतुलन पैदा कर शारीरिक व्याधि में बदल जाती है। तब इसे आदिजा व्याधि कहते हैं। इसका इलाज योग थेरेपी से संभव है। केवल शारीरिक आधार पर इलाज संभव नहीं है। यह कई रिसर्च या शोध द्वारा पूव भी हो चुका है। मुंबई के डॉ. एम.वाई दिवेकर व वाराणसी में डॉ. उडुप्पा ने पाया कि योग में कई आसन, प्राणायाम, ध्यान विधियां हैं जो डायबिटीज में फायदा करती हैं। इसमें प्रमुख है श्वसन आसन, जो उर्ध्व पाद श्वसन है।

करने का तरीका

1. **पीठ** के बल लेट जाएं। पैरों को मिलाकर रखें। हाथों को सिर के ऊपर ले जाकर जमीन पर रखकर स्ट्रेच करें। हथेलियां ऊपर की ओर हों।
2. **अब** सांस भरते हुए दोनों पैरों को बिना मोड़े सीधे 90 डिग्री पर रखें।
3. **ऐसी** स्थिति में श्वास-प्रश्वास करते रहें। एक मिनट बाद दोनों पैरों को धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए वापस जमीन पर लाएं।

फायदा

- यह पेट पर से चर्बी हटाता है। पेट की मांसपेशियां को मजबूत करता है।
- इंटर एब्डोमिनल प्रेशर (आंतरिक उदर दबाव) आंतरिक उदर के अंगों जिसमें पैन्क्रियाज प्रमुख है, को एक्टिव, रिजुवनेट और रिलेक्स करता है।
- इसकी अवधि बढ़ाने पर फायदा ज्यादा होता है पर धीरे-धीरे बढ़ाएं।

एसेंशियल हैल्थ गैजेट...

बीपी मशीन है बड़े काम की, घर में जरूर रखें

बदलती लाइफस्टाइल के चलते हाइपरटेंशन के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। इसलिए जरूरी हैं घर में कुछ एसेंशियल हैल्थ गैजेट जैसे बीपी मशीन। इसे स्फिग्मोमैनोमीटर कहते हैं। यह दो तरह की आती है। मैनुअल ब्लड प्रेशर मशीन और ऑटोमैटिक ब्लड प्रेशर मशीन।

*यदि किसी का बीपी **120/80 मिमी** एचजी है, तो **120 सिस्टोलिक बीपी** है और **80 डायस्टोलिक बीपी** है। ब्लड प्रेशर को मिमी एचजी 'मिलीमीटर ऑफ मर्करी' में मापते हैं।*

मैनुअल ब्लड प्रेशर मशीन

इसमें एक कफ होता है। रीडिंग स्केल या गेज, नॉब, रबर ट्यूब, पारा रबर वॉल्व और रबर बल्ब होता है। इस बल्ब को दबाने से कफ में हवा भरती है और मशीन में पारा ऊपर-नीचे नियंत्रित किया जाता है। यह मुख्यत: दो प्रकार का होता है। मर्करी स्फिग्मोमैनोमीटर-यह सबसे मानक उपकरण है व दूसरा एनरॉइड स्फिग्मोमैनोमीटर-इसमें गोल गेज होता है, जिसमें अंक होते हैं।

डिजिटल ब्लड प्रेशर मशीन

इस मशीन से आप खुद मॉनिटर कर सकते हैं। इसमें एक कफ और एक डिजिटल मॉनिटर होता है। डिजिटल स्फिग्मोमैनोमीटर खरीदने के लिए आपको किसी डॉक्टर की सलाह लेने की जरूरत नहीं है।

सेहत सूत्र...

मुंह के छालों में आराम

कत्था मुंह के छालों के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यदि कत्था, मुलैठी का चूर्ण और शहद मिलाकर छालों पर लगाएं तो राहत मिलती है। उसके अलावा अमरूद के पत्तों को चबाने से मुंह के छालों में आराम मिलता है। दरअसल मुंह में छाले अक्सर पाचन क्रिया दुरुस्त नहीं रहने के कारण होते हैं।

चेहरे के मुंहासों को करेगा ठीक

उमस और गर्मी के चलते अक्सर चेहरे पर मुंहासों की समस्या हो जाती है। पसीने के कारण धूल-मिट्टी चेहरे पर चिपक जाती है। इससे त्वचा छिद्र ब्लॉक हो जाते हैं और बेक्टीरिया पसीने के कारण तेजी से बढ़ते हैं। इसलिए मुंहासे निकल आते हैं। एलोवेरा का उपयोग उन्हें ठीक करता है। एलोवेरा जेल लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर चेहरा धो लें।

लाइफ लाइन हैलो डॉक्टर

जोड़ों में अकड़न दस दिन से ज्यादा तो डॉक्टरी परामर्श लें

पत्रिका की घर बैठे निशुल्क डॉक्टरी सलाह से जुड़ी पहल लाइफलाइन के तहत विभिन्न राज्यों से पाठकों ने हड्डी रोगों पर सवाल भेजे हैं।

प्रिया, मेरे बेटे की उम्र दस वर्ष है। अक्सर गिर जाता है। क्या बच्चों में भी हड्डी से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं?

आपका बेटा अक्सर चलते-चलते गिर जाता है तो उसे मांसपेशियों की समस्या हो सकती है। अक्सर देखा जाता है कि छोटी उम्र के बच्चों में मांसपेशियों की समस्या बहुत होती है, इसलिए आपको एक बार डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। मुझे इस प्रश्न में दो समस्याएं नजर आती हैं, एक मांसपेशियों की और दूसरी मस्तिष्क की। इन दोनों की वजह से बच्चा चलते-चलते गिर जाता है। यह भी एक गंभीर कारण हो सकता है। एक बार डॉक्टर से सलाह जरूर लेनी चाहिए।

सरला, मेरी उम्र 50 साल है और हाल में मुझे सुबह उठने पर जोड़ों में अकड़न महसूस होती है। क्या यह गठिया का संकेत हो सकता है?

अगर ये अकड़न जोड़ों के अलावा हाथ-पैरों और अंगुलियों में है। तो पहले देखें कि यह कितनी देर तक रहती है। अगर ये लंबे समय तक रहती है और मरीज को चलने में परेशानी होती है, तो ये गठिया का लक्षण है। अगर किसी के परिवार में इसका इतिहास रहा है, तो भी यह रोग हो सकता है। इसमें इलाज बताने से पहले यह देखना होगा कि यह समस्या कितने समय से है। अगर यह समस्या दस दिन से ज्यादा है, तो ये गठिया का संकेत है। इसलिए एक बार हड्डी रोग विशेषज्ञ के पास जाकर परामर्श अवश्य लेना चाहिए।

कमलेश, मेरी मां को ऑस्टियोपोरोसिस है। क्या ऐसा कोई व्यायाम है, जो उनकी हड्डियों को मजबूत बनाने में मदद कर सके है?

ऑस्टियोपोरोसिस बढ़ती उम्र के कारण होता है। जोड़ घिसकर खराब होने लगते हैं। चलने से घुटनों पर ज्यादा असर पड़ता है। शुरुआत में इसका इलाज बिना सर्जरी के किया जाता है। इसमें नॉन सर्जिकल ट्रीटमेंट में जोड़ों की एक्सरसाइज की जाती है। इससे जोड़ों के आस-पास की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इससे जोड़ों पर असर कम पड़ता है। कुछ चीजों से बचना चाहिए जैसे कि सीढ़ियां कम चढ़ना-उतरना, पैरों को कम मोड़ना, क्रॉस लेग कर या उकडू नहीं बैठना चाहिए। हमेशा कुर्सी पर बैठना चाहिए।

- **डॉ. अवतार गर्ग,** हड्डी रोग विशेषज्ञ

पाठकों के शेष सवालों के जवाब को लिंक से भी देख सकते हैं-https://shorturl.at/nL32k

इस क्यूआर कोड को स्कैन करें।

इस सप्ताह पूछें इनफर्टिलिटी से जुड़े सवाल

पत्रिका लाइफलाइन में इस सप्ताह इनफर्टिलिटी से जुड़े सवाल पूछें। आपके सवालों के जवाब 7 जुलाई के अंक में एक्सपर्ट देंगे।

ध्यान रखें : सभी सवालों के जवाब यहां प्रकाशित करना संभव नहीं है। इसलिए शेष जवाब 5 जुलाई को पत्रिका टीवी के 'हैलो डॉक्टर' शो में दोपहर 1:00 बजे और फेसबुक लाइव में देख सकेंगे। सवाल विस्तार से लिखकर गुरुवार तक वॉट्सऐप नं. 8955003879 पर भेज दें। (*यह डॉक्टर का नहीं, पत्रिका हैल्थ डेस्क का नंबर है। यहां फोन न करें। वॉट्सऐप पर जवाब नहीं दिए जाते हैं। यह मेडिको लीगल के लिए मान्य नहीं है।)

पत्रिका लाइफ लाइन लाइव

नोट- डॉक्टरी सलाह से ही कोई नुस्खा या दवा लें।

स्पंदन

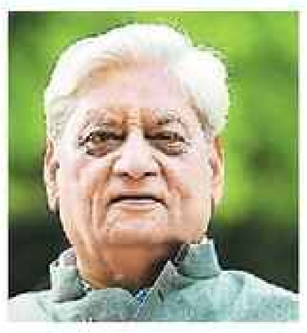

गुलाब कोठारी

लेखक पत्रिका समूह के प्रधान संपादक हैं

निवृत्ति-2

शिक्षा ने समानता की नई अवधारणा भी समाज में पैदा कर दी। पश्चिम की प्रतिक्रियावादी नारी ने इसे स्वच्छन्दता के रूप में ग्रहण किया। पुरुष को ललकार कर उसके क्षेत्र पर अतिक्रमण करने का प्रयास किया। अपने नैसर्गिक कार्य क्षेत्र से पलायन करने लगी। परिवार के बंधनों से मुक्त होने की छटपटाहट ने उसे ऐसे गर्त में डाल दिया कि अब वह फिर से बाहर नहीं निकल पाएगी। तब उस समाज का कोई भी पुरुष कामना मुक्त कैसे हो पाएगा? वहां उसके साथ संकल्पवान स्त्री नहीं है-पत्नी रूप में। उसे भी नहीं चाहिए। वह भी बदलते रहना चाहता है। तब गृहस्थाश्रम की मर्यादा के बिना आगे के दोनों आश्रम गायब हो गए जीवन शैली से। स्त्री का पूरा प्रयास रहता है पौरुष बढ़ाने का। पुरुष की नकल करने का। उससे अच्छा बनने का नहीं। उसके दुर्गुणों को ग्रहण करके उसके समूह में जुड़ जाने का। व्यसनों में पुरुष से आगे निकल रही हैं। ऐसी माताओं की सन्तानें भी जैविक सन्तानें होंगी। मन्दबुद्धि, पशुरूप, सोम रहित होंगी। क्योंकि यहां पत्नी-पति के मध्य सम्बन्ध मात्र शरीर का है। बुद्धि उनके नियम-कायदे तय करती हैं। इसके बाहर नहीं जी सकते। मन की अनुभूति होती है, किन्तु उसका स्वरूप नहीं जानते। इसीलिए मन को नियंत्रित करना नहीं आता। थोड़े-से नशे के सहारे प्रवाह में बहने लगते हैं। उनके मनोविज्ञान में प्राणों की भूमिका नहीं है। प्राणायाम के सहारे मन तक पहुंचने के प्रयास दिखाई नहीं देते। चारों ओर अग्नि का बढ़ता प्रसार और सोम की अल्पता।

प्रकृति दत्त जीवन में स्त्री का स्त्रैण भाव ही पहले पुरुष में कामना पैदा करके, उसको आवृत्त करता है। इसमें अपना पौरुष जोड़कर पुरुष इसे लौटाता है। ताकि स्त्री में जितना पौरुष कम है, उसकी पूर्ति हो सके। दोनों एक-दूसरे के लिए पूरक बनते हैं। यह एक आत्म-तृप्त भाव की स्थिति है। दोनों में सुख का एक भाव हिलोरे लेता है। इसी भाव के लिए विवाह किया जाता है। तभी सृष्टि यज्ञ से जो विस्तार होता है, वह जैविक नहीं, आत्मिक होता है। कामना विशेष के लिए ईश्वर से प्रार्थना की जाती है। बिना इस संकल्प के किसी यज्ञ की भूमिका ही नहीं बनती। केवल भोग रह जाता है। बिना भाव के, बिना आत्मिक सम्बन्ध के पशुभाव ही शेष रहता है। संस्कारों के लिए कोई स्थान नहीं रह जाता। क्योंकि पत्नी सौम्या कम, आग्नेय अधिक होती है। पत्नी की सौम्यता के साथ दृढ़ता बढ़ती है। पुरुष में सौम्यता बढ़ती जाती है। दोनों एक-दूसरे को तमस के बाहर निकालते जाते हैं। सत्त्वगुणों की प्रतिष्ठा बढ़ती जाती है।

तामसी प्रकृति का व्यक्ति प्रश्नों के उत्तर बाहर खोजता है। सात्त्विक प्रवृत्ति का व्यक्ति स्वयं अपने भीतर तलाश करता है। पति-पत्नी दोनों इसमें एक दूसरे के सहायक होते हैं। अहंकार (किसी का भी) यदि बीच में आता है, तो बात बीच में ही रुक जाती है। यहां भी पत्नी का स्नेह ही मार्ग निकालने में सफल होता है। अपनी व्यवहार कुशलता के कारण। इस सम्बन्ध की शुरुआत एक ओर अहंकार तथा दूसरी तरफ श्रद्धा से होती है। तब धीरे-धीरे प्रेम पल्लवित होता है। इसका अर्थ है देना, बिना किसी अपेक्षा भाव के। अपनी खुशी के लिए देना। यहीं से व्यक्ति का ध्यान स्वयं से हटकर दूसरे साथी पर टिक जाता है। उसी के लिए जिया जाता है। यही निस्वार्थ मित्रता का श्रेष्ठ रूप है। दो भी हैं और एक बनकर जी रहे हैं। दोनों का लक्ष्य भी एक है।

इतना ही नहीं, इनके जीवन में एक क्रम भी स्थापित हो जाता है। सन्तान इनके प्रेम को नई ऊंचाइयां देती हैं। अपने सपनों को सन्तान से जोड़ने लगते हैं। पति का अहंकार यदि कम नहीं होता, उसे बच्चों को बड़ा करने में कोई रुचि नहीं होगी। इस स्थिति में एक नया तनाव (अदृश्य रूप में) परिवार में बना रहता है। बच्चों के संस्कार पर इसका बड़ा प्रभाव पड़ता है। मां-बच्चे एक-दूसरे के लिए आवरण का कार्य करते हैं। मां श्रद्धा के मार्ग से पिता को लौटाने का प्रयास करती है। ऐसे समय के पति-पत्नी मित्रवत हो जाते हैं। प्रेम का यह सर्वश्रेष्ठ काल होता है। यहां दोनों एक दूसरे का सिंचन करते हैं।

जीवन में प्रवेश किया क्षुधा (कामना) बनकर। तृप्ति के साथ शक्ति का विस्तार हुआ। शक्ति के विस्तार का काल भी फिसलने वाला ही होता है। पत्नी का आग्रह तृष्णा और परिग्रह का कारक भी बन सकता है। समझदार हो तो शान्ति का कारक भी। जब व्यक्ति मर्यादा से बाहर जाने लगता है, तब वही रोकती है। लज्जा का पाठ पढ़ाती है। पुरुष में स्त्रैण भाव पैदा कर रही है। पुरुष को लज्जा स्वभाव से कहां आती है। गलतियों के रुक जाने से पुरुष मन में पत्नी के प्रति स्नेह उमड़ता है। स्वयं को गौरवान्वित महसूस भी करता है कि उसके ऐसी विवेकवान पत्नी है। पति की आय का विभाजन पत्नी करवाती है। घर खर्च, मां-बाप पर खर्च, स्वयं का हाथ खर्च, परिजनों पर खर्च, धर्म के निमित्त खर्च आदि कार्य पत्नी करती है। सब तरफ से आशीर्वाद बटोरती है। कान्ति का नया विस्तार होता है। शायद इसी कारण घर में लक्ष्मी का वास होता है। यहां भी पति अहंकार में अटक जाए, तो समझ लो घर का भविष्य ही भटक जाए। गृहस्थाश्रम के बाहर बस स्नेह है। दया है, वात्सल्य है। सेवा करती है और श्रद्धा भाव अर्जित करती है। यहां आकर दोनों ही संसार कर्म से निवृत्त रहते हैं। दोनों सौम्यमनः भक्ति, सेवा मार्ग में उतरते जाते हैं। दोनों का अहंकार गल चुका होता है। दोनों भीतर स्त्रैण बन गए। पत्नी ने पति को भी स्त्रैण बना दिया। दोनों भीतर जीने का अभ्यास करते हैं। स्वयं के आवरणों का आकलन रह-रहकर करते रहते हैं। ध्यान का अभ्यास इसमें भी सहायक होता है। दोनों इस बात से खुश रहते हैं कि एक के दिल में दूसरा रहता है। इस बात को समझने में उम्र बीत गई। तब स्वयं का अस्तित्व स्वयं के बाहर खोजने की समझ आई। जिधर देखो, उधर मैं ही मैं। दो अर्द्धनारीश्वर अब सम्पूर्ण स्त्रैण भाव में। शरीर गौण। धीरे-धीरे अभ्यास के साथ दोनों को ही भीतर बैठे पुरुष की प्राप्ति तथा एक दूसरे में समा जाने की तितिक्षा। मोक्ष केवल स्त्री बनकर ही पाया जा सकता है। पुरुष कभी पुरुष को प्राप्त नहीं होगा। जिसका कर्म ही जगत् को बन्धन मुक्त करना हो उसे कौन बांध सकता है, वह तो सदैव मुक्त है। **(समाप्त)**

gulabkothari@epatrika.com

सामाजिक संस्कारों से जुड़ा यह स्तंभ नई पीढ़ी को भी पढ़ाएं।

लघुकथा

SHORT STORIES

मौत की घंटी

डॉ. गोपाल राजगोपाल

है लो...पुलिस। मैं सम्राट होटल के पास से बोल रहा हूं। हनुमान मंदिर के सामने से। यहां खतरनाक एक्सीडेंट हो गया है। एक आदमी खून से लथ-पथ बेहोश पड़ा है। आप जल्दी पहुंचिए ......।'

आधे घंटे बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुंची। देखा, कई लोग एक व्यक्ति की जबरदस्त पिटाई कर रहे हैं। व्यक्ति के मुंह,नाक और माथे से खून निकल रहा है। पुलिस को देखकर लोग पीछे हट गए। पिटने वाला व्यक्ति धड़ाम से नीचे गिर पड़ा। पुलिस ने देखा, व्यक्ति सांसें तोड़ चुका था।

पुलिस की समझ में कुछ नहीं आया। फोन आधे घंटे पहले आया था। बताया गया था कि व्यक्ति बेहोश पड़ा है जबकि यह तो अभी होश में ही था। क्या फोन करने वाले को पहले से पता था कि क्या होने वाला है।

'एक्सीडेंट किसका हुआ है?' पुलिस ने पूछा।

'साहब उसको ज्यादा चोट नहीं आई। उसको इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।' 'तो फिर ये कौन है?' अचानक ही पुलिस ने कुछ सोचते हुए नंबर डायल कर किसी को फोन किया। तभी मरने वाले की जेब में पड़ा मोबाइल फोन बज उठा।

सीख

SHORT STORIES

जन्मदिन

डॉ. सत्यनारायण सत्य

क्या बात है गोपी लाल जी, इस बार आपने सत्य प्रकाश जी के जन्मदिन पर न तो फेसबुक पर कोई पोस्ट लगाई, न ही उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी, ऐसा क्या हो गया, जबकि वह तो आपको घर आके मिठाई के साथ जन्मदिन की बधाई देते हैं, आप भी हर साल उन्हें बधाई भेजते थे?' विष्णु ने प्रसिद्ध समाजसेवी और नगर निगम के ठेकेदार गोपीलाल जी से कहा।

'अरे हां, वह तो ठीक है, लेकिन अब सत्य प्रकाश जी से अपना क्या लेना देना, वे तो 4-5 साल के लिए उनकी पत्नी नगर निगम की चैयरमेन थी, अपने को भी किसी ने किसी बहाने से उनसे काम पड़ता ही रहता था। ठेका भी नगर निगम का मैंने ले रखा था, तो जरूरी भी है। इससे वह भी राजी रहते,और अपना भी काम हो जाता। अब उनसे दूर दूर तक अपने कोई काम है नहीं, किस-किस की बधाई संदेश को अपनी फेसबुक पर लगाता रहूं।'

'ओ हो हो, अब समझा, मैंने सोचा कि आप तो उनके बहुत चहेते मित्र हैं, तो अभी जिन ऐरे गैरों के आप फेसबुक पोस्ट पर बधाई संदेश डालते हो, क्या उनसे भी.....।'

'अरे तू चुप रह, तू नहीं समझता है, राजनीति को, जा मेरे लिए एक गर्म चाय लेकर आ!

गोपीलाल जी ने अपने सहायक विष्णु को फटकारते हुए कहा और मन ही मन सोचने लगे कि आने वाले दिनों में किसका जन्मदिन है ताकि उन्हें मिठाई का डिब्बा देखकर बधाई देने जा सकूं।

बेचारा विष्णु जन्मदिन की गणित पर अपने सिर को खुजलाते हुए चाय बनाने चला गया।

अब,चंदा के हाथ में खूब नोट थे। सिर पर सोना दीदी का आशीर्वाद। कंधे पर चंदन अंकल ने हाथ रखा था। चंदा को भरोसा हो गया कि उसकी चमक अब छिपी नहीं रहेगी।

चाहत

पूनम पांडे

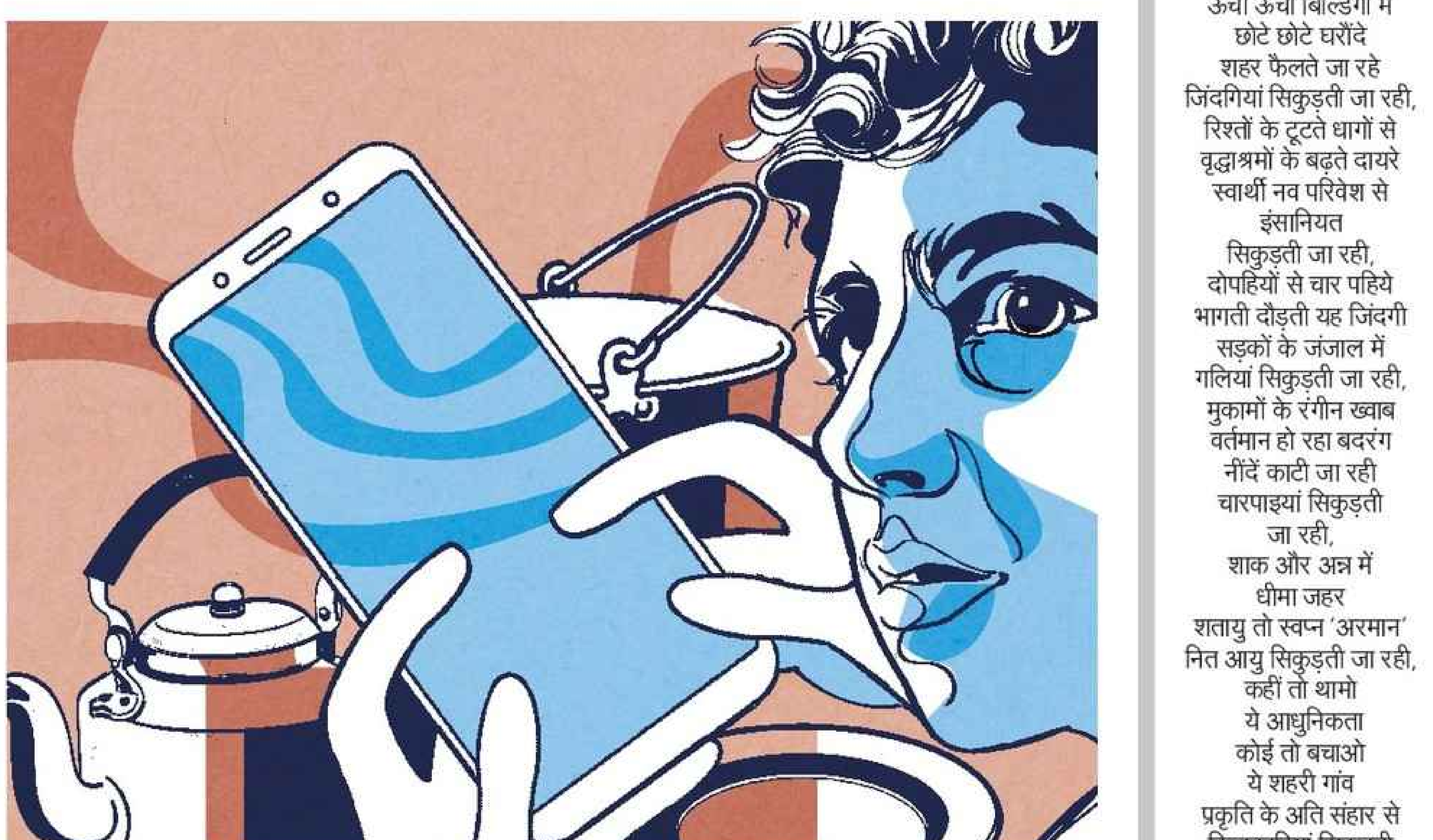

मजबूर आंखों से टुकुर -टुकुर देखता हुआ चंदा अचानक ही बांसुरी की धुन में खो सा जाता है। 'अरे ओ फोकटलाल ये काम निबटा। सारे बर्तन मांज। किधर झपकी लेने लगा रे।' मीठी सी फटकार मिली तो चंदा ने फिर से अपने हाथ चलाने शुरू कर दिए। बहुत तेजी से बर्तन धोने लगा। चंदा इस छोटे से ढाबे में काम करता है। इस समय उसे पास के मैदान से यह बंशी सुनाई दे गई थी। सोलह बरस का चंदा भूल ही गया कि अब वह कमाने वाला हो गया है। दिन में सपने देखना अब उसके लिए पाप से कम नहीं है। बर्तन धोकर उसने कपड़े से पोंछ दिए थे। पास ही एक मोबाइल फोन रखा था। वह उसे उठाकर उसमें कोई खेल खेलने लगा। फिर से किसी ने फटकार लगाई। चल रे ये साफ करके दे दे जरा। वह हौले से हंसा और फिर से काम में लग गया। मोबाइल पर खेलना उसे भाता है। यह मोबाइल कोई भेदभाव नहीं करता। इसके लिए हर कोई बराबर है। जो अच्छा गेम खेलेगा उसी के पाइंट बन जाते हैं। मगर यह फोन उसका नहीं है। सोना दीदी का है जिनका यह ढाबा है। चंदा को अपनी इच्छा पूरी करने की जब तब ललक सी उठती है। अब कोई चीज मन को ललचा रही हो तो फिर कोई भले ही कितना दुत्कार दे गुस्सा हो मगर चंदा मौका पाते ही खेलने लगता है।

अभी एक और टोकरा भर बर्तन धोने के बाद चंदा ने फिर से मोबाइल हाथ में लिया। किसी ने उसको जोर-जोर से झिंझोड़ा तब जाकर वह मोबाइल के गेम से उतर कर ढाबे में वापस आया। पहले काम पर ध्यान दे समझ आया कि नहीं एक और गरजदार आवाज ने उसे डपट दिया था। चंदा ने मोबाइल एक तरफ रखा। हंसकर, फटाफट काम कर दिया। चंदा को इधर काम करते हुए एक सौ दस दिन पूरे हो गए हैं। सौ दिन की पगार देते हुए सोना दीदी ने उसके माता पिता को बुलाया था। दस हजार रुपए दिए और कहा कि तीन हजार जमा कर रही हूं। समझे ठीक है ना।

जी, जी कहकर उसकी मां ने रुपए ले लिए थे। पिता की आंखें रही नहीं थीं। चार महीने पहले वेल्डिंग करते हुए ही दोनों आंखें चली गई थीं। इसीलिए अब एक कमाने वाला चाहिए था। मां को तो तीन सौ रुपए मजदूरी मुश्किल से मिलती थी। इसमें तो गुजारा होता ही न था। सोना दीदी ने उसकी झूठी उम्र लिखकर कागज बनाया था। चंदा उम्र उन्नीस साल। तब जाकर वह नौकरी पा सका था। उसकी मां का जी बहुत कलप गया था, जब वह नौकरी के लिए जा रहा था। नवीं की किताब और बस्ता ऐसे ही रख दिए गए थे। चंदा की बहन अभी तीसरी में पढ़ रही थी। यह किताब अब कौन पढ़ता। मगर चंदा ने जब बताया कि मां सुबह नौ बजे से रात नौ बजे तक आराम से बैठा रहता हूं। कभी कभार बर्तन धोने होते हैं। बाकी तीन समय से भी अधिक बार तो आलू के परांठे, दाल और दही मिलता है खाने को। चाय की तो गिनती ही नहीं है। जरा सोच।

अच्छा तो उधर तुझको भरपेट रोटी मिल जाती है। मां को इतनी ठंडक पड़ी कि वह खुशी से खिल गई। अरे मां मैं कह तो रहा हूं। हर बखत कूलर की हवा। आराम। गपशप। बहुत मजा है। मगर तेरा स्कूल। अरे तो अब उसकी बात मत कर। तीन महीने बाद खूब नोट मिलेंगे। मैं तो गिनकर ही थक रहा हूं। बस इतना समय कट जाए। फिर तो पैसा ही पैसा। कहकर चंदा खुशी से झूम उठा था। मां भी मन ही मन किलक रही थी। उसने कलेजे पर पत्थर रख लिया कि दो बरस में बालिग होने वाला है। फिर तो बिंदास किधर भी काम करेगा। सब जगह काम करने वाले की पूछ है। चंदा तो खुशी से सब काम करता है। रोटी का जुगाड़ तो होता ही रहेगा। बाकी मुकद्दर का खेल। चंदा की मां ने अपना मन संभाल लिया था।

इधर तीन महीने बाद चंदा भी नियमित ग्राहकों को पहचानने लगा था। एक बार चंदन अंकल बहुत दिन बाद आए। उनका फोन चार्जर पर लगाना था। सो उनसे हंसते हुए चंदा ने पूछ लिया, 'आप कैसे हो।' 'ठीक हूं।' जवाब दिया चंदन अंकल ने। 'और, अब तो इसी इलाके में आ रहा हूं।' वह सोना दीदी की तरफ देखकर बोले।' पास ही, एक स्कूल में कैंटीन खोल रहा हूं। काम के लायक लड़का चाहिए। बस तीन घंटे का काम है। रोज का तीन सौ रुपए दे दूंगा। बड़ा स्कूल है। उसी में कैंटीन है।''है, अच्छा। मैं आना चाहता हूं।' उत्सुक होकर वह फिर से भागकर उनके करीब ही आ गया। 'मैं आना चाहता हूं। मैं नौवीं में आ गया था। मुझे पढ़ाई भी बहुत अच्छी लगती है।' वह बोलता रहा। चंदन अंकल ने उस समय कुछ नहीं कहा। तीन दिन बाद वह फिर से आए, बोले, 'सोना, अगर कहो तो, इसको ले जाऊं? यह पढ़ भी लेगा और काम भी कर लेगा।' अच्छा, स्कूल में बाल मजदूरी। कभी सुना भी है। अंदर हो जाओगे बाहर आना मुश्किल होगा।' सोना ने उनको डरा दिया। 'अरे सोना मैंने प्राचार्य से बात की है। वह इसको निशुल्क दाखिला दे देंगी। सरकार करती है ऐसा। कुछ प्रतिशत बालक निशुल्क पढ़ते हैं। मेरे पास यह नौकर-चाकर की तरह नहीं भतीजे की तरह रहेगा। मगर रुपया पूरा दे दूंगा इसको।' 'ओहो। अब इससे पूछ लीजिए। मेरा क्या। मेरे पास इसका जितना भी बकाया है अभी पूरा किए देती हूं। मगर इतनी मेहरबानी किसलिए।' सोना को अजीब लग रहा था। वह नोट गिनते हुए बोली, 'आज लाखों किशोर इसी तरह बर्तन मांज रहे हैं।' 'सच सोना वही तो कसक है। एक चंदा तो मैं भी। बात यह है कि मैं भी तो इसी कारण पढ़ नहीं पाया था। बेहद अफसोस है कि कभी स्कूल ही न जा सका। इसीलिए।' अब,चंदा के हाथ में खूब नोट थे। सिर पर सोना दीदी का आशीर्वाद। कंधे पर चंदन अंकल ने हाथ रखा था। चंदा को भरोसा हो गया कि उसकी चमक अब छिपी नहीं रहेगी।

काव्यांजलि

POEM

सिकुड़ती जिंदगी

विकास चतुर्वेदी 'अरमान'

ऊंची ऊंची बिल्डिंगों में
छोटे छोटे घरौंदे
शहर फैलते जा रहे
जिंदगियां सिकुड़ती जा रही,
रिश्तों के टूटते धागों से
वृद्धाश्रमों के बढ़ते दायरे
स्वार्थी नव परिवेश से
इंसानियत
सिकुड़ती जा रही,
दोपहियों से चार पहिये
भागती दौड़ती यह जिंदगी
सड़कों के जंजाल में
गलियां सिकुड़ती जा रही,
मुकामों के रंगीन ख्वाब
वर्तमान हो रहा बदरंग
नींदें काटी जा रही
चारपाइयां सिकुड़ती
जा रही,
शाक और अन्न में
धीमा जहर
शतायु तो स्वप्न 'अरमान'
नित आयु सिकुड़ती जा रही,
कहीं तो थामो
ये आधुनिकता
कोई तो बचाओ
ये शहरी गांव
प्रकृति के अति संहार से
किलकारियां सिकुड़ती
जा रही।
छोटे छोटे घरौंदों में
जिंदगियां सिकुड़ती
जा रही।।

जनक हैं वो

डॉ.गुंजन दिवाच

सूरज की धूप के
समान हैं वो ,
लगते कठोर पाषाण हैं वो ,
बाहर से काफी सख्त हैं वो ,
हर गलती पर डांटते हैं वो ।

परंतु सच यह है कि
जीवन के
प्रधानाध्यापक हैं वो ,
हमारा अनंत आकाश है वो,
हमारे चेहरे की रौनक हैं वो
हमारे जनक हैं वो।।

पुस्तक चर्चा

BOOK REVIEW

अंजुरी की शोभा बढ़ाता नेहः अंजुरी भर नेह

अंजुरी भर नेह
(उपन्यास)

लेखक
रेणु गुप्ता

लेखिका रेणु गुप्ता का उपन्यास 'अंजुरी भर नेह' प्रेम-प्रीत सरीखे खूबसूरत नैसर्गिक अहसास के इर्द-गिर्द रचा बुना गया है। यह एक ऐसे निर्धन किन्तु स्वाभिमानी व्यक्ति न्यायाधीश देवव्रत की कहानी है जो विद्यार्थी जीवन में एक मेधावी छात्र होते हुए अपनी लक्ष्मण रेखा से भली-भांति परिचित था। वह चाह कर भी अपने प्रति अनुराग भाव रखने वाली दौलतमंद खानदान की नायिका चंदा की ओर कदम नहीं बढ़ा पाता। कालचक्र की गति, चंदा का विवाह सुयोग्य वर आइपीएस अफसर वरदान के साथ करवाती है किन्तु परिस्थितिवश देवव्रत भी चंदा-वरदान के सुखी गृहस्थ जीवन में एक अभिन्न मित्र के रूप में जुड़ जाता है। चंदा और देवव्रत का आत्मा को छूने वाला रूहानी प्रेम संबंध की दृष्टि से पूर्णता प्राप्त नहीं कर सका लेकिन इतना उदात्त है कि वह किसी रिश्ते या नाम का मोहताज नहीं वरन अपने आप में परिपूर्ण है।

उपन्यास के हर पात्र को जीवन में उसके हिस्से का स्नेह मिल ही जाता है, जहां किसी को वह स्नेह सरलता से अनायास मिल जाता है वहीं किसी को उसके लिए सायास परिश्रम करना पड़ता है। उपन्यास का प्रमुख पात्र देवव्रत नेह की उस अंजुरी के लिए अंत तक निर्विकार, निश्छल किन्तु रिक्त हृदय से प्रतीक्षारत है।

अंतिम दो पृष्ठों तक पाठक भी अधीर हो जाता है, उसके अंतस में कहीं न कहीं लेखिका के प्रति आक्रोश जन्म लेने लगता है कि देवव्रत के प्रति लेखिका इतनी निर्मम कैसे हो गई...? और यहीं पर लेखिका ने अत्यंत मर्यादित ढंग से नेह की उस अंजुरी को केया से (संकेतात्मक रूप से) देवव्रत की झोली में डलवा कर बहुत ही संतुलित ढंग से शीर्षक को सार्थक करते हुए उपन्यास का समापन किया है। यही इस उपन्यास की सफलता है। लेखिका ने उपन्यास के प्रत्येक पात्र के चरित्र को गढ़ा है। मुख्यतः सात पात्रों के इस उपन्यास का प्रत्येक पात्र एक आदर्श चरित्र का परिचायक है। निर्झरा के रूप में एक नकारात्मक पात्र भी उपन्यास में है जो अन्य पात्रों की सच्चरित्रता के बीच एक अपवाद की तरह कथा में उपस्थित है। यह कृति संबंधों में नैसर्गिक मिठास, नेह स्नेह की अभिव्यक्ति, अपनत्व का सहज अधिकार एवं संयम की महत्ता आभास देता है।

- सदानंद कवीश्वर

अपनी रचना भेजिए: अपनी मौलिक और अप्रकाशित कहानी, कविता और लघुकथाएं हमें इस मेल एड्रेस पर भेजिए-sunday@in.patrika.com ध्यान रखें कहानी-1000 और लघुकथा-250 शब्दों से अधिक नहीं हो।

justeen 13 से 19 साल बेमिसाल

Young Prodigy

That's The Spirit

मुजफ्फरपुर, बिहार के सूर्यांश देश के सबसे कम उम्र के सीईओ हैं और 56 कंपनियों का नेतृत्व कर रहे हैं

युवा विस्तान

15 की उम्र में 56 कंपनियों के बन गए सीईओ

सूर्यांश ने कम उम्र में ही 56 से अधिक स्टार्टअप कंपनियों का नेतृत्व करते हुए भारतीय व्यवसाय जगत में पहचान बनाई है। वह भारत के सबसे कम उम्र के सीईओ हैं। 13 साल की उम्र में सूर्यांश ने व्यवसाय और नवाचार में रुचि दिखाना शुरू कर दिया था। उन्होंने कम उम्र के बावजूद कई सफल स्टार्टअप शुरू किए। उनके स्टार्टअप सामाजिक चुनौतियों का समाधान करते हैं और पारंपरिक उद्योगों में क्रांति लाते हैं।

कौन हैं ये

- नाम : **सूर्यांश**
- उम्र : **15 वर्ष**
- उपलब्धि: 13 साल की उम्र में शुरू की स्टार्टअप कंपनियां, फिलहाल 56 कंपनियों के सीईओ
- स्टार्टअप महाकुंभ में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात का मिला अवसर

TRICKS of MEMORY IMPROVEMENT by कृष्ण चहल गिनीज बुक वर्ल्ड रेकॉर्ड

समय का बेहतर प्रबंधन सीखकर विद्यार्थी अच्छे अंक पा सकते हैं।

प्रोक्रास्टिनेशन यानी टालमटोल से बचें

प्रोक्रास्टिनेशन कई छात्रों के लिए आम समस्या है, जो तनाव और खराब अकादमिक रिकॉर्ड का कारण बनती है। इसमें विद्यार्थी अपने काम को अंतिम समय तक टालते रहते हैं। हालांकि रणनीति के साथ समय प्रबंधन कर सफलता पाई जा सकती है।

- **टाइम टेबल बनाएं-** लक्ष्य निर्धारित करने के बाद हर दिन अध्ययन के लिए विशिष्ट समय आवंटित करें और उनका पालन करें। प्लानर्स या डिजिटल कैलेंडर की मदद लें।
- **अड़चनों को खत्म करें-** सोशल मीडिया, फोन नोटिफिकेशन या शोरगुल वाला वातावरण यदि परेशान करता है, तो इनसे दूर रहें।
- **पोमोडोरो तकनीक का इस्तेमाल-** इसमें 25 मिनट के लिए अध्ययन करना और फिर 5 मिनट का ब्रेक लेना शामिल है। चार चक्रों के बाद 15-30 मिनट का लंबा ब्रेक लें।

DO IT YOURSELF

कागज से बनाइए रंगीन पंख

यदि आपको सुंदर पंख लुभाते हैं तो आप इन्हें रंगीन कागज की मदद से खुद तैयार कर सकते हैं। इसके लिए आपको रंगीन कागज की शीट, गोंद, लकड़ी और कैंची की जरूरत होगी। इन पंखों की मदद से आप किसी भी चीज को सजा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए यह वीडियो देख सकते हैं- **bit.ly/fursat552**

बनाएं हमें अपना BFF

लेखक, आविष्कारक और वैज्ञानिक बेंजामिन फ्रैंकलिन का कहना है, 'एक भाई दोस्त भी हो, यह जरूरी नहीं, लेकिन एक दोस्त हमेशा भाई ही रहता है।' आप भी हमारे ऐसे ही सच्चे दोस्त बन सकते हैं। अपने मन की बात हमसे शेयर करने के लिए आप इस मेल पते पर संपर्क कर सकते हैं-

मेल आईडी sunday@in.patrika.com

अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस विशेष 3 जुलाई

ये स्टार्टअप निभा रहे हैं प्लास्टिक मुक्त धरती का संकल्प

अंतरराष्ट्रीय प्लास्टिक बैग मुक्त दिवस हमें प्लास्टिक प्रदूषण के खतरे और इससे निपटने के लिए तत्काल जरूरी कदमों के बारे में सोचने पर मजबूर करता है। आज प्लास्टिक बैग हमारे जीवन का अभिन्न अंग बन गए हैं। खरीदारी से लेकर कचरे के निपटारे तक, हर जगह इनका इस्तेमाल होता है। लेकिन क्या हमने कभी सोचा है कि इन थैलियों का हमारे पर्यावरण और स्वास्थ्य पर कितना प्रतिकूल असर पड़ रहा है? प्लास्टिक नॉन-बायोडिग्रेडेबल है, यानी यह अपघटित नहीं होता। प्लास्टिक कचरा मिट्टी, पानी और हवा में मिलकर जमीन को बंजर बनाता है। कुछ स्टार्टअप प्लास्टिक बैग के क्रांतिकारी वैकल्पिक उत्पादों के साथ उम्मीद की किरण जगा रहे हैं-

प्लास्टिक एक तरह का नॉन बायोडिग्रेडेबल पदार्थ है यानी यह अपघटित नहीं होता है।

इसमें पाए जाने वाले हानिकारक रसायन भोजन व पानी में घुलकर रोगों का कारण बनते हैं।

एर्थोस- पौधों से बन रहा प्लास्टिक

एर्थोस प्लास्टिक प्रदूषण की समस्या का समाधान करने के लिए नवीन और स्थाई समाधान विकसित कर रहा है। यह कनाडाई स्टार्टअप पौधों से बने प्लास्टिक का उत्पादन करता है। एर्थोस के संस्थापक नुहा सिद्दीकी और कृतिका त्यागी नरम फिल्म प्लास्टिक के लिए पॉलीथीन के रिप्लेसमेंट के तहत पौधों का विकल्प विकसित करने में सफल रहे हैं। एर्थोस प्लास्टिक पारंपरिक प्लास्टिक की तुलना में कम ऊर्जा का उपयोग कर और कम कचरा पैदा कर बनाया जाता है। यह प्लास्टिक खाद में परिवर्तित हो सकता है, जिससे यह लैंडफिल में जाने से बच जाता है। इस प्लास्टिक के छोटे टुकड़ों यानी माइक्रोप्लास्टिक में टूटने की संभावना कम होती है। इसके निर्माण के दौरान पारंपरिक प्लास्टिक की तुलना में 40 फीसदी से अधिक ऊर्जा बचती है और सभी विषाक्त पदार्थों के बिना 98 प्रतिशत पानी को संरक्षित किया जाता है। कंपनी की पहुंच 20 अलग-अलग उद्योगों में फैल चुकी है।

ब्लूकॉन बायोटेक बायोप्रोसेस इंजीनियरिंग

जर्मन स्टार्टअप ब्लूकॉन बायोटेक ने जैव-प्लास्टिक के लिए क्रांतिकारी लैक्टिक एसिड उत्पादन तकनीक विकसित की है। यह तकनीक लिग्नोसेल्युलोजिक कच्चे माल, जैसे पराल, कपास और चुकंदर की खोई का उपयोग कर जैव-प्लास्टिक के निर्माण को और अधिक टिकाऊ बनाती है। परंपरागत रूप से लैक्टिक एसिड का उत्पादन भोजन स्रोतों, जैसे गन्ने से किया जाता है। लेकिन ब्लूकॉन बायोटेक की तकनीक कृषि और औद्योगिक अपशिष्ट पदार्थों का उपयोग करती है, जिससे भोजन आपूर्ति शृंखला पर कोई बोझ नहीं पड़ता। यह तकनीक संयुक्त जैव-प्रसंस्करण नामक एक उन्नत प्रक्रिया का इस्तेमाल करती है, जो लैक्टिक एसिड उत्पादन के लिए एक ही किण्वन प्रक्रिया में कच्चे माल को तोड़ने और उसका रूपांतरण करने का काम करती है। यह तकनीक जैव-प्लास्टिक विशेष रूप से पॉलीलैक्टिक एसिड के उत्पादन को पेट्रोलियम आधारित प्लास्टिक के मुकाबले अधिक किफायती बनाती है। पॉलीलैक्टिक एसिड पूरी तरह से जैव-अपघटनीय है और इसका इस्तेमाल विभिन्न टिकाऊ उत्पादों को तैयार करने में किया जा सकता है। यह तकनीक जैव-आधारित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने और पर्यावरण को सुरक्षित रखने की दिशा में अहम कदम है।

ट्रिपलडब्ल्यू फूड वेस्ट से बायोप्लास्टिक

वे दिन गए जब खाद्य अपशिष्ट को सिर्फ कचरा माना जाता था। इजरायल का स्टार्टअप ट्रिपलडब्ल्यू खाद्य अपशिष्ट को उपयोगी बनाने की दिशा में एक नया आयाम स्थापित कर रहा है। कंपनी अपशिष्ट प्रबंधन, जैव पदार्थ उत्पादन और जैव उत्पादों की अपसाइक्लिंग करने के लिए समाधान विकसित कर रही है। ट्रिपलडब्ल्यू की तकनीक मौजूदा संयंत्रों को संशोधित कर उन्हें खाद्य अपशिष्ट से लैक्टिक एसिड बनाने में सक्षम बनाती है। लैक्टिक एसिड का उपयोग खाद्य, पेय पदार्थ और व्यक्तिगत देखभाल जैसे क्षेत्रों में किया जाता है। इतना ही नहीं, पॉलीलैक्टिक एसिड नामक जैव-आधारित प्लास्टिक के निर्माण में भी इसका इस्तेमाल होता है। इस प्लास्टिक का उपयोग पैकेजिंग, कपड़ा और 3डी प्रिंटिंग सहित अन्य क्षेत्रों में किया जाता है। यह तकनीक खाद्य अपशिष्ट को कम कर रही है। पर्यावरण को भी प्रदूषित करने वाले प्लास्टिक के उपयोग को भी घटा रही है।

चर्चा में

चांद पर घर बनाने के लिए 3डी प्रिंटेड ईंट

अंतरिक्ष वैज्ञानिकों ने उल्कापिंड की धूल से 3डी प्रिंट लेगो ईंटें बनाकर चंद्रमा पर अंतरिक्ष यात्रियों के लिए घर बनाने की राह आसान की है।

यूरोपीय अंतरिक्ष एजेंसी (ईएसए) के वैज्ञानिकों ने 4.5 अरब साल पुराने उल्कापिंड की धूल का इस्तेमाल कर लेगो ब्लॉक के समान 3डी प्रिंटेड ईंटें बनाई हैं। ईएसए स्पेस ब्रिक्स नामक ये निर्माण सामग्री इसलिए बनाई गई है, क्योंकि वैज्ञानिक आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत चंद्रमा पर जाने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के लिए लॉन्च पैड और आश्रय स्थल डिजाइन करना चाहते हैं। वे यह समझना और परखना चाहते हैं कि यात्रियों को अंतरिक्ष में मिलने वाली सामग्री का इस्तेमाल वहां इमारतें बनाने में किया जा सकता है या नहीं। अपनी खोज की समीक्षा करने के लिए उन्होंने उल्कापिंड की धूल से ईएसए स्पेस लेगो ईंटों को 3डी प्रिंट किया।

इनोवेशन

इमारतों को ठंडा करने वाला कूलिंग कपड़ा

इसे इमारतों और कारों पर लगाया जा सकता है, जिससे एयर कंडीशनिंग के इस्तेमाल को कम करने में काफी मदद मिल सकती है।

शिकागो विश्वविद्यालय के प्रिट्जकर स्कूल ऑफ मॉलिक्यूलर इंजीनियरिंग (पीएमई) के शोधकर्ताओं ने पहनने योग्य ठंडा करने वाला कपड़ा विकसित किया है। यह कपड़ा शहरों के आस-पास की इमारतों, कार और यहां तक कि खाद्य भंडारण से निकलने वाली गर्मी और थर्मल विकिरण को रोक सकता है। अमरीका में एरिजोना की धूप में शिकागो विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा किए गए परीक्षण में पाया गया कि यह कूलिंग टेक्सटाइल खेल परिधानों की तुलना में तापमान को 2.3 डिग्री सेल्सियस तक ठंडा रख सकता है। यह शर्ट और अन्य कपड़ों के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले व्यावसायिक रेशम की तुलना में 8.9 डिग्री सेल्सियस तक की ठंडक भी दे सकता है।

{ हास्यम } humour

ठहाका

क्योंकि शेर को शेर-ओ-शायरी आती है

पिछले अंक में पूछा था कि जंगल का राजा शेर ही क्यों होता है? हाथी, भालू या गीदड़ क्यों नहीं?

- शेर को शेर-ओ-शायरी आती है, लेकिन हाथी, भालू और गीदड़ को नहीं आती। - **राजेश कुमार**, बीकानेर
- जंगल में लोकतंत्र नहीं है। इसलिए शेर ही हमेशा के लिए राजा होता है। - **त्रिभुवन यदु**, भाटापारा
- माफ करना, कभी शेर से इस बारे में बात नहीं की। - **आकांक्षा**, जयपुर
- क्योंकि हाथी, भालू व गीदड़ को लू लग गई है। - **जितेश**, झुंझुनू

अगले सप्ताह का सवाल

बूढ़ी घोड़ी पर लाल लगाम ही क्यों? हरी, पीली या नीली क्यों नहीं?

पाठक अपने फनी जवाब वॉट्सऐप नंबर 8955003879 पर गुरुवार तक भेज दें।

कार्टून कॉर्नर

बतकही **सगाई के बाद भी शादी न हो पाने का दुख भी लेखकों से बेहतर कौन जानता है!**

...और उस पुस्तक मेले में एक दिन!

प्रभात गोस्वामी
व्यंग्यकार

हमारे शहर में पुस्तक मेले के आयोजन की खबर सुनकर गहरा सुकून मिला। हमें लगा जैसे आयोजक साहित्य के शिखर से संजीवनी बूटी लेकर आ गए हैं। इससे लंबे समय से प्रकाशन हाउस में मूर्छित पड़ी हमारी पुस्तकों को पुनर्जीवन मिल जाएगा। लेखक होने के साथ हमने अब सेल्समैन बनने की तैयारी भी कर ली है। यहां किसी के भरोसे नहीं रह सकते। कहावत भी है कि खुद के मरे बिना स्वर्ग नहीं मिलता!

लेखक को नेवीगेटर की तरह से साहित्य के बियाबान में पुस्तक बिक्री के रास्ते भी तलाशने पड़ते हैं और दिनभर इधर-उधर घूमकर पाठकों को ढूंढ़ना भी पड़ता है। गले की खराश मिटाते हुए शहद की पूरी बोतल गटक कर, भगवान शिवजी की तरह से गले में ही रोक ली है। पाठकों को लुभाने के लिए विनम्रता की स्वीट डिश भी परोसनी पड़ती है। लंच डिप्लोमेसी के तहत घर से चार टिफिन खाना भी ले जाने की व्यवस्था कर ली है। कहते हैं दिल का रास्ता पेट से होकर गुजरता है। यदि पाठक पुस्तक मेले में लगी खाने की स्टॉलों पर महंगी खाद्य सामग्री खाएंगे तो पुस्तकें क्या खाक खरीदेंगे? हम घर का स्वादिष्ट खाना निशुल्क सेवा के तहत, पहले आओ-पहले खाओ, की तर्ज पर परोसकर उनकी बचत करवाएंगे ताकि वह उससे पुस्तकें खरीद सकें। कुछ किताबों को बढ़िया पारदर्शी शीट में लपेटकर दस सैट तैयार करवा लिए हैं। आजकल कुछ पहने हुए भी अंदर तक सब दिखाई देने वाले को ही एक्सपोजर मिलता है। मुफ्त की रेवड़ियों के इस युग में कुछ समीक्षकों, आलोचकों और सहृदय लेखकों को सप्रेम भेंट कर उनके साथ फोटो, सोशल मीडिया में शाया करने की परम्परा को भी निभाना पड़ता है। इतने जतन के बाद भी सावन में अकाल की छाया पड़ने के खतरे भी बने रहते हैं। ....लो जी ! पुस्तक मेला सज गया है। जाने-अनजाने चेहरों की भीड़ के बीच खासी रौनक है। मेले में युवक-युवतियां पुस्तकों के साथ सेल्फी ले रहे हैं, उनका पुस्तक लेने का कोई मूड नजर नहीं आ रहा है। कुछ पढ़ाकू पुस्तकें देखकर यह जता रहे हैं मानों दस बार पहले भी पढ़ चुके हों! कुछ अपने साथी लेखकों के हाथ में पुस्तक देकर पांचवीं बार उसका विमोचन करवाते हुए जता रहे हैं, जैसे एकदम नई पुस्तक हो! सगाई के बाद भी शादी न हो पाने का दुख भी लेखकों से बेहतर कौन जानता है! इंस्टाग्राम पर छोटी-छोटी रीलें प्रसारित की जा रहीं हैं। साहित्य अब अपने कंटेंट से नहीं, विपणन नीति से बिकता है।

अचानक हमें शहर के एक वरिष्ठ साहित्यकार और समीक्षक पंडित अध्ययन प्रसाद दिखाई दिए। जैसे ही हमने अपनी पुस्तकों के पैकेट को उठाया, वैसे ही उनके चेहरे पर चिंता के भाव टपकने लगे। उन्होंने हमारी स्टॉल की तरफ आते-आते अचानक किसी नेता की तरह से यूटर्न लेकर कदम दूसरी तरफ मोड़ लिए। हम भी पैकेट लेकर उनके पीछे हो लिए। कमाल है, निशुल्क और सप्रेम पुस्तकें भेंट करने के लिए भी पसीने बहाने पड़ रहे हैं! वैसे मुफ्त की कोई भी चीज मिले तो लोग जहन्नुम तक जाने को तैयार रहते हैं!

अध्ययन जी उपन्यास की स्टॉल से निकलकर कविता कॉर्नर की ओर मुड़े। हमने उनके पदचिह्नों पर चलते हुए उनका पीछा करना शुरू किया। वह धार्मिक पुस्तक की स्टॉल से अचानक जासूसी उपन्यास की गली की तरफ मुड़ रहे थे। इस बीच कुछ देर वह एक बड़े प्रकाशक के पंडाल की भीड़ में खो गए। अचानक हमारी नजर शेर-ओ-शायरी की स्टॉल पर पड़ी। समीक्षक जी भी वहां कुछ ढूंढ़ रहे थे। पर हमें फिर से देखकर आगे अंग्रेजी साहित्य के गलियारे में दुबक गए। हमारे पैर अब जवाब देने लगे थे। हमने उनको ढूंढ़ने का जतन किया, पर वह नहीं मिले।

हिम्मत-ए-मरदां, मदद-ए-खुदा का जाप करते हुए हम फिर अंग्रेजी साहित्य की भीड़ में घुस गए। 'आउच! दिस इज नॉट द वे,' एक पाठक ने हिकारत से हमें देखते हुए कहा। पर यह क्या? वह दिखाई देते हुए भी फिर गायब हो गए। लेखक हैं या जादूगर! उनको हमारे हाथ में हिन्दी साहित्य का बंडल देखकर ऐसा क्यों लग रहा था मानों हमारे हाथों में कोई विस्फोटक सामग्री है! या हम कोई मानव बम हैं? वैसे अंग्रेजी के आगे हिन्दी साहित्य एक फुस्स होने वाले पटाखे जैसा ही है।

अंतिम बार हमने देखा कि वह बाल साहित्य की गली की ओर मुड़ रहे हैं । हिम्मत न हारते हुए हम वहां तक पहुंचे। कम उम्र के कुछ बच्चे, कच्चे चेहरों पर प्रौढ़ता ओढ़े हुए शायद अपने बचपन को तलाश रहे थे! अचानक हमारी नजरों से ओझल होते हुए अध्ययन जी भी मेले में किसी बच्चे की मानिंद कहीं खो गए। हमारे पांव वहीं ठहर गए, पता नहीं कितनी देर हम वहां खड़े रहे! अचानक हमारे कानों तक आवाज पहुंची, महोदय, पुस्तक मेले का समय समाप्त हो गया है।

लोट-पोट

एसएमएस- पाठकों की तरफ से सोशल मीडिया शेयरिंग

इस फोटो को देखकर आपके मन में ताजा घटनाओं से संबंधी कोई मजेदार कंटेंट आता है तो लिखकर हमें वॉट्सऐप नंबर **8955003879** *पर भेजें। बेहतर और चयनित कमेंट को 'हास्यम' के अगले अंक में प्रकाशित करेंगे।*

रीडर्स रिएक्शन

- मुन्ने का इलाज गलती से भी नीट टॉपर्स से मत करवाना। - **मिताली कौन्त्ये,** भरतपुर
- देख रहे बिनोद। पंचायत सचिव से आसान तो पर्चा खरीद कर डाक्टर बनना है। - **सुनील कुमार**
- देख रहे हो बिनोद, अपने घर तो एक घंटे पानी आता है और सामने वाले के घर 2 घंटे। कुछ तो गड़बड़ है। - **चांदनी जोशी**

फनी पहेली

- **पहेली:** वह क्या है, जिसे आप बिना छुए तोड़ सकते हैं? **जवाब:** वादा।
- **पहेली:** वह क्या है, जिसके कई दांत हैं, पर वह काट नहीं सकता? **जवाब:** कंघा।
- **पहेली:** ऐसी कौनसी चीज है जिसके एक आंख होती है, पर वह बिल्कुल देख नहीं सकती? **जवाब:** सुई।
- **पहेली:** वह आपकी कौनसी चीज है, जिसका इस्तेमाल आपसे ज्यादा दूसरे लोग करते हैं? **जवाब:** आपका नाम।
- **पहेली:** एक इलेक्ट्रिक ट्रेन 100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से पूर्व से पश्चिम दिशा में जा रही है। इसका धुआं किस दिशा में जाएगा। **जवाब:** इलेक्ट्रिक ट्रेन में धुआं नहीं होता।
- **पहेली:** वह क्या है, जिसके हाथ हैं, पर वह ताली नहीं बजा सकती? **जवाब:** घड़ी।
- **पहेली:** ऐसी चीज, जो बारिश में चाहे जितनी भीग जाए, गीली नहीं होती? **जवाब:** पानी।
- **पहेली:** वह क्या है जो मन है और दिल में है, धड़कन में नहीं है। **जवाब:** आमिर खान।

गुदगुदाते रहें

टीचर ने साइंस लैब में अपनी जेब से एक सिक्का निकाला और एसिड में डाला।
टीचर- बताओ ये सिक्का घुल जाएगा या नहीं?
स्टूडेंट- सर! नहीं घुलेगा।
टीचर- शाबाश...लेकिन तुम्हें कैसे पता?
टीचर - सर एसिड में डालने से अगर सिक्का घुलता तो आप हमसे मांगते, अपनी जेब से नहीं निकालते।

चिंटू- दवा के एक स्ट्रिप में दस टैबलेट ही क्यों होती हैं?
पिंटू- मुझे ऐसा लगता है कि इसका प्रचलन तब ही शुरू हुआ होगा, जब रावण के सिर में दर्द हुआ होगा!

व्यंग्य बाण

सिर्फ हंसाना

आता है हमको एक
काम सिर्फ हंसाना
शब्दों के बुने जाल में
श्रोता को फंसाना,
रोए या छटपटाए और
कुछ भी वो करे
धंसते हुए को ओर भी
गहरे में धंसाना।

चढ़ ही रहे थे ट्रेन में और
जेब कट गई
वैसे ही कम थी राशि
और ज्यादा घट गई,
कुछ सोचते समझते
क्या लिखाते अब रपट
थाने गए तो दूसरी भी
जेब फट गई।

-प्रदीप नवीन

पाठक-पाती

- हास्यम पेज में बतकही बेहद पसंद है, इसमें अलग-अलग व्यंग्यकारों को पढ़ने का मौका मिल रहा है। **-सिद्धि शर्मा,** भोपाल
- रविवार की सुबह रिलेक्स का अहसास कराती है, ऐसे में हास्य से जुड़ा यह पेज तनाव को दूर करने में मदद करता है। **-रामविलास श्रृंगी,** अहमदाबाद
- इस पेज पर आने वाली फनी पहेलियां और चुटकुले मैं अपने दोस्तों व परिवार के सदस्यों को सुनाता हूं। इसमें बहुत मजा आता है। **-लक्ष्यराज सिंह,** अजमेर

पाठक भी हमसे जुड़ सकते हैं *अगर आप अच्छा कार्टून, मीम्स बनाते या फिर सटायर-कमेंट-या फिर हास्य कविता लिखते हैं तो हमसे जुड़ सकते हैं। अपना कंटेंट, हास्य कविता, कार्टून या मीम्स हमें नीचे दिए गए वॉट्सऐप नंबर पर भेजें। ध्यान रहे कि अपनी मौलिक रचना ही भेजें। किसी अन्य की रचना भेजने पर कानूनी कार्रवाई भी हो सकती है।* **इन्हें वॉट्सऐप नंबर 8955003879 पर गुरुवार तक भेज दें।**

टी-20 विश्व कप फाइनल : दक्षिण अफ्रीका को 7 रन से हराकर भारतीय टीम दूसरी बार बनी चैंपियन

सबसे आगे हम हिंदुस्तानी...

बधाई हो, खत्म हुआ 17 साल का इंतजार

बारबाडोस @ पत्रिका. कुछ दिन ऐसे होते हैं, जो इतिहास में अमर हो जाते हैं...29 जून 2024 भी भारतीय क्रिकेट में अमर हो गया है, जिसे क्रिकेट प्रेमी कभी नहीं भूल पाएंगे। ये वो दिन हैं, जिसके लिए भारतीय टीम और प्रशंसकों ने 17 साल तक इंतजार किया है। 2007 में महेंद्र सिंह धोनी की कप्तानी में भारतीय टीम पहली बार टी-20 विश्व चैंपियन बनी थी, तब से लेकर आज तक एक पीढ़ी जवान हो चुकी है, और अब ये ऐतिहासिक जीत उसके लिए सालों तक प्रेरणास्त्रोत का काम करेगी। बधाई हो टीम इंडिया, कप्तान रोहित और कोच द्रविड़...आप 140 करोड़ लोगों के चेहरे पर मुस्कुराहट लाए हैं...

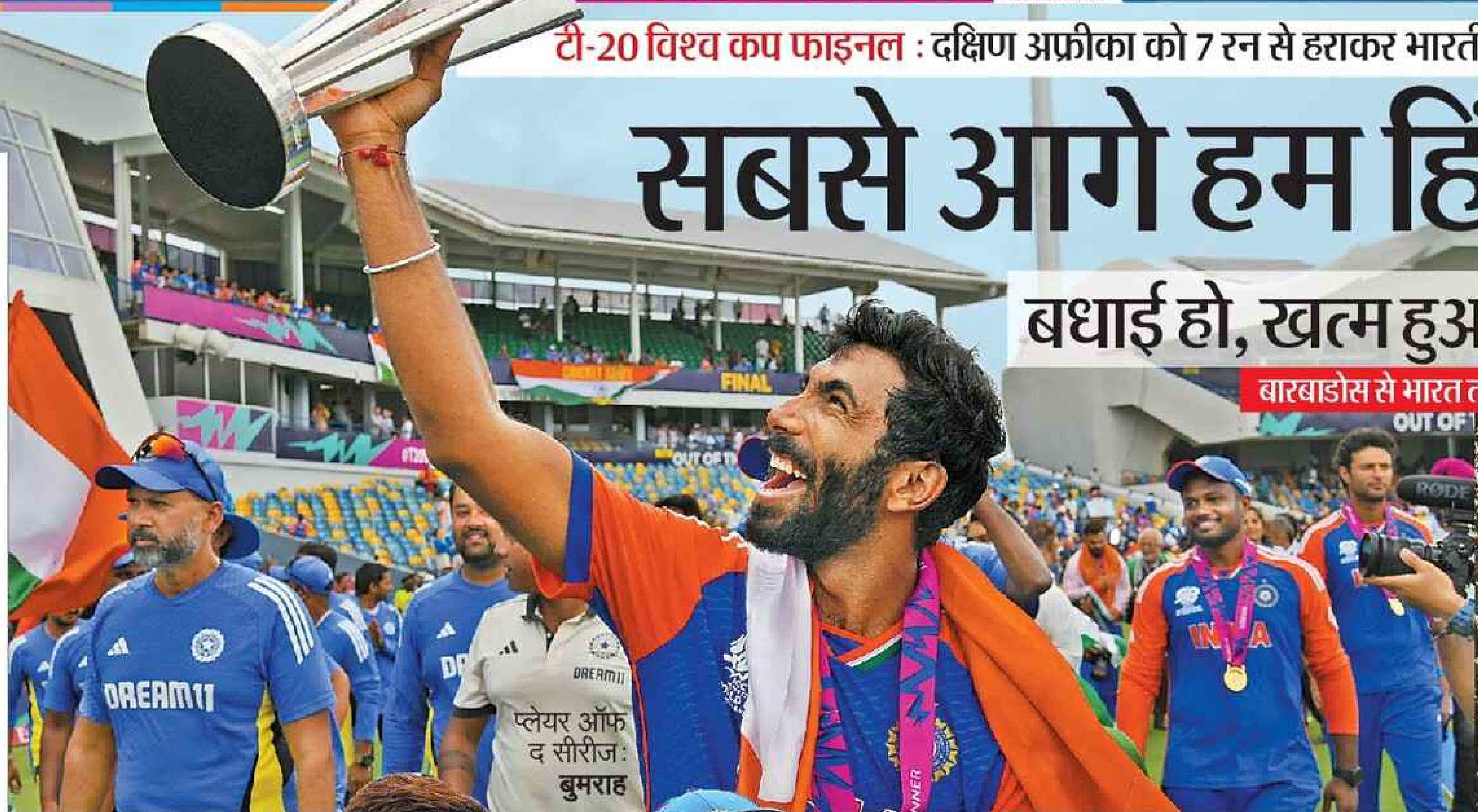

प्लेयर ऑफ द सीरीज: बुमराह

बारबाडोस से भारत तक जश्न ही जश्न...

'विराट' करियर...

125 टी-20 खेले	4188 रन
01 शतक	38 अर्धशतक

अब अगली पीढ़ी टी-20 गेम को आगे ले जाए : विराट

यह मेरा आखिरी टी-20 वर्ल्ड कप और आखिरी टी-20 मैच है। हम यही हासिल करना चाहते थे और कप उठाना चाहते थे। ऐसा नहीं है कि यदि हम हार गए होते तो मैं इसका ऐलान नहीं करता। अब समय आ गया है जब अगली पीढ़ी टी-20 गेम को आगे ले जाए।

मैं पूरी रात सो नहीं सका था

सच कहूं तो मैं पिछली रात सो नहीं पाया। हम इस तरह के मैच पहले भी हार चुके थे। लेकिन आज हमने यह कर दिखाया कि मुश्किल हालात से कैसे निकला जाता है। विराट ने 15-16 वर्षों में इस खेल के लिए बहुत कुछ किया है। जसप्रीत बुमराह का योगदान सराहनीय रहा।

पूरा देश आप पर गर्व कर रहा है

टीम इंडिया को इस भव्य विजय के लिए सभी देशवासियों की तरफ से बहुत-बहुत बधाई। आज 140 करोड़ देशवासी आपके शानदार प्रदर्शन के लिए गर्व अनुभव कर रहे हैं।- **नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री।**

विजयी विदाई : कोच राहुल द्रविड़ ने जीत के साथ यादगार विदाई ली। बतौर खिलाड़ी कभी विश्व चैंपियन नहीं बन सके द्रविड़ ने कोच के तौर पर अपना नाम इतिहास में दर्ज करा लिया।

टी-20 विश्व कप

इनका रहा जलवा...

टॉप बैटर	टॉप बॉलर
281 रन रहमानुल्लाह गुरबाज अफगानिस्तान	17 विकेट फजलहक फारूकी अफगानिस्तान
257 रन रोहित शर्मा, भारत	17 विकेट अर्शदीप सिंह, भारत
255 रन ट्रैविस हेड, ऑस्ट्रेलिया	15 विकेट बुमराह, भारत
सर्वश्रेष्ठ पारी	**सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी**
98 रन निकोलस पूरन, विंडीज	05 विकेट, 09 रन फारूकी, अफगान टीम

तालिका 29 जून तक की है

टूर्नामेंट में चौके-छक्के
517 छक्के
961 चौके

सर्वश्रेष्ठ स्पैल...
फर्ग्यूसन, न्यूजीलैंड
04 ओवर
00 रन
03 विकेट

स्कोर बोर्ड

भारत	20 ओवर 176/07
बल्लेबाज	**रन गेंद 4 6**
रोहित कॉ क्लासेन बो महाराज	09 05 02 00
कोहली कॉ रबाडा बो जानसेन	76 59 06 02
पंत कॉ डी कॉक बो महाराज	00 02 00 00
सूर्यकुमार कॉ क्लासेन बो रबाडा	03 04 00 00
अक्षर पटेल रन आउट	47 31 01 04
शिवम कॉ मिलर बो नोर्जे	27 16 03 01
हार्दिक पांड्या नॉट आउट	05 02 01 00
जडेजा कॉ महाराज बो नोर्जे	02 02 00 00

अतिरिक्त: 07. **विकेट पतन:** 1-23, 2-23, 3-34, 4-106, 5-163, 6-174, 7-176.

गेंदबाजी: जानसेन 4-0-49-1, महाराज 3-0-23-2, रबाडा 4-0-36-1, मार्करम 2-0-16-0, नोर्जे 4-0-26-2, शम्सी 3-0-26-0.

दक्षिण अफ्रीका	20 ओवर 169/08
बल्लेबाज	**रन गेंद 4 6**
हेंड्रिक्स बो बुमराह	04 05 01 00
डी कॉक कॉ कुलदीप बो अर्शदीप	39 31 04 01
मार्करम कॉ पंत बो अर्शदीप	04 05 01 00
स्टब्स बो अक्षर	31 21 03 01
क्लासेन कॉ पंत बो पांड्या	52 27 02 05
मिलर कॉ यादव बो पांड्या	21 17 01 01
जानसेन बो बुमराह	02 04 00 00
महाराज नॉट आउट	02 07 00 00
रबाडा कॉ यादव बो पांड्या	04 03 01 00
नोर्जे नॉट आउट	01 01 00 00

अतिरिक्त: 09. **विकेट पतन:** 1-7, 2-12, 3-70, 4-106, 5-151, 6-156, 7-161, 8-168.

गेंदबाजी: अर्शदीप 4-0-20-2, बुमराह 4-0-18-2, अक्षर 4-0-49-1, कुलदीप 4-0-45-0, हार्दिक 3-0-20-3, जडेजा 1-0-12-0.

हार्दिक-बुमराह ने पलटी बाजी...

भारतीय टीम की जीत के हीरो हार्दिक पांड्या और जसप्रीत बुमराह रहे। दक्षिण अफ्रीका को आखिरी चार ओवर में 26 रन चाहिए थे। पारी के 17वें ओवर में हार्दिक ने चार रन जबकि 18वें ओवर में बुमराह ने दो रन ही दिए। हार्दिक ने आखिरी ओवर में 16 रन बचाए और टीम को चैंपियन बनाया।

कैच विन द मैच...

1983 वनडे विश्व कप के फाइनल में कपिल देव ने विव रिचर्ड्स का कैच पकड़कर बाजी पलट दी थी और भारत चैंपियन बना था। उसी तरह पारी के 20वें ओवर की पहली गेंद पर सूर्यकुमार ने मिलर का अद्भुत कैच पकड़ा और इस कैच ने मैच का रुख बदल दिया।

टर्निंग प्वाइंट
हार का गम...

दक्षिण अफ्रीका ही असली चोकर्स... नहीं बना सकी 24 गेंद पर 26 रन

दक्षिण अफ्रीका टीम को जीत के लिए 24 गेंद पर 26 रन चाहिए थे और छह विकेट उसके पास थे। क्रीज पर हेनरिक क्लासेन 52 और डेविड मिलर 15 रन बनाकर डटे थे। लेकिन पारी का 17वां ओवर फेंकने आए हार्दिक ने पहली ही गेंद पर क्लासेन को आउट किया और यहां से बाजी पलट गई और आखिर में टीम 07 रन से हार गई। इसके साथ साबित हो गया कि द. अफ्रीका असल चोकर्स है। दरअसल, चोकर्स क्रिकेट की भाषा में उस टीम को कहा जाता है, जो बड़े मैचों में जीत के करीब आकर फिसल जाए।

CROSSWORD (वर्ग पहेली) 7030...

बाएं से दाएं... 1. शासन करने वाला (4), 4. मौका, सुयोग, अवकाश (4), 7. स्थिर, अटल, दृढ़ (3), 8. शुद्धि करण, दुरुस्त करना (4), 9. दांत (2), 10. टीस (3), 11. स्तुति, प्रार्थना, पूजा (2), 13. वार्तालाप (3), 14. दासी, बांदी (3), 15. चोटी (2), 16. लाभ, उपकार, नेकी (2), 17. परिवर्तन (4), 19. बहादुर, शूर (2), 20. लिखने का कार्य करने वाला, साहित्य जीवी (3), 21. पिता, सीता के पिता (3), 23. विप्लव, दंगा-फसाद (3), 24. दस सौ आदमियों का सरदार (3), 26. पवित्र, साफ, निर्दोष, रसोई (2), 27. ताकतवर, सामर्थ्यवान (4)

ऊपर से नीचे... 1. तरह, भेद, किस्म (3), 2. संभवत:, कदाचित (3), 3. बराबर, एकसा (2), 4. शोक रहित (3), 5. हत्या (2), 6. स्तब्धता, झुनझुनी (4), 8. लोकसभा/राज्यसभा का संयुक्त रूप (3), 10. वर्जिश, कसरत (4), 12 नखरे सहन करना (2-4), 14. हुनर, फन (2), 15. पत्थर पर खोद कर लिखी गई बात (2-2), 16. पक्का मकान (3), 17. व्यर्थ की बात (2-2), 18. बेमिसाल, अनुपम (4), 22. कश्मीरी गर्म पेय (3), 25. प्राण, सांस, दम (2)

हल 7029

SUDOKU 6765...

1		6			2			
			9		3			
				8		2		5
	4						9	6
	2					3		
8								
			1				5	
9	6				8		1	3
		3		5			2	

हल 6764

7	5	8	6	2	1	9	3	4
1	3	2	9	4	5	6	7	8
9	6	4	8	3	7	5	1	2
6	9	1	2	7	4	3	8	5
4	7	3	1	5	8	2	9	6
8	2	5	3	6	9	7	4	1
3	8	9	5	1	2	4	6	7
5	4	6	7	8	3	1	2	9
2	1	7	4	9	6	8	5	3

कैसे खेलें: वर्ग को 1 से 9 तक अंकों से ऐसे भरें कि आड़ी व खड़ी पंक्ति के साथ ही 3 गुणा 3 के बॉक्स में 1 से 9 तक अंक आएं। कोई अंक दुबारा नहीं आए।

एकमात्र क्रिकेट टेस्ट मैच : दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बनाया ये शानदार रेकॉर्ड

603 रन भारतीय महिलाओं के नाम टेस्ट इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

चेन्नई. बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ यहां खेले जा रहे एकमात्र टेस्ट मुकाबले में पहली पारी छह विकेट पर 603 रन का विशाल स्कोर बनाकर घोषित कर दी। इसके साथ ही भारत के नाम टेस्ट क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा स्कोर दर्ज हो गया है। भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया का रेकॉर्ड तोड़ा, जिसने इसी साल दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ही नौ विकेट पर 575 रन बनाए थे। वहीं, दक्षिण अफ्रीका ने दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक पहली पारी में चार विकेट पर 236 रन बना लिए थे। भारतीय स्पिनर स्नेह राणा ने तीन विकेट चटकाए।

खुशी मनाती स्नेह राणा।

टी-20 : डूंगरपुर ड्रैगन्स ने वंडर मेवाड प्रीमियर लीग खिताब जीता

उदयपुर, डूंगरपुर ड्रैगन्स ने फाइनल में रॉयल राजपूताना कॉन्करर्स टीम को एक रन से हराकर वंडर मेवाड प्रीमियर लीग टी-20 टूर्नामेंट जीत लिया। डूंगरपुर ने 155 रन बनाए। जवाब में राजपूताना टीम 154 रन ही बना सकी।

जीत की जश्न...

आज का पोल

क्या भारतीय महिला क्रिकेट टीम पहला टेस्ट मैच जीत पाएगी?

YES NO

हमारे ट्विटर/फेसबुक पेज पर जाएं और विस्तार से अपनी राय रखें। @PatrikaNews

शनिवार का जवाब
हां 75% नहीं 25%

पिछला सवाल: क्या भारतीय टीम 2007 के बाद टी-20 विश्व कप चैंपियन बन पाएगी?

निराशाजनक : नाडा ने भारतीय भालाफेंक एथलीट पर कसा शिकंजा, एएफआइ से कहा कि उनके किसी भी स्पर्धा में भाग लेने पर रोक लगाए

डोप में फंसे डीपी मनु का टूट सकता है ओलंपिक में खेलने का सपना

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारत के 24 वर्षीय युवा जेवेलिन थ्रोअर (भालाफेंक) एथलीट डीपी मनु के लिए मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। डोपिंग में फंसे मनु का 26 जुलाई 2024 से शुरू होने वाले पेरिस ओलंपिक खेलों में भाग लेने का सपना टूटता हुआ नजर आ रहा है। दरअसल, राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एंजेसी (नाडा) ने एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एएफआइ) को निर्देश देते हुए कहा है कि वह यह सुनिश्चित करे कि डीपी मनु किसी भी प्रतियोगिता में शिरकत नहीं कर सकें। इस कारण मनु के नेशनल इंटर-स्टेट चैंपियनशिप में भाग लेने पर भी रोक लग गई है।

डीपी मनु, भाला फेंक एथलीट।

हैरानी: एएफआइ को पता नहीं कि पूरा मामला क्या है?

हैरानी की बात यह है कि एएफआइ इस पूरे मामले से पूरी तरह से वाकिफ नहीं है। एएफआइ अध्यक्ष आदिल सुमरिवाला ने कहा, हां, ऐसा कुछ हो सकता है लेकिन हम अभी भी नहीं जानते कि असल बात क्या है। हमें एएफआइ ऑफिस से एक फोन कॉल आया कि डीपी मनु के प्रतियोगिताओं में भाग लेने से रोक लगाई जाए।

आदिल सुमरिवाला

मनु खुद पता लगाएं कि क्या मामला है: सुमरिवाला ने कहा, हमारे पास इस मामले में और कोई डिटेल्स नहीं है। मेरा विचार है कि डीपी मनु को खुद इस बारे में नाडा से पता लगाना चाहिए कि आखिर पूरा मामला क्या है। हालांकि इस बारे में अभी तक डीपी मनु की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

नाडा ने अस्थायी प्रतिबंध लगाया है

नाडा ने एक घरेलू प्रतियोगिता के दौरान डीपी मनु का डोप टेस्ट लिया जिसमें वह पॉजिटिव पाए गए। उनके ऊपर अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया।

ओलंपिक कोटा हासिल करने के करीब...

- एशियन चैंपियनशिप 2023 में रजत पदक जीतने वाले ***डीपी मनु पेरिस ओलंपिक का कोटा हासिल करने के बेहद करीब हैं।*** ओलंपिक में एक देश से जेवेलिन थ्रो में तीन एथलीट शिरकत कर सकते हैं।
- टोक्यो ओलंपिक चैंपियन ***नीरज चोपड़ा और किशोर जेना पहले ही पेरिस ओलंपिक*** खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुके हैं।

इस सप्ताह विशेष

सोमवार — **नए क्रिमिनल कोड लागू होंगे**
नई भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू होंगे।

बुधवार — **महंगे होंगे मोबाइल रिचार्ज**
जियो, एयरटेल, वोडाफोन ने बढ़ाया टैरिफ, 3-4 जुलाई से लागू होंगी नई दरें। करीब 11-26% का इजाफा।

गुरुवार — ब्रिटेन में चुनाव होंगे। पीएम ऋषि सुनक की कंजर्वेटिव पार्टी व कीर स्टार्मर की लेबर पार्टी में मुकाबला।

शुक्रवार — **ईरान में राष्ट्रपति चुनाव**
ईरान में राष्ट्रपति पद के लिए दूसरे चरण का मतदान। सईद जलीली और मसूद पेजेशकियान में होगी टक्कर।

रविवार — पुरी में निकलेगी भगवान जगन्नाथ, बहन सुभद्रा और भाई बलराम की रथ यात्रा।

पत्रिका पोल

Q ईरान के राष्ट्रपति चुनाव में क्या हिजाब विरोधी नेता मसूद पेजेशकियन मतदान के अंतिम दौर तक बढ़त बना पाएंगे?

कल का सवाल था
क्या अमेरिका का राष्ट्रपति बने रहने की बाजी जो बाइडन के हाथ से फिसल रही है?

जवाब: 83% हां | 17% नहीं

स्कैन करें...

शिवकुमार समर्थकों ने छेड़ा नेतृत्व परिवर्तन का राग

खरगे के गृह राज्य में कलह ने बढ़ाई कांग्रेस की मुश्किलें

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

बेंगलूरु. लोकसभा चुनाव में अपेक्षा से अधिक सफलता प्राप्त होने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे भले ही खुश हो लें लेकिन वह अपने गृह राज्य में कांग्रेसी की गुटबाजी को खत्म करने में कामयाब नहीं हो पा रहे। मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या व उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के बीच चल रही खींचतान खुलकर सामने आ गई है। महज 13 महीने पुरानी सरकार में उपमुख्यमंत्री पदों की संख्या बढ़ाने से लेकर मुख्यमंत्री बदलने तक की मांग हो रही है। इस बीच दिल्ली दौरे पर गए मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या ने शनिवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। इस मीटिंग के सियासी हलकों में अलग अलग मायने निकाले जा रहे हैं।

लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को राज्य की 28 में से सिर्फ 9 सीटें ही मिलीं। चुनाव के बाद से जातीय समीकरणों को साधने के लिए एक बार फिर तीन और उपमुख्यमंत्री बनाने की मांग उठी। इस बार भी सिद्धू समर्थकों ने ही मांग उठाई। इसके जवाब में शिवकुमार समर्थकों ने नेतृत्व परिवर्तन की मांग को फिर हवा दे दी।

बताया जाता है कि उपमुख्यमंत्री पदों की संख्या बढ़ाने की मांग सिद्धू समर्थकों ने उपमुख्यमंत्री शिवकुमार के राजनीतिक प्रभाव को कम करने के लिए की थी। शिवकुमार वोक्कालिगा समुदाय से हैं और पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। इस बीच बेंगलूरु के संस्थापक नाडप्रभु केम्पेगौड़ा की जयंती पर आयोजित सरकारी समारोह में एक वोक्कालिगा संत ने सिद्धरामय्या और शिवकुमार की मंच पर मौजूदगी में ही शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग कर मामले को नया मोड़ दे दिया। इसके बाद दूसरे बड़े राजनीतिक प्रभाव वाले लिंगायत समुदाय के संत ने भी नेतृत्व परिवर्तन होने पर वीरशैव लिंगायत समुदाय को मौका देने की मांग कर दी। मुख्यमंत्री सिद्धरामय्या तीसरे बड़े राजनीतिक प्रभाव वाले समुदाय कुरुबा से हैं।

सिद्धू समर्थक खेमा शिवकुमार की जगह किसी अन्य नेता को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की भी मांग कर रहा है। इस खेमे के नेताओं का कहना है कि आलाकमान ने लोकसभा चुनाव तक ही शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री के साथ प्रदेश अध्यक्ष बने रहने की बात कही थी और अब आम चुनाव हो चुका है। सिद्धरामय्या समर्थक के.एन. राजण्णा ने तो खुले तौर पर मंत्री पद छोड़कर प्रदेश अध्यक्ष बनने की इच्छा जताई है। दोनों नेताओं की चेतावनी के बावजूद उनके समर्थक मंत्री और नेता बयानबाजी बंद नहीं कर रहे हैं। अब कांग्रेस ने अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है।

सहमति का उपदेश, टकराव का रास्ता अपनाते हैं पीएम : सोनिया

नई दिल्ली @ पत्रिका. कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि वे आम सहमति का उपदेश देते हैं लेकिन टकराव का रास्ता अपनाते हैं। पीएम ऐसा बर्ताव कर रहे हैं जैसे कुछ नहीं बदला हो और ऐसा लगता है कि उन्होंने अभी लोकसभा-2024 के जनादेश को नहीं समझा है। एक अंग्रेजी अखबार में लिखे लेख में कांग्रेस की दिग्गज नेता ने लोकसभा सत्र के संचालन के तरीके पर निराशा व्यक्त करते हुए लिखा कि उन्हें आपसी सम्मान और सहमति की भावना को बढ़ावा देने के कतई संकेत नहीं मिले। उन्होंने लोकसभा में इमरजेंसी पर लाए प्रस्ताव की आलोचना भी की और कहा कि मार्च 1977 में देश की जनता ने इमरजेंसी पर स्पष्ट निर्णय दिया, जिसे कांग्रेस ने नि:संकोच स्वीकार किया गया। तीन साल से भी कम समय के बाद कांग्रेस इतने प्रचंड बहुमत के साथ सत्ता में लौटी की पीएम मोदी वैसा बहुमत नहीं ला पाए। उन्होंने कहा कि जो प्रधानमंत्री 'परीक्षा पे चर्चा' करते हैं, वे पेपर लीक पर चुप हैं।

राजशाही-तानाशाही की मानसिकता: भाजपा के राष्ट्रीय सचिव मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि सोनिया गांधी का लेख राजशाही और तानाशाही मानसिकता का परिचायक है। हैरानी है कि पिछले 30 साल में जो कांग्रेस कभी भी 240 सीटों का आंकड़ा नहीं छू पाई और पिछले तीन चुनाव में मिलाकर 240 सीटें नहीं ला पाई वह 99 सीट को भी अपनी जीत और 240 सीट को पीएम मोदी की हार बता रही है।

इमरजेंसी धब्बा, लेकिन दुर्व्यवहार नहीं हुआ: लालू

उधर, राजद सुप्रीमो लालू यादव ने भी एक लेख में कहा कि इमरजेंसी लोकतंत्र पर एक धब्बा है लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि 2024 में कौन विपक्ष का सम्मान नहीं करता। उन्होंने कहा कि इमरजेंसी में इंदिरा गांधी ने उन सहित अनेक विपक्षी नेताओं को जेल में डाला था लेकिन दुर्व्यवहार नहीं किया। उन्होंने या उनके मंत्रियों ने उन्हें कभी देशद्रोही या राष्ट्रविरोधी नहीं बताया।

स्व-मूल्यांकन: मंत्रालय ने जुटाई सेवाओं की जानकारी, अब सुधार की तैयारी

सरकार ने माना, 80 फीसदी सरकारी अस्पतालों में नहीं हैं जरूरी सुविधाएं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. भारत में लगभग 80% सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधाएं सरकार द्वारा निर्धारित बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य कर्मी, उपकरण और अन्य मानकों पर खरा नहीं उतरती हैं। यह चौंकाने वाला खुलासा खुद सरकार द्वारा किए मूल्यांकन अभियान में हुआ है। स्वास्थ्य केंद्रों को सुविधाओं की संख्या जैसे विवरण 'ओपन डाटा किट' के जरिए 'इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड' पोर्टल पर भरने के लिए कहा गया था। पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, एनएचएम के 200988 स्वास्थ्य केंद्रों में से 43,140 केंद्रों ने ही जानकारी उपलब्ध करवाई। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 80 फीसदी स्वास्थ्य केंद्रों (35051) के पास इतनी भी सुविधाएं नहीं हैं कि वे 'इंडियन पब्लिक हेल्थ स्टैंडर्ड' (आइपीएचएस) पर खरे उतरें।

पोर्टल पर दी गई जानकारी के अनुसार, सिर्फ 8089 (20 फीसदी) स्वास्थ्य केंद्रों का स्कोर 80 फीसदी रहा। आसान भाषा में कहें तो पूरे देश में मात्र 8089 केंद्रों के अस्पतालों में जरूरी मात्रा में बेड, दवाएं, जांच सुविधाएं, वांछित कर्मी, पंखे, शौचालय, पीने का पानी, एसी आदि सुविधाएं थीं।

भारत में सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति

- कुल सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा केंद्र : **2,00,988**
- स्व-मूल्यांकन में शामिल केंद्र : 43,140

केंद्र	कुल	स्व-मूल्यांकन में शामिल
जिला अस्पताल	767	176
उप जिला अस्पताल	1275	236
सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र	6,064	1,339
प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र	31,053	5812
उप स्वास्थ्य केंद्र	16,18,29	35,577

मूल्यांकन में शामिल केंद्रों की स्थिति

- 80 फीसदी से ज्यादा जरूरी मानक सुविधाएं देने वाले स्वास्थ्य केंद्र : **8,089**
- 50 से 80 फीसदी जरूरी सुविधा-संपन्न स्वास्थ्य केंद्र : **15,172**
- 50 फीसदी से कम जरूरी सुविधाओं वाले स्वास्थ्य केंद्र : **17,190**

इस तरह के हैं सुविधा मानक

- **जरूरी सुविधाएं:** प्रति 1000 की आबादी पर अस्पताल में एक बेड अनिवार्य, 2 बेड वांछित।
- **रोगी के प्रतीक्षा** वाले क्षेत्र में अनिवार्य सुविधाएं जैसे पंखा, स्वच्छ पेयजल, महिला और पुरुषों के लिए अलग स्वच्छ शौचालय।
- **वांछनीय सुविधाएं:** एसी, प्रतीक्षा क्षेत्र में टेलीविजन/एलसीडी जिसमें सुविधा-संबंधी जानकारी, स्वास्थ्य-संबंधी जानकारी प्रदर्शित हो।

42% स्वास्थ्य केंद्रों में 50% से कम जरूरी सुविधाएं

आइपीएचएस पोर्टल के अनुसार, कुल 17190 स्वास्थ्य केंद्रों (17,190) को 50 फीसदी से भी कम अंक हासिल हुए हैं। यानी यह केंद्र मानकों के अनुसार आधी जरूरी सुविधाएं भी नहीं दे पा रहे थे।

100 दिनों में 70000 स्वास्थ्य केंद्रों को मानक बनाने का लक्ष्य

स्वमूल्यांकन की प्रक्रिया का लक्ष्य नई सरकार के गठन के पहले 100 दिनों के भीतर 70,000 स्वास्थ्य केंद्रों को आइपीएचएस मानकों के अनुरूप बनाना है। इसके लिए अस्पतालों का औचक निरीक्षण भी किया जाएगा। गौरतलब है कि एनएचएम के तहत सबसे ज्यादा आयुष्मान आरोग्य मंदिर आते हैं। एनएचएम के तहत आने वाले अस्पतालों का 60 फीसदी खर्च केंद्र सरकार उठाती है जबकि बाकी 40% खर्च राज्य सरकारें उठाती हैं।

रूस ने यूक्रेनी कैदी छोड़े

रूस के साथ जंग होगी खत्म: जेलेंस्की

कीव@पत्रिका. यूक्रेन ने हाल ही में अपने 10 लोगों को रूसी कैद से वापस लाने में कामयाब हासिल की है। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कैदियों की रिहाई के बारे में शुक्रवार को यह जानकारी दी। साथ ही, जेलेंस्की ने बताया कि रूस के साथ जंग समाप्त करने के लिए वह एक बड़ी योजना पर काम तैयार कर रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि उनकी योजना का दुनिया के अधिकांश देशों द्वारा समर्थन किया जाएगा।

यूक्रेनी राष्ट्रपति ने स्लोवेनियाई राष्ट्रपति नताशा पिर्क मुसर के साथ कीव में संवाददाता सम्मेलन में इस बात की जानकारी दी।

जलवायु परिवर्तन : दुनिया में 5 अरब लोग हुए प्रभावित

जून के 9 दिनों में भारत के 61.9 करोड़ लोगों ने झेली सबसे भीषण गर्मी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. दुनिया के पांच अरब लोगों ने इस वर्ष जून के नौ दिनों में भीषण गर्मी अनुभव की। इनमें भारत के करीब 61.9 करोड़ लोग शामिल हैं। देश में 40,000 से अधिक संदिग्ध तापाघात के मामले सामने आए। सौ से अधिक लोगों की तापाघात से मृत्यु दर्ज की गई। भीषण गर्मी ने जल आपूर्ति प्रणाली और बिजली ग्रिड को प्रभावित किया, जिससे दिल्ली गंभीर जल संकट से जूझ रही है।

अमरीका स्थित क्लाइमेट सेंट्रल का क्लाइमेट शिफ्ट इंडेक्स (सीएसआइ) दुनिया भर के तापमान पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव को निर्धारित करता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 16 से 24 जून के बीच 4.97 अरब लोगों ने 3 के सीएसआइ स्तर तक पहुंचने वाली अत्यधिक गर्मी का अनुभव किया, जो दर्शाता है कि जलवायु परिवर्तन ने ऐसे तापमान की संभावना तीन गुना बढ़ा दी है।

अप्रेल-जून में भारत में लू के दिन हुए दोगुने

इधर, भारतीय मौसम विभाग (आइएमडी) के अनुसार अप्रेल से जून की अवधि के दौरान देश के लगभग 40 प्रतिशत हिस्से में सामान्य दिनों की तुलना में दोगुनी संख्या में लू के दिन दर्ज किए गए। राजस्थान के कुछ हिस्सों में तापमान 50 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया, जबकि कई स्थानों पर रात का तापमान 35 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहा।

राष्ट्रीय कार्यकारिणी: राजनीतिक प्रस्ताव में उठाई मांग

जेडीयू ने मांगा बिहार के लिए स्पेशल पैकेज या विशेष राज्य का दर्जा

नई दिल्ली @ पत्रिका. भाजपानीत एनडीए गठबंधन में शामिल जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या स्पेशल पैकेज देने की मांग की है। साथ ही जातिगत सर्वे के आधार पर आरक्षण का दायरा बढ़ाए जाने के फैसले को सही ठहराते हुए पटना हाई कोर्ट से निरस्त होने के बावजूद इसे संविधान की नौवीं अनुसूची में शामिल करने की केंद्र से मांग की है। जेडीयू प्रमुख और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को हुई पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में पारित राजनीतिक प्रस्ताव में यह मांग की गई। बैठक में पारित सांगठनिक प्रस्ताव में कार्यकारिणी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में आस्था जताते हुए उनकी अगुवाई में 2025 का बिहार विधानसभा चुनाव लड़ने का भी ऐलान किया गया। जेडीयू महासचिव और पार्टी के मुख्य प्रवक्ता केसी त्यागी ने कार्यकारिणी की बैठक की जानकारी देते हुए बताया कि जेडीयू एनडीए का हिस्सा है और रहेगा। बैठक में लोकसभा चुनाव में एनडीए की जीत के लिए पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार को बधाई भी दी गई। जेडीयू जेडीयू के एक नेता ने बताया कि बिहार के विकास के लिए उसे विशेष राज्य का दर्जा देने की मांग पुरानी है, इसमें कोई नई बात नहीं है।

झा कार्यकारी अध्यक्ष

कार्यकारिणी की बैठक में वरिष्ठ नेता संजय झा को पार्टी को राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया। पार्टी प्रमुख नीतीश कुमार ने खुद यह ऐलान किया। संजय झा शुरुआत में भाजपा में थे जो बाद में जेडीयू में चले गए और नीतीश कुमार के काफी निकट हैं। लोकसभा चुनाव से ऐन पहले जेडीयू को 'इंडिया' गठबंधन से एनडीए में लाने में उनकी प्रमुख भूमिका मानी जाती है।

पटाखा फैक्ट्री में विस्फोट, 4 श्रमिक मरे

विरुदनगर @पत्रिका. विरुदनगर जिले के सात्तूर के पास पांडवारपट्टी गांव में स्थित पटाखा फैक्ट्री में शनिवार को हुए विस्फोट से चार लोगों की मौत हो गई। अच्छानकुलम के सहदेव के स्वामित्व वाली इस पटाखा फैक्ट्री में 50 से ज्यादा लोग काम करते हैं। शनिवार को रसायन मिश्रण के दौरान धमाके से मारीचामी, अच्चनकुलम, छत्रपति मोहन और सेल्वाकुमार की मौत हो गई।

शुक्ला नए मुख्य निर्वाचन अधिकारी नियुक्त

अहमदाबाद @पत्रिका. गुजरात सरकार ने शनिवार को एक आदेश जारी कर प्रधान सचिव हारित शुक्ला को गुजरात का नया मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) नियुक्त किया है। वे पी भारती का स्थान लेंगे।

बरसाना : मिश्रा ने नाक रगड़ मांगी माफी

बरसाना. राधारानी पर विवादित बयान के कुछ दिन बाद कथावाचक प्रदीप मिश्रा ने शनिवार को बरसाना में राधा रानी के मंदिर में नाक रगड़कर माफी मांगी। बयान के बाद संत आक्रोशित हो गए थे।

भारतीय मूल के कोस्टा बने यूरोपीय काउंसिल के अध्यक्ष, गोवा में है इनका घर

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

ब्रसेल्स. चुनाव बाद हुए यूरोपीय परिषद के सम्मेलन में पुर्तगाल के पूर्व प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा को यूरोपीय परिषद का अध्यक्ष बनाने का फैसला लिया गया है। परिषद के अध्यक्ष बनाए गए कोस्टा का संबंध भारत से है। इसी सम्मेलन में जर्मनी की उर्सुला फॉन डेय लाएन को यूरोपीय आयोग का अध्यक्ष और एस्टोनिया की प्रधानमंत्री कया कल्लास को यूरोपीय संघ (ईयू) का अगली विदेश नीति प्रमुख नियुक्त किया गया है।

चर्चित चेहरा

एंटोनियो कोस्टा, पुर्तगाल के पूर्व पीएम

भारतीय जड़ों पर गर्व

2017 में भारत आए कोस्टा ने गोवा से जुड़ी अपनी जड़ों पर गर्व जताते हुए कहा था, मैं इस मौके का इस्तेमाल कर गोवा में अपने रिश्तेदारों के पास जाने की योजना बना रहा हूं, जो अब भी मरगावो में रहते हैं, जहां मेरे पिता का घर था।

आठ साल तक रहे पुर्तगाल के पीएम

2015 से 2023 तक पुर्तगाल के 118वें प्रधानमंत्री रहे एंटोनियो कोस्टा के दादा गोवा में पैदा हुए और उन्होंने अपनी जिंदगी का बड़ा हिस्सा वहीं बिताया। जनवरी 2017 में बतौर प्रधानमंत्री एंटोनियो कोस्टा प्रवासी भारतीय दिवस में हिस्सा लेने भारत भी आए थे। कोस्टा 2007 से 2013 तक लिस्बन के मेयर भी रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यूरोपीय परिषद के अगले अध्यक्ष चुने जाने पर एंटोनियो कोस्टा को बधाई देते हुए कहा है, 'मेरे मित्र एंटोनियो कोस्टा को यूरोपीय परिषद के अगले अध्यक्ष चुने जाने पर बधाई। मैं भारत-यूरोपीय संघ की रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए आपके साथ मिलकर काम करने के प्रति उत्सुक हूं।

कानून में भरोसा जताया, इस्तीफा

कोस्टा को पुर्तगाली प्रधानमंत्री पद से उस समय इस्तीफा देना पड़ा था जब नवंबर 2023 में भ्रष्टाचार से जुड़ी जांच में पुलिस ने उनके आधिकारिक आवास की तलाशी ली थी। कोस्टा ने न्याय प्रक्रिया में आस्था जताते हुए इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति ने संसद भंग कर दी थी और कोस्टा अप्रेल 2024 तक अंतरिम पीएम बने रहे। जांचकर्ताओं ने कहा था कि लीथियम और ग्रीन हाइड्रोजन परियोजनाओं में कथित भ्रष्टाचार को लेकर कोस्टा पर भी जांच चल रही है। कोस्टा के साथ, उनके चीफ ऑफ स्टाफ समेत एक करीबी दोस्त और पूर्व इंफ्रास्ट्रक्चर मिनिस्टर भी जांच के घेरे में थे। बीते दिनों पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टुस्क ने कहा था कि कोस्टा पद के योग्य हैं,

---

सर्वे: पीएम, आरबीआइ, सुप्रीम कोर्ट पर सबसे ज्यादा

सेना में लोगों का भरोसा सबसे ज्यादा, नेताओं पर सबसे कम

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. देश की जनता को सेना (थल, जल और वायु सेना) पर सबसे ज्यादा भरोसा है, जबकि राजनीतिक दलों पर सबसे कम। साथ ही प्रधानमंत्री, रिजर्व बैंक और सुप्रीम कोर्ट के प्रति लोगों में भरोसे का स्तर काफी ऊंचा है। देश के लोगों में विभिन्न संस्थाओं के प्रति विश्वसनीयता के बारे में सर्वे एजेंसी इप्सोस के सर्वेक्षण में यह बात सामने आई है।

यह सर्वेक्षण पूरे देश में विभिन्न आयु समूहों, वर्गों, महानगरों, टियर-2 और टियर-3 शहरों में किया गया है। सर्वे में 54 फीसदी लोगों ने सेना को सबसे भरोसेमंद माना है। उल्लेखनीय है कि पिछले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 साल से सत्ता पर काबिज भाजपा के शासन पर विरोधी दल संस्थाओं को कमजोर करने के आरोप लगाते रहे हैं, लेकिन ताजा सर्वे में एक संस्था के रूप में प्रधानमंत्री की विश्वसनीयता 49 फीसदी स्कोर के साथ सेना के बाद दूसरे नंबर है।

नेताओं से ज्यादा पुलिस पर भरोसा : सर्वे में दिलचस्प आंकड़ा यह भी निकल कर आया कि आम जनता में पुलिस पर राजनेताओं और राजनीतिक दलों से ज्यादा भरोसा है। पुलिस पर लोगों का 35 फीसदी भरोसा है जबकि राजनेता व राजनीतिक दलों में महज 30-31 फीसदी।

सर्वे के बारे में इप्सोस इंडिया के पारिजात चक्रवर्ती ने कहा कि सेना, पीएम, आरबीआइ, सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग संस्थाएं ईमानदारी, मूल्यों और विश्वसनीयता के उच्चतम स्तर को बनाए रखते हैं। राजनीतिक दल और राजनेता जवाबदेह होने और लोगों की सेवा करने के बावजूद संदेह की दृष्टि से देखे जाते हैं।

भरोसे का स्तर

संस्थान	स्कोर
सेना	54%
प्रधानमंत्री	49%
आरबीआइ	48%
सुप्रीम कोर्ट	45%
सीबीआइ	43%
चुनाव आयोग	41%
संसद	37%
मीडिया	36%
पुलिस	35%
एनजीओ-धर्मार्थ संस्थाएं	34%
सामुदायिक नेता	34%
धार्मिक नेता	33%
राजनेता	31%
राजनीतिक दल	30%

TRENDING NEWS ट्रेंडिंग न्यूज

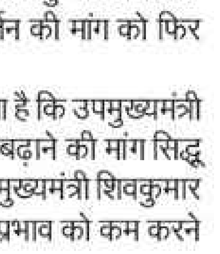

इजरायल को युद्ध की चेतावनी

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत आमिर सईद इरावानी ने कहा है कि यदि इजरायल लेबनान में हिजबुल्लाह के खिलाफ युद्ध छेड़ता है तो विनाशकारी युद्ध शुरू हो जाएगा। ईरान की यह चेतावनी इजरायल सेना द्वारा हिजबुल्लाह के कई ठिकानों पर हमले के बाद आई है।

अल्बानीज को जान से मारने की धमकी

आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने खुलासा किया है कि उनको और उनके परिवार को एक 19 वर्षीय आतंकी से जान से मारने की धमकी मिली। आरोपी जॉर्डन पैटन कथित तौर पर न्यूकैसल के सांसद टिम क्रैकेंथॉर्प के कार्यालय में चाकू, घातक हथियार आदि लेकर घुसा भी था।

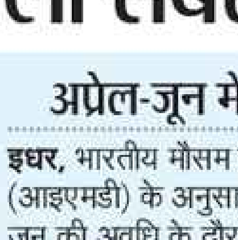

पाकिस्तान: गुरुद्वारा विरोधी बयान

पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन पार्टी के नेता और फैसलाबाद के उप महापौर अमीन बट को सिख विरोधी बयान के बाद माफी मांगनी पड़ी है। बट ने कहा था कि हम सिखों को गुरुद्वारा बनाने की अनुमति नहीं देंगे। सिख मुसलमानों के बलात्कारी और हत्यारे हैं।

डिबेट में बाइडन की 'हार' के बाद उम्मीदवारी पर उठे सवाल, ट्रंप खुश

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
patrika.com

वाशिंगटन. 'मैं जानता हूं कि मैं युवा नहीं हूं, पहले की तरह आसानी से नहीं चलता, पहले की तरह सहजता से नहीं बोलता, मैं पहले की तरह अच्छी तरह से बहस नहीं करता लेकिन यह साफ है कि मुझे पूरे दिल और आत्मा से विश्वास न होता कि मैं यह काम कर सकता हूं, तो मैं फिर से चुनाव लड़ने नहीं आता। मैं मैदान छोड़ने वाला नहीं हूं, दांव बहुत ऊंचे हैं।'

अमरीकी डेमोक्रेट राष्ट्रपति जो बाइडन ने अपने रिपब्लिकन प्रतिद्वंद्वी डॉनल्ड ट्रंप के साथ आमने-सामने की टीवी डिबेट में 'कमजोर' पड़ने के एक दिन बाद एक चुनावी रैली में यह बात कही। बहस को 81 वर्षीय मौजूदा राष्ट्रपति की 'हार' के रूप में देखा जा रहा है। यहां तक कि 2020 के राष्ट्रपति चुनाव में बाइडन का समर्थन करने वाले न्यूयॉर्क टाइम्स के एडिटर बोर्ड ने यहां तक लिख दिया कि 'सबसे बड़ी सार्वजनिक सेवा जो बाइडन अब कर सकते हैं, वह यह घोषणा करना है कि वह चुनाव नहीं लड़ेंगे।'

न्यूयॉर्क. स्टोनवॉल नेशनल मॉन्यूमेंट विजिटर सेंटर के उद्घाटन में पहुंचे बाइडन का जोशीला अंदाज।

ट्रंप ने डिबेट में जीत का लिया श्रेय

वर्जीनिया में एक चुनाव अभियान रैली में ट्रंप ने जीत का दावा करते हुए कहा कि यह 'एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ हमारी बड़ी जीत है जो हमारे देश को नष्ट करना चाहता है।' उन्होंने कहा कि बाइडन की समस्या उनकी उम्र नहीं है बल्कि वह 'पूरी तरह से अक्षम' हैं। उन्होंने कहा कि मैं ऐसे लोगों को जानता हूं जो उनसे बड़े हैं पर कमाल के काम किए हैं।

बाइडन का साथ देने आगे आए ओबामा

डिबेट में ट्रंप को जवाब देते हुए बाइडन की जुबानी लड़खड़ाहट और भटकाव ने इस चिंता को बढ़ा दिया है कि क्या वे और राष्ट्रपति बने रहने के लिए फिट हैं! क्या चुनाव के लिए उनकी जगह किसी और को लाया जा सकता है! हालांकि, बाइडन के सहयोगी उनके पीछे एकजुट हो गए हैं। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा व क्लिंटन ने बाइडन के पक्ष में आवाज उठाते हुए कहा है कि एक डिबेट से आप किसी के समर्पण का आकलन नहीं कर सकते। हाउस डेमोक्रेटिक लीडर हकीम जेफ्रीस, पूर्व हाउस स्पीकर नैन्सी पेलोसी सहित कई ने बाइडन को फिट बताया।

क्या होगा अगर बाइडन हट जाते हैं पीछे

यदि बाइडन हट जाते हैं तो पार्टी के पास 19 अगस्त से शुरू होने वाले अपने राष्ट्रीय सम्मेलन में एक और उम्मीदवार चुनने के लिए दो महीने से भी कम समय होगा। यह बहुत जटिल प्रक्रिया होगी, भारतीय मूल की उपराष्ट्रपति कमला हैरिस से लेकर कुछ गर्वनर और पार्टी के नेताओं के बीच दावेदारी के लिए मुकाबला होने लगेगा।

''स्वत्वाधिकारी राजस्थान पत्रिका प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक गजराज भण्डारी द्वारा 2/3 आई एन एस बिल्डिंग, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं राजस्थान पत्रिका प्रा. लि. भूखण्ड संख्या 68-69, फेज VII, सैक्टर-35, गुरुग्राम (हरियाणा) एवं मैसर्स विभा पब्लिकेशन प्राईवेट लिमिटेड, डी-160 बी, सैक्टर 7, गौतमबुद्ध नगर (यू.पी.) से मुद्रित। आर.एन.आई. नं. डेलहिन/2005/15156, सम्पादक: भुवनेश जैन।
सम्पादकीय प्रभारी: सुरेश व्यास-पी.आर.बी. एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी''